नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 176 | नई दिल्ली, मंगलवार 24 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

करीना के हाथ लगी सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म ← पेज-12

एक नजर

कुपवाड़ा दुर्घटना में सेना के दो जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिलें में अलग-अलग ऑपरेशन ड्यूटी के दौरान सेना के दो जवानों की मौत हो गयी । अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि दो अलग-अलग जगहों पर सिपाही बंसोड़ दीपक दिवाकर और सैपर (एसपीआर) सिद्धार्थ चिब, अपना कर्तव्य निभा रहे थे उस दौरान दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएँ घटी जिसमें इन दो सिपाहियों की मौत हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिपाही दिवाकर की हंदवाड़ा के नौगाम सेक्टर में जबकि सिद्धार्थ की मौत वात्यान हंदवाड़ा में हुयी। उन्होंने कहा कि दोनों सिपाहियों की मौत देर शाम अलग -अलग दुर्घटनाओं में हुयी । इस बीच, सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं में दोनों की मौत हो गयी। इन दुर्घटनाओं के बारे में अधिक साझा नहीं किया गया हैं।

डॉक्टरों की सलाह से हरियाणा की रैली में नहीं जाएंगे खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को डॉक्टर ने आराम करने की सलाह दी है इसलिए हरियाणा में होने वाली दो रैलियों को आज संबोधित नहीं करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय के सूत्रों के अनुसार श्री खड़गे को सोमवार को हरियाणा में दो चुनावी रैलियां को संबोधित करना था लेकिन स्वास्थ्य सम्बधी मामूली दिक्कतों के कारण उन्हें रैली में नहीं जाने और आराम करने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि श्री खड़गे की गैर मौजूदगी में हरियाणा की दोनों चुनावी रैलियों को राज्य स्तर के कांग्रेस नेता संबोधित करेंगे। श्री खड़गे का चुनावी रैली में जाने का कार्यक्रम स्थगित होने के कारण अटकलें तेज हो गई हैं कि हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी से नाराज श्री खड़गे रैली में नहीं जा रहे हैं।

तिरुपति मंदिर में घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी को नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने तिरुमला तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसादम के लिए घी की आपूर्ति करने वाली एक कंपनी को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय ने मंदिर में घी की आपूर्ति करने वाली चार कंपनियों के उत्पाद के नमूने मांगें थे और उनका परीक्षण किया था। इनमें से एक कंपनी के उत्पाद का नमूना मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडु ने विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के प्रसाद लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी में मिलावट के आरोप लगाये हैं। इस पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि तिरुमला तिरुपति प्रसाद मामले में आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी गयी है और इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी। श्री नड्डा ने कहा है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई होगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की प्रणाली तय होगी। उन्होंने कहा है कि रिपोर्ट की जांच करने के बाद प्रसाद में मिलावट के मामले में उचित और कानूनी कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि सोशल मीडिया के अनुसार आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासन काल में तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में पशुओं की चर्बी मिलायी जा रही थी।

संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से निकले बाहर

- भारत मानवता के हितों की रक्षा एवं वैश्विक समृद्धि के लिए प्रतिबद्धता से काम करता रहेगा : मोदी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक महत्वाकांक्षा के आधार पर ही सामूहिक कदम उठाए करने पर बल देते हुए कहा है कि पूरी मानवता के हितों की रक्षा एवं वैश्विक समृद्धि एवं कल्याण के लिए भारत पूरी प्रतिबद्धता से काम करता रहेगा।

श्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए आयोजित शिखर-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने विश्व समुदाय का दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और 140 करोड़ देशवासियों की ओर से अभिवादन करते हुए कहा कि वह मानव जाति के छठवें भाग की आवाज आप तक पहुँचाने यहाँ आया हैं। आज जब हम वैश्विक भविष्य की बात कर रहे हैं, तो उसमें मानव केन्द्रित रुख सर्वप्रथम होना चाहिए। सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए, हमें मानव कल्याण, भोजन, स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि भारत में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल कर हमने यह दिखाया है कि सतत विकास सफलता हासिल कर सकता है। सफलता का हमारा यह अनुभव, हम वैश्विक दक्षिण के साथ साझा करने के लिए तैयार हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मानवता की सफलता हमारी सामूहिक सफलता में निहित है न कि युद्ध के मैदान में। और वैश्विक शांति एवं विकास के लिए, वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक हैं। सुधार से ही प्रासंगिकता होती है। गत वर्ष जी-20 के नयी दिल्ली शिखर-सम्मेलन में अफ्रीकी संघ की स्थाई सदस्यता, इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

श्री मोदी ने कहा, "वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए, एक तरफ आतंकवाद जैसा बड़ा खतरा है, तो दूसरी तरफ साइबर, समुद्री क्षेत्र, अंतरिक्ष जैसे अनेक संघर्ष के नए नए मैदान भी बन रहे हैं। इन सभी विषयों पर, मैं जोर देकर कहूँगा कि वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा के अनुरूप होनी चाहिए।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदाराना इस्तेमाल के लिए संतुलित विनियमन की आवश्यकता है। हमें ऐसा वैश्विक डिजिटल शासन चाहिए, जिससे राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा एक सेतु की तरह काम करे, न कि बाधा डाले। वैश्विक कल्याण के लिए, भारत अपना डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे विश्व से साझा करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए "एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य डल्ली एंड्रइ्ड एक प्रतिबद्धता है। यही प्रतिबद्धता हमारे "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य " और "एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिडड जैसी पहलों में भी दिखाई देता है।

श्री मोदी ने कहा, "पूरी मानवता के हितों की रक्षा और वैश्विक समृद्धि के लिए भारत मनसा-वाचा-कर्मणा से काम करता रहेगा।"

अनुरा दिसानायके ने ली श्रीलंका के 9वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ

कोलंबो, एजेंसी। अनुरा दिसानायके ने सोमवार को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है जब एक वामपंथी नेता ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। दिसानायके, मार्क्सवादी विचारधारा वाली जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) से आते हैं। शपथ ग्रहण समारोह कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में हुआ। मुख्य न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने दिसानायके को शपथ दिलाई।

चुनाव में पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती की गई। यह तब हुआ जब दिसानायके और समागी जन संधानया के उम्मीदवार सजित प्रेमदासा, जरुरी वोट प्रतिशत हासिल करने में नाकाम रहे। इसके बाद दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती करने की जरुरत पड़ी।

पीएम मोदी ने दिसानायके को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसानायके को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई दी। पीएम मोदी ने रविवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों में आपकी जीत पर अनुरा दिसानायके को बधाई। भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और विजन 'सागर' में श्रीलंका का विशेष स्थान है। मैं अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

हमने प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास तोड़ा है: राहुल

श्रीनगर/जम्मू, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले 56 इंच के सीने की बात करते थे लेकिन अब नहीं करते हैं और इससे साबित होता है कि हमने उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया है।

श्री गांधी ने जम्मू-कश्मीर में सोमवार को दो चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमने मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर श्री मोदी का आत्मविश्वास तोड़ा है। अब पहले की तरह न 56 इंच के सीने की बात करते हैं और ना ही उनके चेहरे पर पहले वाला आत्मविश्वास दिखता है। संसद से लेकर श्री मोदी के किसी भी कार्यक्रम को देखिए कि उनमें भीतर पहले वाला विश्वास नहीं दिखता है और हमने मनोवैज्ञानिक तरीके से कमजोर कर उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया है।

श्री गांधी ने कहा, इंडिया गठबंधन ने नरेंद्र मोदी को हमने साइकोलॉजिकली तोड़ दिया है, जो पहले नरेंद्र मोदी थे 56 इंच की छाती वाले, वो आज नहीं हैं। आज विपक्ष जो भी करवाना चाहता है, हम वो करवा देते हैं। मोदी सरकार कानून लाती है, हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं, वे कानून पास नहीं करते और फिर नया कानून लाते हैं।

जम्मू-कश्मीर के लोग राहुल की मोहब्बत की दुकान बंद कर देंगे: शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को विकास विरोधी और आतंकवाद समर्थक रुख के लिए कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की आलोचना की और उनके कारण होने वाले नुकसान को रेखांकित किया। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए पार्टी उम्मीदवार रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा बेल्ट में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा लोगों को दिए गए आरक्षण और अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला चाहे जो भी प्रयास करें आरक्षण जारी रहेगा। श्री शाह ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला अनुच्छेद 370 को बहाल करने की बात करते हैं, लेकिन उनके परिवार की अगली तीन पीढ़ियां भी इसे वापस नहीं ला पाएंगी। उन्होंने गांधी और अब्दुल्ला परिवारों पर आरक्षण खत्म करने और आतंकवाद को वापस लाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया वे अपने तथाकथित 'मोहब्बत की दुकान' से आतंकवाद की बात करते हैं। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद, ये आतंकवाद को वापस लाने में सफल नहीं होंगे क्योंकि जम्मू-कश्मीर के लोग झूठी 'मोहब्बत की दुकान' को बंद कर देंगे।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी रखना, देखना अपराध: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक 'ऐतिहासिक फैसले' में कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पादीवाला की पीठ ने गैर सरकारी संगठन 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस' की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर इस विषय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए नये दिशा निर्देश जारी किए हैं।

पीठ ने कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत अपराध माना जाएगा।

पीठ ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को 'बाल पोर्नोग्राफी' शब्द की जगह संशोधित शब्दावली- 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' रखने के लिए जरूरी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं।

पीठ ने कहा है, संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से 'बाल पोर्नोग्राफी' शब्दावली को 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पोक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पीठ ने यह भी कहा कि इस संशोधन के लिए फिलहाल सरकार अध्यादेश जारी कर सकती है।

शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही देश में यौन शिक्षा कार्यक्रमों को व्यापक रूप लागू करने का भी सुझाव दिया, जिसमें नाबालिगों के साथ रतिक्रिया के चित्रण के कानूनी और नैतिक नतीजों की भी जानकारी शामिल की जाए।

पीठ को उम्मीद है कि इससे संभावित अपराधों को रोकने में मदद मिल सकती है। यौन शिक्षा जैसे कार्यक्रमों के संबंध में जनसामान्य के बीच भ्रामक सोच को दूर किया जाना चाहिए और युवाओं को यौन सहमति और यौन शोषण के प्रभाव की स्पष्ट समझ करायी जानी चाहिए।

पीठ ने केंद्र सरकार को एक विशेषज्ञ समिति के गठन पर विचार करने के सुझाव का भी समर्थन किया है, जो स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने की सिफारिश कर सकती है। अदालत ने पूरे देश में बच्चों को कम उम्र से ही पोक्सो के बारे में जागरूक बनाने पर जोर दिया है ताकि बाल संरक्षण, शिक्षा और यौन कल्याण के लिए एक मजबूत और सुविचारित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके।

शीर्ष अदालत ने यह भी माना है कि सोशल मीडिया मंच सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा समुचित रूप से बाल यौन सामग्री के रूप में अधिसूचित आपत्ति जनक सामग्री को, साक्ष्य को अप्रभावित रखते हुए अपने मंच से शीघ्रता पूर्वक नहीं हटाते हैं तो ऐसे मंचों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत दी गई सुरक्षा का लाभ नहीं मिलेगा।

ऐसे मंचों द्वारा नियंत्रित कंप्यूटर संसाधन में मौजूद या उससे जुड़ी किसी भी सूचना, डेटा या संचार लिंक का उपयोग गैरकानूनी कार्य करने के लिए किया जा रहा है तो भी उन्हें आईटी अधिनियम की उपरोक्त धारा का संरक्षण नहीं मिलेगा।

पोर्नोग्राफी को अपराध घोषित करना वैश्विक स्तर पर मार्ग प्रशस्त करने वाला फैसला

बाल पोर्नोग्राफी देखना, रखना या डाउनलोड करना पॉक्सो एक्ट और सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत अपराध घोषित करने का उच्चतम न्यायालय का सोमवार का 'ऐतिहासिक फैसला' बच्चों को इस अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर मार्ग प्रशस्त करने वाला है। याचिकाकर्ता भुवन रिभु ने फैसले के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर बच्चों को इस अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध से बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए रूपरेखा तैयार करके वैश्विक स्तर पर मार्ग प्रशस्त किया है। स्वयंसेवी संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस (जेआरसीए) के संस्थापक और याचिकाकर्ता श्री रिभु ने कहा,इभारत ने एक बार फिर बच्चों को इस अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध से बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए रूपरेखा तैयार करके वैश्विक स्तर पर मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस फैसले का समाज, अपराध और बाल अधिकारों पर दीर्घकालिक और वैश्विक प्रभाव पड़ेगा और यह इतिहास में दर्ज हो जाएगा। जब कोई व्यक्ति हवाला शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' खोज रहा है और उसे डाउनलोड कर रहा है, तो वह हमारे बच्चों के बलात्कार की मांग कर रहा है।

कांग्रेस सरकार बनाने के नजदीक भी नहीं है: मनोहर लाल

करनाल, 23 सितंबर (वेब वार्ता)। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इंद्री विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी राम कुमार कश्यप के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। यहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि, भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सरकार बना रही है और कांग्रेस सरकार बनाने के नजदीक भी नहीं है।

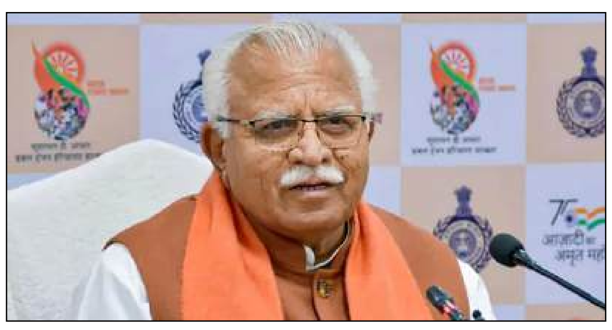

उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कि भाजपा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली है। बोले, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि हरियाणा में भाजपा को 49 से 50 सीट मिल रही है। लेकिन, मैं आपको बताना चाहता हूं कि हरियाणा में भाजपा की 60 से 62 सीट आ रही है।

हरियाणा के पूर्व सीएम ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वो अपनी पहुंच बढ़ाएं। उन्होंने कहा, भाजपा के सभी कार्यकर्ता एक-एक मतदाता तक पहुंचे और भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील करें। इस बार हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने के साथ ही रिकॉर्ड भी बनना चाहिए।

कार्यकर्ताओं से मनोहर लाल ने कहा, साल 2004 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनी। साल 2009 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनी। साल 2014 और 2019 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी। साल 2024 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है। इस बार तीसरी बार हरियाणा में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

मनोहर लाल ने एक्स पोस्ट पर भी हरियाणा वासियों से वोट की अपील की। मनोहर लाल ने लिखा, इंद्री विधानसभा क्षेत्र के अपने परिवारजनों को संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशी राम कुमार कश्यप के समर्थन में वोट देने की अपील की। यहां के लोगों का जोश और उत्साह देखकर अभिभूत हूं और आश्वस्त हूं की वे दूसरी बार यहां से कमल खिलाकर राम कुमार कश्यप को भारी मतों से जिताने जा रहे हैं।

बता दें कि 5 अक्टूबर को हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर भारतीय चुनाव आयोग एक फेज में मतदान करा रहा है। 8 अक्टूबर को परिणाम घोषित किया जाएगा।

कुमारी सैलजा बोलीं जल्द ही चुनावी अभियान में करेंगी शिरकत

नई दिल्ली। कांग्रेस हरियाणा की कद्दावर नेता कुमारी सैलजा का कहना है कि वे जल्द ही राज्य विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव प्रचार में वापसी करेंगी। पिछले कुछ समय से चुनावी अभियान से दूरी बनाने वाली सैलजा ने भाजपा में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज किया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा की पार्टी के हरियाणा विधानसभा अभियान से अनुपस्थिति ने पार्टी के भीतर दरार की अफवाहों को हवा दे दी है। इसी बीच भाजपा लगातार कांग्रेस को घेर रही है और दलित नेता के अपमान का आरोप लगा रही है। अमित शाह ने हरियाणा के टोहना में एक चुनावी सभा में भी यही बात कही है। इसी बीच कुमारी सैलजा ने विभिन्न मंचों पर मीडिया के साथ बातचीत में भाजपा में जाने की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि चुनावों के कारण इस समय भाजपा नरम दिली दिखा रही है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही राज्य विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव प्रचार में वापसी करेंगी। हालांकि मीडिया से बातचीत में भी सिरसा से सांसद सैलजा अपनी नाराजगी नहीं छिपा पा रही हैं।

झारखंड चुनाव में भाजपा-आजसू के बीच सीट बंटवारे का ऐलान जल्द

रांची, एजेंसी। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आजसू पार्टी के बीच सीट शेयरिंग का ऐलान नवरात्रि के दौरान हो सकता है। दोनों पार्टियों के बीच इसे लेकर चल रही बातचीत में आमतौर पर सहमति बनती दिख रही है।

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ चुनाव से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के बाद सोमवार को रांची लौटे आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा, राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात और आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई है। हम मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हैं। सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है।

अमित शाह से सुदेश महतो की मुलाकात के दौरान असम के सीएम और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे।

सूत्रों के अनुसार, आजसू ने 12 से 14 सीटों पर दावेदारी की है। भाजपा नेतृत्व अधिकतम 9-10 सीटें देने को तैयार है। टुंडी, चंदनकियारी, जुगसलाई, तमाड़, ईचागढ़ और लोहरदगा सीट पर दोनों पार्टियों की दावेदारी है।

झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नवरात्रि की शुभ घड़ी में हम अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर देंगे। ऐसे में यह उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दोनों पार्टियों में बीच का रास्ता निकल आएगा।

साल 2019 के विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर भाजपा और आजसू में बात नहीं बन पाई थी। आजसू ने एनडीए से अलग हटकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने केजरीवाल पर बोला हमला, कहा- लोगों को करते हैं कंफ्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद से सियासत गर्म है। भाजपा और आम आदमी पार्टी आमने-सामने है। इसी कड़ी में सोमवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल कंफ्यूज कर रहे हैं। बेल मिलते ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन किया और पटाखे छोड़ दिए। उनको बेल ही मिली है। आरोप मुक्त थोड़े हुए हैं।

अर्जुन राम मेघवाल सोमवार को दिल्ली के तुगलकाबाद में आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मोबाइल हेल्थ चेकअप कैंप की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि तुगलकाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंदर लोगों के सुविधा के लिए मोबाइल वैन की शुरूआत की गई है। इसकी शुरूआत पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने की है। यह सेवा का अच्छा काम है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने अरविंद केजरीवाल के सवाल पर कहा कि वह लोगों को कंफ्यूज करते हैं। उन्होंने पहले बोला था की गाड़ी नहीं लूंगा और बड़ी गाड़ी ले ली। बोला था घर नहीं लूंगा, घर ले लिया। वो कंफ्यूज कर रहे हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद विवाद पर बोला कि उसकी जांच चल रही है। सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाइल वैन का उद्घाटनः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा 15 दिनों तक चला रहे हैं। इसी कड़ी में तुगलकाबाद में सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाइल वैन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री द्वारा किया गया।

इस दौरान पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि मोबाइल वैन में तमाम सुविधाएं उपलब्ध है। इसमें एमबीबीएस डॉक्टर हैं और यह वातानुकूलित है। इसमें दवाइयां के साथ ही ब्लड टेस्ट की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई हैं।

दिल्ली में बढ़े डेंगू के मरीज, प्लेटलेट्स की बढ़ी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर में दिल्ली में कई दिन तक हुई लगातार बारिश के चलते राजधानी के अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया के मरीज भर्ती होने लगे हैं। साथ ही अब तक इस सीजन में डेंगू से दो मरीजों की मौत भी हो चुकी है। बात अगर दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों की करें, तो उनमें पिछले दो महीने में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ी है। अभी अस्पतालों में डेंगू के 30 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। सितंबर में हर सप्ताह डेंगू के संक्रमित मरीज अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। पूर्वी दिल्ली में निगम के सबसे बड़े अस्पताल स्वामी दयानंद के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नरोत्तम दास ने बताया कि उनके यहां अगस्त में डेंगू के पांच मरीज भर्ती हुए थे, जिन्हें ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। वहीं, सितंबर में अभी तक अस्पताल में 11 मरीज भर्ती हुए हैं, जिनमें से सात मरीजों को छुट्टी दी जा चुकी है। लेकिन, पिछले दो दिन से मेडिसिन विभाग से चार मरीजों के लिए प्लेटलेट्स की डिमांड की गई है। मरीजों को प्लेटलेट्स उपलब्ध भी कराई जा रही है। प्लेटलेट्स व किट की पर्याप्त व्यवस्थाः उन्होंने आगे बताया, "अस्पताल में खुद प्लेटलेट्स तैयार करने की भी सुविधा है। फिलहाल हमारे पास प्लेटलेट्स की पर्याप्त व्यवस्था है। साथ ही डेंगू मरीजों की जांच के लिए जांच किट और आवश्यक सभी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में है। इसके अलावा इमरजेंसी और वार्ड में दोनों जगह डेंगू मरीजों के लिए बेड भी रिजर्व रखे गए हैं। डेंगू मरीजों के लिए अस्पताल में पर्याप्त व्यवस्था है। अस्पताल में जनवरी से लेकर अब तक मलेरिया के कुल 21 मरीज भर्ती हुए, जो ठीक होकर जा चुके हैं।" सफदरजंग अस्पताल में 10 मरीज भर्तीः उधर, सफदरजंग अस्पताल में फिलहाल डेंगू के 10 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। अस्पताल की प्रवक्ता पूनम ढांडा ने बताया कि अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए प्लेटलेट्स की व्यवस्था है। हालांकि, अभी तक एक दो मरीजों को ही प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत पड़ी है। बाकी मरीज बिना प्लेटलेट्स के ही इलाज से ठीक होकर डिस्चार्ज हुए हैं। लोकनायक में ये स्थितिः इसी तरह दिल्ली सरकार के सबसे बड़े अस्पताल लोकनायक में भी डेंगू के पांच से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। अस्पताल में पिछले महीने डेंगू से एक मरीज की मौत हो गई थी, जो इस सीजन की पहली मौत थी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि अगस्त और सितंबर में मिलाकर अस्पताल में अभी तक डेंगू के 15 से ज्यादा मरीज भर्ती हुए हैं। इनमें से अधिकतर मरीज अस्पताल से ठीक होकर जा चुके हैं।

केजरीवाल की कुर्सी खाली छोड़ अन्य कुर्सी पर बैठ कर सरकार चलाएंगी आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कार्यभार संभालने के बाद कहा कि चार महीने बाद दिल्ली के लोग अपने प्यार और भरोसे के साथ दोबारा अरविंद केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाएंगे, तब तक उनकी कुर्सी उनका इंतजार करेगी तथा वह किसी अन्य कुर्सी पर बैठकर सरकार चलायेंगी। सुश्री आतिशी ने मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से कहा कि जिस तरह भरत ने 14 सालों तक भगवान श्रीराम की खड़ाऊ रखकर अयोध्या का शासन संभाला, उसी तरह अगले चार महीने तक वह दिल्ली की सरकार चलायेंगी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम अपने पिताजी द्वारा दिए गए एक वचन को निभाने के लिए 14 साल तक वनवास में रहे इसलिए भगवान श्रीराम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

एबीवीपी का डूसू चुनाव के लिए प्रचार हुआ तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के डूसू अध्यक्ष पद उम्मीदवार ऋषभ चौधरी, उपाध्यक्ष पद उम्मीदवार समेत एबीवीपी कार्यकताओं ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। एबीवीपी से डूसू चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार दो-समूहों में विभाजित हुए डीयू के 52 कॉलेजों और विभागों तक अपने मुद्दों को पहुंचाने लिए जुट गए हैं। साथ ही डूसू चुनाव में एबीवीपी से जुड़े पांच हजार से अधिक छात्र भी इन कॉलेजों में प्रचार में लगे हैं। एबीवीपी से उपाध्यक्ष पद उम्मीदवार भानू प्रताप सिंह तथा संयुक्त सचिव उम्मीदवार अमन कपासिया ने खालसा कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज, रामजस कॉलेज, हंसराज, हिंदू कॉलेज, विधि संकाय के तीनों परिसरों (विधि केंद्र परिसर, विधि केंद्र-1 एवं विधि केंद्र-2) आदि कॉलेजों में प्रचार किया वहीं डूसू में एबीवीपी से अध्यक्ष पद उम्मीदवार ऋषभ चौधरी व सचिव पद उम्मीदवार मित्रवृंदा करनवाल शहीद भगतसिंह कॉलेज, दयाल सिंह महाविद्यालय से होते हुए शिवाजी कॉलेज, कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज आदि कॉलेजों में जाकर एबीवीपी ने छात्रों से संवाद करते हुए अपने मुद्दों से उन्हें परिचित कराया और समर्थन मांगा। एबीवीपी की वर्षभर जो कैंपस में सक्रियता रही है, उसको लेकर एबीवीपी को विद्यार्थियों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। एबीवीपी द्वारा जारी किए गए घोषणा-पत्र में विद्यार्थियों के वास्तविक मुद्दे दिखाई दे रहे हैं। एबीवीपी के नेतृत्व वाले डूसू के प्रयास द्वारा संचालित यू-बसें, महिला सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रयास, नए छात्रावासों के निर्माण की स्वीकृति, कौशल विकास हेतु इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रमों के आयोजन ने डीयू विद्यार्थियों का भरोसा जीता है और इस डूसू चुनाव में भी एबीवीपी के प्रति छात्रों का भरोसा दिख रहा है।

एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ का चुनाव विद्यार्थियों के लिए लोकतंत्र के उत्सव के समान है। सोमवार चुनाव प्रचार के दौरान एबीवीपी उम्मीदवारों ने विद्यार्थियों से लोकतंत्र में उनकी सहभागिता का आग्रह किया है और क्लास कैंपेन के दौरान विद्यार्थियों से सुझाव भी लिए हैं। विद्यार्थियों से यह अपील भी की है कि इन चुनावों में अपने मत का प्रयोग जरूर करें और उनके समक्ष अपने मुद्दों को प्रमुखता से रखा है। हमारा पूर्ण विश्वास है कि एबीवीपी का पूरा पैनल इन्फ्रास्ट्रक्चर, कैंपस सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और बेहतर डीयू के लिए जो मुद्दे आए हैं, उनके आधार पर डीयू का विद्यार्थी एबीवीपी को पुनः चुनेगा।

भाजपा ने नया कैंपेंन 'जनता का मुद्दा असेंबली में' किया लॉन्च, लोगों से मांगी राय

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने सोमवार को 26 सितंबर से शुरू हो रहे दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय सत्र में लोगों की शिकायतों और मुद्दों को उठाने के लिए 'जनता का मुद्दा विधानसभा में' अभियान शुरू किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कनॉट प्लेस में अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पर्चे बांटेंगे और प्रदूषित पानी की आपूर्ति, बढ़े हुए बिजली बिल, जल निकासी और जलभराव आदि के बारे में लोगों की शिकायतें दर्ज करेंगे। सचदेवा ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता पर्चे बांटेंगे और प्रदूषित जल आपूर्ति, बढ़े हुए बिजली बिल और जल निकासी की समस्याओं जैसे मुद्दों के बारे में निवासियों से शिकायतें एकत्र करेंगे। सचदेवा ने कहा, 'भाजपा कार्यकर्ता पूरे शहर में घर-घर जाकर अभियान चलाएंगे। एकत्र किए गए मुद्दों को दिल्ली विधानसभा में पेश किया जाएगा, जहां पार्टी विधायक आप सरकार से सवाल करेंगे।' कार्यक्रम में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और पार्टी के अन्य विधायकों जैसे प्रमुख नेता शामिल हुए। 'आतिशी सरकार केजरीवाल की रिमोट कंट्रोल': वहीं, दूसरी तरफ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के बगल में खाली कुर्सी रखे जाने और केजरीवाल की भगवान राम से तुलना करने पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, "यह तो पहले क्षण से स्पष्ट था की आतिशी सरकार पूरी तरह अरविंद केजरीवाल के रिमोट कंट्रोल से चलेगी, पर यह नहीं पता था कि चाटुकारिता की सरकार बन जायेगी पर आज यह भी दिख गया।" वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है, "इस तरह मुख्यमंत्री की मेज पर दो कुर्सी रखना संवैधानिक व्यवस्था, प्रशासनिक नियम एवं मुख्यमंत्री पद का अपमान है।

आतिशी समझ लें यह कोई आदर्श का पालन नहीं है। सीधी स्पष्ट भाषा में चमचागिरी है। अपनी इस हरकत से आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की गरिमा के साथ ही दिल्ली की जनता की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है।" दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा है कि वह दिल्ली वालों को जवाब दें की क्या इस तरह के रिमोट कंट्रोल से दिल्ली सरकार चलायेंगे आप?

एक नजर

दिल्ली भाजपा ने ह्यजनता का मुद्दा विधानसभा में अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पाटी (भाजपा) ने 26 सितंबर से शुरू हो रहे दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय सत्र में लोगों की शिकायतों और मुद्दों को उठाने के लिए सोमवार को जनता का मुद्दा विधानसभा में अभियान शुरू किया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कनॉट प्लेस में अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पर्चे बांटेंगे और प्रदूषित पानी की आपूर्ति, बढ़े हुए बिजली बिल, जलनिकासी और जलभराव आदि के बारे में लोगों की शिकायतें दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा, भाजपा कार्यकर्ता शहर भर में घर-घर जाएंगे। लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों को पार्टी विधायकों द्वारा आप सरकार से सवाल पूछकर दिल्ली विधानसभा में पेश किया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता और अन्य पार्टी विधायकों सहित भाजपा के कई नेता उपस्थित थे।

डीयू के छात्र के साथ मारपीट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक कॉलेज में छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प में एक सिख छात्र के साथ मारपीट के बाद उसकी पगड़ी उतार दी गयी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर ह्यवायरलह्ण हो रहा है। यह घटना शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्री तेग बहादुर खालसा कॉलेज में हुई जहां 27 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के चुनाव होने हैं।

घटना के कथित वीडियो में लाल पगड़ी पहने एक छात्र को घसीटा जा रहा है और उसकी पगड़ी के जमीन पर गिरने तक उसके साथ मारपीट की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मौरिस नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, द्वितीय वर्ष के छात्र पवित्र सिंह गुजराल ने बताया कि डूसू चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान उस पर हमला किया गया। सिंह ने प्राथमिकी में कहा, ह्यह्यउन्होंने जबरन मेरी पगड़ी उतार दी, मुझे पीटा और मेरे केश खींचे। मुझ पर समूह ने हमला किया और मैं कॉलेज में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मेरी जान को खतरा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीम का गठन किया गया है।

मानहानि मामले में मुख्यमंत्री आतिशी और अरविंद केजरीवाल को समन

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता राजीव बब्बर द्वारा दाखिल मानहानि मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को समन किया है। अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी (एसीएमएम) तान्या बाम्नियाल ने दोनों नेताओं को तीन अक्तूबर को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। राजीव बब्बर ने केजरीवाल के चुनाव के दौरान दिए गए बयान जिसमें उन्होंने अग्रवाल समाज का नाम वोटिंग लिस्ट में से काटने की बात कही थी, को लेकर मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राउज एवेन्यू स्थित एसीएमएम कोर्ट में केजरीवाल की ओर से पेश अधिवक्ता ने सोमवार को बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट ने निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग वाली केजरीवाल और अन्य की याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी व अन्य को तीन अक्तूबर को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया। वर्ष 2022 में हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्रवाई को अग्रिम आदेश तक बंद करने के आदेश दिए थे। हाल ही में हाईकोर्ट द्वारा मामला खारिज किए जाने पर अदालत ने अपनी सुनवाई दोबारा शुरू की है।

भगवान राम से केजरीवाल की तुलना महापाप, आप की बुद्धि भ्रष्ट : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। आतिशी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की कुर्सी के बगल में एक नई और छोटी कुर्सी लगाई है। आतिशी के कुर्सी वाले निर्णय को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही हमलावर नजर आ रही हैं। सोमवार को दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने केजरीवाल की तुलना भगवान राम से किए जाने पर भी आतिशी पर जमकर जुबानी हमला बोला और कहा कि भगवान राम से अरविंद केजरीवाल की तुलना महापाप है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि आज मेरे मन वही व्यथा है जो भगवान राम के वनवास के बाद भरत के अंदर थी। आतिशी ने कहा कि जिस तरह भरत ने 14 सालों तक भगवान राम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का शासन संभाला, उसी तरह से आने वाले चार महीने के लिए मैं दिल्ली का शासन चलाऊंगी। आतिशी के इस बयान को लेकर कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि भगवान राम से केजरीवाल की तुलना महापाप है।

दिल्ली की सीएम आतिशी के कुर्सी वाले फैसले पर भाजपा पहले ही हमलावर नजर आ रही है। अब कांग्रेस ने भी भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए आम आदमी पार्टी और आतिशी को निशाने पर लिया है। आतिशी द्वारा 'केजरीवाल की कुर्सी' खाली छोड़ने और उनकी तुलना भगवान राम से करने को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, "जब नाश मनुज पर छाता है, सबसे पहले विवेक मर जाता है! हार सामने देख कर आप की बुद्धि भ्रष्ट हो चुकी है। मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की तुलना जेल से बेल पर बाहर आये शराब घोटाले के आरोपी से करना महापाप है।

दो शातिर ऑटो-लिफ्टर गिरफ्तार, 50 मीटर हाई वोल्टेज के बाद किया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। गुलाबी बाग थाना पुलिस टीम ने दो शातिर ऑटो-लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में ललित उर्फ लकी और राजू उर्फ मुकेश है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की एक महंगी बाइक बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तरी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि थाना प्रभारी जगदीश कुमार और एसआई संजय नैन, (प्रभारी चौकी अंधा मुगल) की देखरेख में गठित टीम क्षेत्र में शाम को गश्त पर थी। गश्त के दौरान टीम किशन गंज रेलवे स्टेशन पर पहुंची, इसी बीच, उन्होंने बाइक पर सवार दो व्यक्तियों को देखा, जो बिना हेलमेट के थे, जिन्होंने पुलिस टीम को देखकर यू-टर्न लेकर मौके से भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और संदिग्धों का पीछा कर लगभग 50 मीटर के हाई वोल्टेज बाद उन दोनों को काबू कर लिया। ललित उर्फ लकी पर डकैती, स्नैचिंग, चोरी, ईव-टीजिंग, चोट पहुंचाने और आर्म्स एक्ट के 13 आपराधिक व गुलाबी बाग थाने का सक्रिय हिस्ट्रीशीटर राजू उर्फ मुकेश डकैती, स्नैचिंग, नाइट सेंधमारी, घर में चोरी, चोरी और आर्म्स एक्ट के 17 आपराधिक मामलों में शामिल है।

चार महीने बाद इस कुर्सी पर बैठेंगे केजरीवाल : सीएम आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने अपनी कुर्सी के बगल में एक खाली कुर्सी रखी है। खुद को भरत बताते हुए दावा किया है कि श्री राम इस पर कुछ महीनों बाद बैठेंगे। नई सीएम के लिए ह्यश्री राम आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल हैं। मीडिया से रूबरू दिल्ली की सीएम ने कहा, पिता के एक वचन के खातिर जब भगवान श्री राम 14 साल के लिए वनवास गए थे तो भरत को अयोध्या का कार्यभार संभालना पड़ा था। जैसे भरत ने 14 साल तक भगवान राम की पादुकाएं संभाली और कार्यभार संभाला, वैसे ही अगले चार महीने तक मैं दिल्ली सरकार चलाऊंगी। इस दौरान आतिशी के बगल में एक खाली कुर्सी भी थी। जिस पर कभी पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बैठते थे। आतिशी ने कहा, भगवान श्री राम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। अरविंद केजरीवाल ने 10 साल के शासन में राजनीति में मयार्दा और नैतिकता की मिसाल कायम की है। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल की छवि को खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। दो साल से लगातार अरविंद केजरीवाल को बदनाम किया गया। उन पर झूठे केस लगाए गए। उन्हें गिरफ्तार किया गया। अरविंद केजरीवाल को छह महीनों के लिए जेल में रखा गया। जब वह जेल से छूटे तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ सकते थे। लेकिन, उन्होंने कुर्सी पर बैठना ठीक नहीं समझा। केजरीवाल ने कहा था, अगर जनता उन्हें ईमानदार मानती है तो वह उन्हें चुनकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाएगी।

फरवरी 2025 में विधानसभा के चुनाव हैं। तब तक यह कुर्सी इस कमरे में ऐसे ही रहेगी और अरविंद केजरीवाल के आने का इंतजार करेगी।

आतिशी ने सीएम की कुर्सी खाली छोड़ी तो भाजपा ने कसा तंज

कहा- सीएम नाटक और नौटंकी में नंबर वन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने सोमवार को अपना पदभार संभाला लिया। हालांकि सीएम की कुर्सी पर बैठते ही आतिशी चर्चा में आ गईं। दरअसल, जिस कुर्सी पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बैठते थे, उसे उन्होंने खाली रखा है। जिसके बाद अब इस पर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा ने आतिशी के बगल में कुर्सी खाली रखने को लेकर कटाक्ष किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता टॉम वडक्कन ने कहा कि, लोकसभा चुनाव में आप का सफाया हो गया, लेकिन इससे कोई सबक नहीं मिला। अभी तो उन्होंने कुर्सी खाली रखी है, हो सकता बाद में उनकी चप्पल रखे। जैसे रामायण में हुआ था। आतिशी नाटक और नौटंकी में नंबर वन है। दिल्ली सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली की नई मुख्यमंत्री ऐसी चालें चलती रहेंगी क्योंकि उनकी अपनी कोई हैसियत नहीं है और वह अरविंद केजरीवाल के समर्थन से मुख्यमंत्री बनी हैं। वह एक कठपुतली सीएम हैं, केजरीवाल की वह कठपुतली हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रिमोट कंट्रोल केजरीवाल के हाथ में है। जब तक उन्हें अदालत की तरफ से दोषी नहीं ठहराया जाता, यह नाटक चलता रहेगा। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आतिशी की फोटो शेयर करते हुए लिखा, दिल्ली में ये ड्रामा बंद होना चाहिए। आज आतिशी मालेर्ना ने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी के बगल में एक खाली कुर्सी रखकर पदभार संभाला। यानी आतिशी दिल्ली सरकार की मनमोहन सिंह हैं और असली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने फाइल साइन करना तो दूर, दिल्ली सचिवालय जाने से भी रोक दिया है। ये बाबा साहेब के बनाए संविधान का मखौल है। मुख्यमंत्री के पद और गोपनीयता की शपथ मालेर्ना ने ली है, खाली कुर्सी पर बैठे केजरीवाल के भूत ने नहीं।

इससे पहले आतिशी ने एक्स पोस्ट पर सीएम पद संभालने के बाद लिखा, आज मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री की ज़िम्मेदारी संभाली है। आज मेरे मन में वो ही व्यथा है जो भरत के मन में थी जब उनके बड़े भाई भगवान श्री राम 14 साल के वनवास पर गए थे, और भरत जी को अयोध्या का शासन संभालना पड़ा था। जैसे भरत ने 14 साल भगवान श्री राम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का शासन संभाला, वैसे ही मैं 4 महीने दिल्ली की सरकार चलाऊंगी।

केजरीवाल के भागवत से पूछे गये सवालों के जवाब नहीं मिले: आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) ने सोमवार को कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से पूछे गए पांच सवालों का अभी तक जवाब नहीं आया है। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि अपने आपको देशभक्त और राष्ट्रवादी कहने वाली संस्था आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत से श्री केजरीवाल ने केवल पांच सवाल पूछे हैं और यह सवाल सिद्धांतों, वसूलों और सच्चाई से जुड़े हुए हैं। एक तरफ अरविंद केजरीवाल जैसे सच्चे और ईमानदार नेता हैं, जो मुख्यमंत्री की कुर्सी दो-दो बार छोड़ कर ईमानदारी, वसूलों और सच्चाई की लड़ाई लड़ते हैं और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो 75 साल में भी अपनी कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते हैं। श्री केजरीवाल के पांच सवालों का जवाब मोहन भागवत और भाजपा को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 75 साल की उम्र पूरी होने पर लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, बीसी खंडूरी, कलराज मिश्रा समेत तमाम नेताओं को पद से हटा दिया गया और चुनाव नहीं लड़ने दिया गया। उन्होंने कहा आरएसएस और श्री मोदी ने जो नियम पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लिए बनाया, क्या वह नियम उन नेताओं को राजनीति से बेदखल करने और निपटाने के लिए बनाया। अगर आपने यह नियम बनाया है तो आप पर वह नियम क्यों नहीं लागू होगा।

दिल्ली में बढ़ती जाम की समस्या पर काम कर रही है ट्रैफिक पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बढ़ती जाम की समस्या को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस जल्द ही बाइक पेट्रोलिंग व आईटीएमएस की पहल शुरू करने वाली है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त यातायात प्रबंधन अजय चौधरी ने बताया कि अभी कुछ इलाकों में बाइक पेट्रोलिंग शुरू की गई है। पेट्रोलिंग के अच्छे परिणाम आने के बाद इसे महत्वपूर्ण जिले में शुरू किया जाएगा। पुलिस के अनुसार अभी यह पेट्रोलिंग वसंत विहार से आईआईटी से होते हुए नेहरू प्लेस रोड पर शुरू की गई है। इस पेट्रोलिंग से पता चलेगा की किस रूट में किस कारण जाम लगा हुआ है। पेट्रोलिंग टीम जाम वाली जगह पहुंचकर चेक करेगी कि किस कारण यह समस्या हुई है। समस्या का पता चलते ही उस पर तुरंत काम किया जाएगा। बड़े चौराहों को 'स्मार्ट' करने की दिशा में ट्रैफिक पुलिस का फोकस वहीं ट्रैफिक पुलिस की दूसरी पहल है दिल्ली के सभी बड़े चौराहों को 'स्मार्ट' करने की।

श्रमिक विरोधी श्रम कोड़ों के खिलाफ मजदूरों ने मनाया काला दिवस सीटू कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह किए विरोध प्रदर्शन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

नोएडा, श्रमिक विरोधी चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड़ों) के खिलाफ सीटू सहित विभिन्न ट्रेड यूनियनों ने 23 सितंबर 2024 को पूरे देश में श्रमिकों से काला दिवस मनाने का आह्वान किया था। उक्त आह्वान के तहत सीटू गौतम बुध नगर से जुड़े मजदूरों/ कार्यकताओं ने काली पट्टी बांधकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किया।

फेस-2, नोएडा वाइब्रो कास्टिक कंपनी पर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि पूरे देश में मजदूरों द्वारा लगातार विरोध के बावजूद भी सरकार श्रमिक विरोधी लेबर कोड़ों को लागू करने का प्रयास कर रही है। ऐसे हालात में श्रमिक वर्ग के सामने इन दमनकारी लेबर कोड़ों को निरस्त कराने के लिए सीधे संघर्ष के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

अंबुजा सीमेंट कंपनी दादरी एनटीपीसी प्लांट पर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिला महासचिव रामसागर ने कहा कि किसानों की तरह कृषि कानूनों को वापस करवाने की तर्ज पर

हम मजदूरों को आंदोलन को तेज करते हुए श्रमिक विरोधी लेबर कोड़ों को वापस करने तक संघर्ष को जारी रखेंगे। बीएचईएल सेक्टर- 16, नोएडा पर प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांटेक्ट लेबर यूनियन के नेता रणजीत सिंह ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों से महंगाई, बेरोजगारी व श्रमिक उत्पीड़न बढ़ा है। शाहदरा सेक्टर- 142, नोएडा पर वेंडर्स के प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिला सचिव राम स्वारथ ने कहा कि मजदूर विरोधी नीतियों की कड़ी निंदा किया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों की विरोध सभा को संबोधित करते हुए ग्रेटर नोएडा माली व सफाई कर्मचारी यूनियन के महा मंत्री रामकिशन सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में कर्मचारियों का शोषण बढा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट यूसुफपुर चकसवेरी पर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू नेता नरेंद्र पांडे ने कहा कि हर हाल में हम श्रमिक विरोधी लेबर कोड़ों को रद्द कराकर ही दम लेंगे। अनमोल इंडस्ट्री उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा पर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अनमोल इंडस्ट्रीज इंप्लाइज यूनियन के अध्यक्ष मुकेश कुमार राघव ने श्रमिकों से कहा कि अगर आज हम सरकार के हमलों के खिलाफ एकजुट नहीं होते हैं तो हमारे संघर्षों से हासिल सभी अधिकार छीन जाएंगे। इसलिए आज एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है।

इसी तरह जगह-जगह हुए विरोध प्रदर्शनों को संबोधित करते हुए सीटू नेता पारस रजक, पूनम देवी, भरत डेंजर, हुकम सिंह, सुनील पंडित, विकास कुमार, सुखलाल, मौ.फिरोज, संतोष कुमार, टीकम सिंह आदि ने सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर जीवन व आजीविका और अपने अधिकारों को बचाने के लिए प्रतिरोध को तेज करते हुए 5 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11:00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर होने वाले प्रदर्शन में भारी संख्या में पहुंचने की अपील किया।

श्रीरामलीला की तैयारियाँ जोड़ों से हुई शुरू

ऋषि तिवारी

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर 62 के रामलीला मैदान में रामलीला मंचन की तैयारियां तेजी से स्शुरू हो गईं हैं। मंच का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। मंचन के स्थान को चारों तरफ से घेरा जा रहा है। इस बार डेढ़ सौ फीट लंबा मंच बनाया जा रहा है।मंच की ऊंचाई 6 फि ट होगी और चौड़ाई 48 होगी।इस वर्ष तीन मंच बनाया जा रहा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन बहुत रोचक और बहुत रोमांचक होगा। श्री जानकी कला मंच के कलाकारों के द्वारा रामलीला की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी ।सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।लोगों के बैठने की व्यवस्था को भी बढ़ाया गया है।इस बार 5 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है ।लोगों के खाने-पीने के लिए फूड स्टाल रहेगा और लोगों की सुरक्षा के लिए प्राइवेट सुरक्षा गार्ड और नोएडा पुलिस की व्यवस्था रहेगी।इसके साथ-साथ श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति लगभग पचास वॉलंटियर लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का कार्य करेंगे।श्रीराम मित्र मंडल द्वारा आयोजित रामलीला 3 अक्टूबर से शुरू होकर 13 अक्टूबर तक चलेगी। 7 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी,जो शहर के विभिन्न सेक्टरों से होते हुए सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पर पहुँचेगी।12 अक्टूबर को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा और इसके साथ ही रावण के अंत के उपलक्ष्य में रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा ।13 अक्टूबर को श्रीराम और भरत मिलाप होगा ।उसके बाद डांडिया उत्सव मनाया जाएगा और इसके साथ 11 दिवसीय श्री रामलीला मंचन का समापन हो जाएगा।

कृष्णा नगर जैन समाज ने समस्त प्राणी मात्र से क्षमा मांगकर क्षमावाणी पर्व मनाया

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। सोमवार को विश्वास नगर सी बी डी के हाल में कृष्णा नगर जैन समाज द्वारा हजारों जैन धर्म अनुयायियों और भक्तो के उमड़े जनसमूह में जैन धर्म के महान संत प्रसिद्ध जीवन है पानी की बूंद महाकाव्य के मूल रचियता विमर्श लिपि के स्त्रजेता राष्ट्रीय योगी संत श्री 108 विमर्श सागर महामुनि राज के मंगल सानिध्य दशलक्षण पर्व की महाबेला पर सम्मान समारोह एवम क्षमावाणी महापर्व यमुनापार में पहली बार इतना विशाल समस्त जैन समाज द्वारा आयोजित किया गया। यहां विवान हॉल में आयोजित इस विशाल कार्यक्रम के संयोजक पूर्व निगम पार्षद नरेंद्र जैन और समाज सेवी टीनू जैन ने स्थल पर आए मीडिया पर्सन को बताया केंद्रीय मंत्री एम सांसद हर्ष मल्होत्रा सहित कई नेताओ ने आचार्य श्री विमर्श सागर महामुनि राज जी से आशीर्वाद लिया। नरेंद्र जैन और टीनू जैन के अनुसार मुनिराज विमर्श सागर जी महाराज अपने पच्चीस वर्षीय संयमी जीवन में देश के अलग अलग कोने में अस्सी हजार से ज्यादा किलोमीटर की पदयात्रा करके जनमानस में अहिंसा, शाकाहार, व्यसन मुक्ति और देश भक्ति की अलख जगाने का पुनीत कार्य कर रहे है। यहां उमडी हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए महामुनि राज विमर्श सागर जी ने कहा क्षमा को सुशोभित कीजिए ,जीवन में बैर की खाई नहीं क्षमा का भवन तैयार करें। महामुनि राज जी ने कहा क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधार शिला है, दस लक्षण पर्व हमें यही सीख देता है कि क्षमावाणी के दिन हमें अपने जीवन से सभी तरह के बैर भाव-विरोध को मिटा कर प्रत्येक व्यक्ति से क्षमा मांगनी चाहिए और हमें भी दूसरों को क्षमा करना चाहिए, यही क्षमावाणी है, इस अवसर पर संगीत और भक्तिपूर्ण नृत्य का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। आयोजको द्वारा सात्विक भोजन प्रसाद का भी प्रबन्ध किया गया।

पूर्व विधायक के बिगड़े बोल, कहा कांग्रेस में चमड़ी व दमड़ी के दम पर बंटे टिकट

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का टिकट न मिलने से नाराज निर्दलीय उम्मीदवार शारदा राठौर ने चुनाव प्रचार के दौरान एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि राज्य में टिकट चमड़ी और दमड़ी के दम पर बांटे गए हैं। यह बयान देने के बाद शारदा अब कोई भी बयान देने से बच रही हैं। हालांकि, राजनीतिक जानकार मानते हैं शारदा ने अपने इस बयान के साथ बल्लभगढ़ से कांग्रेस उम्मीदवार पराग शर्मा को निशाने पर लिया है। हाल ही में शारदा राठौर बल्लभगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा था, पार्टी ने मुझे टिकट नहीं दिया। मुझे अब तक यह समझ ही नहीं आया कि मेरा कसूर क्या था। लेकिन, वह कहते हैं न कि चमड़ी और दमड़ी में बहुत दम होता है। मैंने तो ईमानदारी की राजनीति करी। उनके बयान से अचानक सभा में बैठे कार्यकताओं के भी कान खड़े हो गए। हालांकि, जब जनसभा के बाद शारदा से उनके बयान पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने इस बारे में बात करने से साफ इनकार कर दिया, और वह आगे बढ़ गईं। उधर कांग्रेस उम्मीदवार पराग शर्मा पर सरेआम आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगा है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने बल्लभगढ़ के वाल्मीकि मंदिर में जनसभा का आयोजन किया, और इस दौरान कांग्रेस जिंदाबाद और पराग शर्मा जीतेगी के नारे भी लगवाए। बताया जा रहा है कि पराग शर्मा पहले मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पहले भगवान वाल्मीकि के सामने माथा टेक कर आशीर्वाद लिया। उनके साथ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल और कई कार्यकर्ता नजर आए। पराग शर्मा मंदिर में ही लोगों को संबोधित करती हुई नजर आईं। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए किसी भी मंदिर, मस्जिद या गुरुद्वारे में किसी भी पार्टी की कोई सभा न करने के निर्देश जारी किए हैं। ऐसा न करने पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

बहाली की मांग को लेकर निलंबित प्राचार्य ने धरना दिया

गाजियाबाद, एजेंसी। कुलपति के आदेश के बावजूद बहाली नहीं होने से नाराज निलंबित प्राचार्य प्रोफेसर पीयूष चौहान ने सोमवार को एमएमएच कॉलेज में धरना दिया। इस दौरान कई शिक्षक भी मौजूद रहे। सुबह नौ बजे से शुरू हुआ धरना दोपहर एक बजे कॉलेज समिति के सचिव के आश्वासन के बाद खत्म हुआ। सचिव ने बैठक तक इंतजार करने को कहा। पीयूष चौहान का आरोप है कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति ने निलंबन को निरस्त कर बहाली के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर संजय सिंह कार्यभार नहीं सौंप रहे। वहीं, संजय सिंह का कहना है कि इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन समिति की तरफ से कोई आदेश नहीं मिला है। कॉलेज समिति ने ही उन्हें कार्यवाहक प्राचार्य बनाया है। पीयूष चौहान के मुताबिक, दोपहर में कार्यालय अधीक्षक अवनींद्र सिंह को कॉलेज समिति के सचिव के पास भेजा गया तो बैठक तक इंतजार करने के लिए कहा।

गार्डन गैलेरिया मॉल फिर विवाद में, चली गोलियां

ऋषि तिवारी

नोएडा शहर का गार्डन गैलेरिया मॉल एक बार फिर विवाद में घिर गया है। नोएडा के जीआईपी मॉल के एक कोने में बना हुआ गार्डन गैलेरिया मॉल हर महीने किसी ना किसी विवाद का कारण बनता आ रहा है। बता दे कि थाना सेक्टर 39 नोएडा पुलिस द्वारा गार्डन गैलेरिया में फायरिंग करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार, जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध पिस्टल 32 बोर, 03 जिन्दा कारतूस .32 बोर व एक खोखा कारतूस,एक एमजी हैक्टर कार बरामद किया गया है। बता दे कि नोएडा शहर के सेक्टर-38ए में स्थित गार्डन

गैलेरिया मॉल रविवार की रात को एक बार फिर से विवाद में पड़ गया है। गार्डन गैलेरिया मॉल में रविवार की देर रात दो गुटों में फायरिंग हो गई। जिससे क्षेत्र में दहशत मच गई। इस घटना में थाना सेक्टर-39 पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से हथियार भी बरामद किए हैं। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-38ए में स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल में तीनों आरोपियों ने ऑस्कर बार में बैठकर शराब पी थी। तीनों युवक संचित बंसल, शिखर व यश खुर्जा से आए थे। संचित का खुर्जा में क्रॉकरी का कारोबार है। जब तीनों बाहर निकले तो पार्किंग को लेकर उनका निठारी के कुछ युवकों से विवाद हो गया। इसके बाद तीनों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है और तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के खुर्जा जिले के रहने वाले तीन लोग रविवार की रात को पार्टी करने आए थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में यमुना अथॉरिटी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का दिखेगा जलवा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार यमुना प्राधिकरण अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर जो स्टॉल लगाएगा, उसमें मॉडल के साथ ही उनकी जानकारी भी दी जाएगी। इस बार यमुना प्राधिकरण खासतौर से उन सभी प्रोजेक्ट से जुड़े स्टॉल लगाएगा, जो जल्द ही लॉन्च हो रहे हैं। यमुना प्राधिकरण को 1,644 स्क्वायर मीटर की जगह अलॉट की गई है, जिसमें 16 स्टॉल लगाए जाएंगे। यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि मुख्य स्टॉल यीडा का लगाया जाएगा। जिसमें फिनटेक सिटी, सेमीकंडक्टर पार्क और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क की थीम मुख्य रहेगी। उन्होंने बताया कि अभी हाल में ही ग्रेटर नोएडा में सेमीकॉन हुआ था, जिसमें कई निवेशकों ने निवेश में रुचि दिखाई है और हमारे तीन प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास हैं, जो जल्द ही अप्रूव हो सकते हैं। इसके साथ-साथ यूएस की कई कंपनियों ने भी निवेश की इच्छा जाहिर की है। सेमीकंडक्टर के लिए हमने जमीन आरक्षित कर दी है और वह हमारे कब्जे में भी आ गई है, जो हमारी मुख्य थीम रहने वाली है। सीईओ ने बताया कि अभी तक हमारे पास आईटी और आईटीएस के लिए कोई भी सेक्टर नहीं था, जिसे देखते हुए अब हम सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क भी डेवलप करने जा रहे हैं। इसमें हमारे साथ विप्रो, इंफोसिस और टाटा जैसी बड़ी कंपनियां साथ आने को तैयार हैं। इसके लिए हमने जमीन चिन्हित कर ली है और बोर्ड बैठक के बाद इस प्रस्ताव को भी लाया जाएगा। इसे भी हम इस यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में हाईलाइट करने जा रहे हैं। 26 सितंबर को यमुना अथॉरिटी की बोर्ड बैठक भी होगी और 25 सितंबर से इंटरनेशनल ट्रेड शो शुरू हो रहा है तो इसी दौरान हमारी कई योजनाएं बोर्ड बैठक में पास भी हो जाएंगी।

यीडा में विश्वविद्यालय के लिए जमीन आवंटित

10-10 एकड़ के भूखंड का आवंटन हुआ महात्मा गांधी सहित तीन विश्वविद्यालय बनेंगे

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की सेक्टर-17ए और 22ई को शैक्षिक हब के रूप में विकसित होंगे। एयरपोर्ट आने से यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं। बीते दिनों यमुना प्राधिकरण ने पांच भूखंडों पर प्रस्ताव मांगे थे। इनमें से तीन को-डेवलपर ने भूखंडों पर विश्वविद्यालय बनाने के लिए प्राधिकरण के नियम और शर्तों को मान लिया। सोमवार को तीनों विश्वविद्यालयों को भूखंड आवंटन कर दिया गया। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई शिक्षण संस्थान यमुना सिटी में अपने परिसर स्थापित करने में गहरी रुचि दिखा रहे है। फिलहाल सेक्टर-22ई में तीन विश्वविद्यालय जेबीएम, नरसी मोनजी और फोर स्कूल निमार्णाधीन हैं। इस सेक्टर में पांच और विश्वविद्यालयों को जमीन आवंटित करने की योजना थी। भूखंडों पर आवंटन प्राप्त करने के लिए साक्षात्कार लिए गए। इसमें

से आवेदकों को 100 में से 54 अंक प्राप्त करने थे। इनमें 30 अंक एकमुश्त पैसा जमा कराने को लेकर था। अन्य अंकों के लिए अलग नियम और शर्तें लागू की गई थी। प्राधिकरण के मुताबिक पांच में से तीन भूखंडों पर आचार्य कुंद कुंद मंगलायतन विश्वविद्यालय, एमिटी विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी मिशन को 10-10 एकड़ के भूखंड का आवंटन कर दिया गया है, जबकि डॉ. अखिलेश दास और दरबारी लाल फाउंडेशन का आवेदन निरस्त कर दिया गया। इन्हें 54 से कम अंक मिले।

खिड़की के रास्ते घुसे चोरों ने दो घरों में चोरी की

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-12 स्थित किराये के घर में रहने वाले राशन डीलर और उनके पड़ोसी के घर को चोरों ने रविवार रात खंगाल डाला। चोर दोनों घरों से करीब डेढ़ लाख रुपये, चार मोबाइल फोन और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी करके ले गए। पीड़ित ने थाना सेक्टर-24 में अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। खुर्शीद आलम ने पुलिस को बताया कि वह राशन डीलर हैं। वह सेक्टर-12 के एच ब्लॉक में किराए पर रहते हैं। उनके पड़ोस में पुस्तक विक्रेता अभिमन्यु पांडेय का घर है। रविवार रात करीब दो बजे से तीन बजे के बीच दोनों घरों में चोरी हुई है। खिड़की के रास्ते घुसे चोर खुर्शीद आलम के घर से चार मोबाइल फोन, 20,200 रुपये, एक बैग जिसमें राशन के स्टॉक समेत कई अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर चले गए। इसके अलावा चोरों ने पड़ोस में अभिमन्यु कुमार के घर

से एक लाख 30 हजार रुपये भी चोरी कर लिए।

सोमवार सुबह चोरी की जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना स्थल का निरीक्षण किया। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र का कहना है कि शिकायत पर जांच की जा रही है।

एक नजर

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पीएसी जवान की मौत

मोदीनगर, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गांव मुरादाबाद के पास सोमवार सुबह करीब छह बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पीएसी जवान की मौत हो गई। वह छुट्टी के बाद ड्यूटी पर जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुजफ्फरनगर के कस्बा मीरापुर निवासी रोमिल कुमार वर्ष 2019 में यूपी पीएसी में भर्ती हुए थे। इन दिनों उनकी तैनाती 49वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्ध नगर में सीपीसी कैंटीन में थी। 21 सितंबर को वह एक दिन की छुट्टी पर घर आए थे। सोमवार सुबह वह वापस ड्यूटी पर जा रहे थे। वह मेरठ के परतापुर से नोएडा जाने के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चढ़ गए। गांव मुरादाबाद के पास पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने ओवरटेक के चक्कर में बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रोमिल दूर जा गिरे। पुलिस के अनुसार, उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से वाहन और आरोपी चालक की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा। जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

डासना में चल रहे प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया

गाजियाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को मकानों पर कब्जा देने की तैयारी है। डासना में चल रहे परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण प्रभारी मुख्य अभियंता ने किया। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को परखा। साथ ही, जल्द भवन तैयार करने के निर्देश दिए। जीडीए डासना में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 432 मकान तैयार कर रहा। यह प्रोजेक्ट एक मार्च 2019 को शुरू हुआ था। कार्य समाप्त होने की समय 30 जून 2023 था। 14,074 वर्ग मीटर में फैले इस प्रोजेक्ट में भवनों का ढांचा तैयार हो चुका है। प्रभारी मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने मकानों के निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री की जांच की। साथ ही तैयार मकानों में लगी सामग्री को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ठेकेदार से एक महीने में इन मकानों को तैयार करने के लिए कहा है। बता दें कि चार मंजिला इमारत में तैयार हो रहे भवनों का कारपेट एरिया 22.67 वर्ग मीटर है जबकि इसका सुपर एरिया 34.07 वर्ग मीटर है। इन भवन में दो कमरे, कुकिंग स्पेस, बाथरूम, डब्लूसी, बरामदा है।

कार की टक्कर के बाद डिवाइडर से टकराई इंस्पेक्टर की गाड़ी, घायल

गाजियाबाद, एजेंसी। वेव सिटी थानाक्षेत्र में लालकुआं के पास नशे में धुत कार सवारों ने इंस्पेक्टर की गाड़ी में टक्कर मार दी। इससे इंस्पेक्टर गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई और वह चोटिल हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित ने केस दर्ज कराया है। पुलिस लाइन में रहने वाले इंस्पेक्टर उमेश कुमार का कहना है कि 21 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली-मेरठ हाईवे पर जा रहे थे। लालकुआं पर एचपी पेट्रोल के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इससे उनकी गाड़ी डिवाइडर से जा टकराई। इंस्पेक्टर का आरोप है कि आरोपी चालक और उसके साथ गाड़ी में मौजूद दो लोग नशे में थे। एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी चालक के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

यौन शोषण के आरोपी शिक्षक पर केस दर्ज

मुरादनगर, एजेंसी। थानाक्षेत्र के एक गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्राओं के यौन शोषण के मामले में आरोपी शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कार्रवाई जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण के आदेश पर की गई है। पुलिस जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है। पुलिस के अनुसार, उच्च प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक राजू पर कई छात्राओं के यौन शोषण का आरोप है। मामले को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाकर 14 दिन में रिपोर्ट देने को कहा था। आरोप है कि काफी समय बीतने के बाद भी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। सिर्फ तबादला कर दिया गया। इस पर ऑल स्कूल पैरेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव सचिन सोनी ने जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण को शिकायती पत्र लिखा था। मामले में बाल कल्याण समिति ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जबाव-तलब किया था। एसीपी मसूरी सर्किल सिद्वार्थ गौतम ने बताया कि सचिन सोनी की तहरीर के आधार पर शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द छात्राओं के बयान दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सहपाठियों ने मिलकर दसवीं कक्षा के छात्र को पीटा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सेक्टर पी-3 स्थित स्कूल में पढ़ने वाले दसवीं कक्षा के छात्र के साथ 11वीं कक्षा के छात्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर बुरी तरह मारपीट की। घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पीड़ित के भाई ने आरोपी छात्र और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सेक्टर बीटा-2 पुलिस के मुताबिक इमलिया गांव का रहने वाला छात्र सेक्टर पी-3 स्थित स्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ता है। इसी स्कूल में पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर दसवीं के छात्र के साथ मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान छात्र को गंभीर चोट आईं। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। इस मामले में छात्र के भाई ने आरोपी छात्र और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि झगड़े का कारण अभी पता नहीं चला है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस पर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

ट्रांस हिंडन। चेकिंग के दौरान पुलिस पर गोली चलाने के आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप पर लूट के दस मुकदमे दर्ज हैं। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि कौशांबी पुलिस ने रविवार रात चेकिंग के दौरान ईडीएम मॉल के पास से सलमान निवासी नसबंदी कॉलोनी अंकुर विहार को पकड़ा है। आरोपी 21 सितंबर को मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भाग गया था। पूछताछ में सलमान ने बताया कि उसने पूर्व में पकडे. गए साथी केतन के साथ मिलकर एनसीआर में चोरी और लूट की कई वारदात को अंजाम दिया है। 11 सितंबर को वेव सिनेमा के पास काफी की दुकान के सामने महिला के गले से चेन झपटी थी।

राज्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से किया संवाद

गाजियाबाद, एजेंसी। लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में सोमवार को महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने सांतवे पोषण माह पर आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं आशा कार्यकताओं के साथ संवाद किया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने सभी को पोषण की शपथ दिलाते हुए उन्हे ईमानदारी से कार्य करने के लिए कहा। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिस पर राज्यमंत्री ने कहा कि एसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गांव गांव जाकर महिलाओं को जागरूक करना चाहिए। राज्यमंत्री ने मुख्य सेविकाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन करते हुए पोषण पोटली का वितरण किया।

संक्षिप्त खबरें

'फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है...', बदमाश अनुज सिंह के मुठभेड़ में ढेर होने पर बोले अखिलेश

लखनऊ। सुल्तानपुर सराफा लूटकांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद मचे विवाद पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे कमजोर लोग ही एनकाउंटर को अपनी ताकत मानते हैं। किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि सबसे कमजोर लोग एनकाउंटर को अपनी शक्ति मानते हैं। किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है। हिंसा और रक्त से उत्तर प्रदेश की छवि को घूमिल करना उत्तर प्रदेश के भविष्य के विरूद्ध एक बड़ा षड्यंत्र है। आज के सत्ताधारी जानते हैं कि वो भविष्य में फिर कभी वापस नहीं चुने जाएंगे। इसीलिए वो जाते-जाते यूपी में ऐसे हालत पैदा कर देना चाहते हैं कि प्रदेश में कोई प्रवेश-निवेश ही न करे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता ने जिस तरह लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है, भाजपाई उसी का बदला ले रहे हैं। जिनका खुद का कोई भविष्य नहीं होता, वहीं भविष्य बिगाड़ते हैं। बता दें कि अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर के बाद उसके पिता व बहन ने भी इस पर सवाल उठाए हैं। सुल्तानपुर सराफा लूटकांड में इसके पहले मंगेश यादव की मुठभेड़ में मौत हो चुकी है।

एसपी ने कई इंस्पेक्टर और दरोगाओं का किया तबादला, हेमंत राय को खीरी का चार्ज

लखीमपुर खीरी लखीमपुर खीरी में एसपी गणेश प्रसाद साहा ने रविवार की देर रात कई निरीक्षक (इंस्पेक्टर) और उप निरीक्षकों (दरोगा) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। साथ ही कई उपनिरीक्षकों को गैर जनपद तबादला भी हुआ है। एसपी ने सभी निरीक्षक और उपनिरीक्षकों को जल्द कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि थानाध्यक्ष खीरी के पद पर कार्य कर रहे उप निरीक्षक अजीत कुमार को इसी पद पर थाना सिंगाही भेजा गया है, जबकि एसओ पसगवां दीपक राठौर को गैर जनपद स्थानांतरित होने के कारण पुलिस लाइन भेजा गया है। यूपी 112 में प्रभारी के पद पर तैनात महेश चंद्र को प्रभारी निरीक्षक थाना निघासन, निरीक्षक मनोज कुमार को तिकुनिया से चंदनचौकी, अमित सिंह भदौरिया को थाना सिंगाही से तिकुनिया स्थानांतरित किया है।

हेमंत राय बने खीरी के इंस्पेक्टर

निरीक्षक हेमंत राय को पुलिस लाइन से थाना खीरी, शिवाजी दुबे को थाना हैदराबाद, रमेश चंद्र पांडेय गोला से थाना मैगलगंज, चंद्रशेखर सिंह को प्रभारी सर्विलांस सेल से प्रभारी निरीक्षक गोला, उपनिरीक्षक रविंद्र सोनकर को पढुआ से थाना पसगवां, निरीक्षक विश्वनाथ यादव को चंदनचौकी से प्रभारी निरीक्षक 112 बनाया गया है।

निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह को निघासन से पुलिस लाइन गैर जनपद तबादला होने के कारण भेजा गया है। उपनिरीक्षक दीपक तिवारी को थानाध्यक्ष हैदराबाद से पुलिस लाइन, संदीप यादव पुलिस सहायता केंद्र, चौकी पड़रियातुला से चौकी प्रभारी ढखेरवा, उमराव सिंह को पुलिस लाइन से पुलिस सहायता केंद्र, चौकी पड़रियातुला, राहुल सिंह को महेवागंज चौकी से पुलिस लाइन भेजा है।

300 बेड अस्पताल को राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाने की कवायद, शासन को भेजी गई रिपोर्ट

बरेली बरेली में हस्तांतरण के चार साल बाद भी तीन सौ बेड अस्पताल का संचालन शुरू नहीं हो सका। अब इसे राजकीय मेडिकल कॉलेज के तौर पर संचालित करने के आसार बन रहे हैं। हाल ही में शासन ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। अस्पताल में उपलब्ध संसाधन, सुविधाएं, कितनी भूमि और मानव संसाधन की जरूरत है, आदि की संकलित रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार के मुताबिक दो माह पूर्व उन्होंने तीन सौ बेड अस्पताल परिसर में राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित करने के लिए प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा था। तर्क था कि अस्पताल में पीएम केयर फंड से वेंटिलेटर, ऑक्सीजन प्लांट, मैनिफोल्ड आदि जीवनरक्षक उपकरण मौजूद हैं।

महज चिकित्सक और स्टाफ की तैनाती के इंतजार में करोड़ों की लागत से बने भवन और महंगे उपकरणों का उचित उपयोग नहीं हो रहा। इस पर शासन ने प्रमुख सचिव के जरिये महानिदेशक स्वास्थ्य को पत्र भेजा था।

संबंधित पत्र जिलाधिकारी के पास पहुंचा था, जिसे सीएमओ को भेजकर मौजूद संसाधन और मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की संभावनाएं तलाशने को कहा गया। संबंधित रिपोर्ट बीते दिनों जिला प्रशासन की ओर से शासन को भेज दी गई। इस पर सकारात्मक पहल की उम्मीद है।

नियुक्ति विभाग में अटकी है फाइल

मानव संसाधन के लिए शासन को दो वर्ष पूर्व फाइल भेजी गई थी। इसमें 03 हृदय रोग विशेषज्ञ, 03 ईएनटी सर्जन, 04 आई सर्जन, 04 बाल रोग विशेषज्ञ, 04 रेडियोलॉजिस्ट, 03 चेस्ट फिजिशियन, 06 स्त्री रोग विशेषज्ञ, 02 न्यूरो सर्जन, 02 यूरो सर्जन, 02 न्यूरो फिजिशियन, 02 नेफ्रोलॉजिस्ट, 30 फार्मासिस्ट, 12 लैब टेक्नीशियन, पांच रेडियोलॉजिस्ट, तीन ईसीजी टेक्नीशियन, 02 फिजियोथेरेपिस्ट समेत 70 वार्ड ब्वॉय, 04 ईएमओ, 65 स्वीपर मांगे गए हैं। सूत्रों के मुताबिक नियुक्ति विभाग में फाइल अटकी है।

गंगा नदी पर दो-दो लेन के दो पुल बनेंगे, यूपीसीडा देगा बजट, 5 अरब है दोनों पुलों की अनुमानित लागत

कानपुर गंगा नदी के उस पार ट्रांसगंगा सिटी होते हुए लखनऊ जाने के लिए गंगा पर बनने वाले पुल को लेकर सेतु निर्माण निगम की ओर से किए गए सर्वे को मंडलायुक्त अमित गुप्ता की ओर से मंजूरी मिल गई है। पहले एक पुल चार लेन का बनाया जाना था। अब दो-दो लेन के अगल-बगल दो पुल बनाए जाएंगे। पहला पुल धोबीघाट और दूसरा रानीघाट पर बनाने के लिए जगह देखी गई है। उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के बजट से पुलों का निर्माण सेतु निर्माण निगम की ओर से किया जाएगा। सेतु निर्माण निगम अब इसकी डीपीआर यानि डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगा।

यूपीसीडा की ओर से दोनों पुलों के निर्माण पर आने वाला अनुमानित खर्च पांच अरब रुपये अधिक बताया जा रहा है। दोनों पुलों की लंबाई तीन-तीन किलोमीटर से थोड़ा ज्यादा हो सकती है। पहले यह पुल चार लेन का सरसैया घाट पर बनाया जाना था। सर्वे के बाद पता चला कि वहां पर पुल निर्माण की पूरी जगह उपलब्ध नहीं होने की वजह से पहले वीआईपी रोड के किनारे तय किया गया है। यहां से शहरवासियों को लखनऊ, अयोध्या का आवागमन आसान हो जाएगा, समय भी बचेगा। एक दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की समीक्षा बैठक में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस वे के मई में शुरू करने के दावे के दूसरे दिन रविवार को इस पुल के निर्माण की प्रक्रिया को हरी झंडी मिलने से शहर के विकास को गति मिली है।

मिजार्पुर में बोले सीएम योगी: विकास में बैरियर बन रहा विपक्ष, माफिया राज का हुआ अंत, दी 765 करोड़ की सौगात

मिजार्पुर। सीएम ने मिजार्पुर के मंच से कहा कि मैं सबसे पहले मां विन्ध्यवासिनी कके चरण में यहां के 765 करोड़ की योजनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। इन योजनाओं का लाभ आप सभी को मिले इसके लिए मां विंध्यवासिनी से प्रार्थना करता हूं। आज ये मंच अनेक योजनाओं को लेकर आया है ये जनपद विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संदेश पर अपना योगदान दे पाएगा इसलिए ये मंच लगा है।

सीएम ने जनता से सवाल किया कि दस वर्ष पहले मिजार्पुर की स्थिति क्या थी यहां की सड़कों की क्या हालत थी? कहा कि यहां गुण्डा और माफिया राज कितना हावी था। सीएम बोले आपने बदलते हुए भारत को साढ़े सात साल में देखा होगा। आज मां विंध्यवासिनी धाम भव्य रूप ले चुका है।पहले मां विंध्यवासिनी धाम में संकरी गलियां थी इस बार 3 अक्टूबर से नवरात्र शुरू हो रहा है और ये भव्यदाम दिखेगा । सीएम ने कहा अब मिजार्पुरवासी भी यह कह सकते हैं कि हमारे पास मेडिकल कालेज है,लोगों ने कहा यहां विश्वविद्यालय भी बनना चाहिए एक भव्य विश्वविद्यालय यहां पर मिल गया है। हर घर नल की योजना प्रधानमंत्री के विजन का परिणाम है। लोगों को शुद्ध पेयजल मिलेगा बीमारियों की रोकथाम होगी। जल जीवन मिशन के इस महत्वपूर्ण अभियान को पूरा करना है।

सीएम बोले सोनभद्र में मेडिकल कालेज का निर्माण कराया है इस बार एडमिशन होगा अब बेटियों को नर्सिंग के लिए बाहर नहीं जाना होगा बेटी पढ़ेगी तो बढ़ेगी। सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि इसके पहले योजनाओं को देने में भेदभाव होता था पिछले दिनों हमारे डिप्टी सीएम आए थे रोजगार मेला लगा था हमने जाति खेमें के आधार पर बांटने का प्रयास नहीं किया गया। सामाजिक एकता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता होनी चाहिए। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प कर रहे हैं। कहा आज जब बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ मिल रहा है। साढ़े सात साल में जो डबल इंजन की सरकार काम कर रही है बिना भेदभाव किसना गरीब को योजनाओं को पहुंचाने का काम किया जा रहा है। सीएम योगी ने मंच से कहा पहले जब हम इस क्षेत्र में आते थे ऐसे बहुत से लोग थे जिन्हे योजनाओं से वंचित कर रखा गया था। हम मकान राशनकार्ड सब देंगे हम लोगों ने इस कार्य को आगे बढ़ाया है। सीएम ने मिजार्पुर के युवाओं का आह्वान किया और कहा कि जो भी युवा स्वयं का स्टार्ट अप करना चाहते है नामांकन करवाएं आने वाले दिनों में दस लाख रुपए बिना ब्याज के उपलब्ध करवाने जा रहे हैं। सीएम ने कहा 2017 के पहले माफिया सक्रिय थे आज माफिया गिड़गिड़ा रहे है ।

कह रहे हूजूर बख्श दो। कहा जब सुरक्षा का ऐसा वातावरण होगा तो मां विंध्यवासिनी की कृपा बरसेगी। सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि आज प्रदेश विकास के साथ आगे बढ़ रहा है वे बैरियर बनकर खड़ा होना चाहते हैं। मेरी अपील है आने वाली पीढी को पीएम के विकास अभियान को गांव गांव घर घर पहुंचाने का काम करना है। विकास का ये सिलसिला अनवरत आगे बढ़ता रहे इसलिए मैं आया हूं पहले विधवा बुजुर्ग और दिव्यांग को पेशन का लाभ नहीं मिल रहा है,सत्तर वर्ष के हर बुजुर्ग को बिना भेदभाव के पांच लाख रुपए उपचार के लिए सरकार उपलब्ध करवाएगी यूपी में कार्ड बनेंगे। कहा जिनके पास आवास नहीं उन्हें पीएम आवास या सीएम आवास का लाभ पहुंचाना चाहिए राशन की सुविधा मिले इसके लिए तेजी लानी चाहिए। सीएम ने जोर देकर कहा बिना भेदभाव तक शासन की योजना के लाभ को हर किसी तक पहुंचाने का काम करना है। यूपी के धार्मिक विकास को बताते हुए सीएम ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम को देख रहे होंगे जगमगा रहा है। दिव्य कुंभ भी दिखेगा। मिजार्पुर को दोनों ओर से लाभ होगा।

सीएम सवाल करते हुए बोले अयोध्या धाम जगमग हुआ है, पांच सदी का इंतेजार समाप्त हुआ भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। सवाल पूछूंगा आखिर क्यों पांच सौ साल इंतेजार करना पड़ा? कहा कारण एक ही है निवारण एक ही है बंटे थे इसलिए कटे थे। सीएम ने आह्वान किया बंटिए मत ये डबल इंजन की सरकार आपके साथ खड़े होकर काम करेगी।

पीलीभीत में 13 दिन चला अभियान पकड़ा गया खूंखार बाघ

पीलीभीत। कलीनगर में दहशत का पर्याय बने बाघ को 13 दिन चले अभियान के बाद आखिरकार पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) प्रशासन ने पकड़ लिया। सोमवार सुबह करीब चार बजे डीएफओ मनीष सिंह के नेतृत्व में बाघ को बेहोश कर पकड़ गया। अब उसे जंगल में सुरक्षित स्थान पर रखकर निगरानी की जा रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज के अंतर्गत नौ सितंबर को कलीनगर के बांसखेड़ा गांव निवासी केदारी लाल को बाघ ने हमला कर मार डाला था। केदारी लाल खेत में फसल की रखवाली करने गए थे। उसी वक्त घटना हुई थी। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने माधोटांडा-पीलीभीत मार्ग पर शव रखकर विरोध जताया था। इसके बाद पीटीआर के अफसर गंभीर हुए और बाघ को पकड़ने के लिए विभागीय मुख्यालय से अनुमति ली। बाघ को पकड़ने के 13 दिन पहले प्रयास शुरू किए गए, लेकिन बाघ विभाग के कब्जे में नहीं आया। तीन दिन पूर्व जंगल में पिंजरा लगाने के साथ मवेशियों को भी बांधा गया। सोमवार सुबह करीब चार बजे डीएफओ मनीष सिंह के नेतृत्व में ट्रेंकुलाइज एक्सपर्ट डॉ. दक्ष गंगवार समेत टीम ने अभियान शुरू किया। टीम को पहली ही डॉट में बाघ को बेहोश करने में सफलता मिल गई। बेहोश होने के बाद बाघ को जंगल में सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, जहां उसकी निगरानी शुरू कर दी गई। अभी उसको छोड़ने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

नर बाघ की आठ साल बताई जा रही उम्र...पकड़ा गया बाघ नर है। उसकी उम्र करीब आठ साल बताई जा रही है। अफसरों का कहना है कि पीटीआर में अब तक पकड़े गए बाघों में यह बाघ सबसे अधिक वजन का है। इसी के चलते बाघ को उठाने में टीम को काफी मशक्कत करना पड़ी। करीब 20 सदस्य बाघ को उठाकर रेस्क्यू वाहन तक लाए। हमलावर बाघ की कई माह से कलीनगर तहसील क्षेत्र के छह गांवों में दहशत थी। क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि करीब सात किलोमीटर दायरे में बाघ चहलकदमी करता था। पूर्व में भी कई हमले की घटनाएं सामने आईं थीं, लेकिन नौ सितंबर को हुई घटना के बाद विभाग गंभीर हुआ और सोमवार तड़के बाघ को पकड़ लिया गया।

गौहत्या व गौमांस के निर्यात पर पाबंदी न लगाकर हिंदुओं के साथ धोखा किया

लखनऊ उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के संत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को लखनऊ में थे। उन्होंने इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के बहुसंख्यक हिंदू समाज का वोट लेकर उनके साथ धोखा किया। तीन बार लगातार सरकार में रहने के बावजूद गौ हत्या को रोकने और गौ- प्रतिष्ठा के लिए भाजपा ने कुछ भी नहीं किया इसलिए उन्हें मठ से निकलना पड़ा।

इस मुद्दे को मुहिम बनाकर वह अपने समर्थकों के साथ भारत भ्रमण पर हैं। उन्होंने कहा कि इस पुनीत काम की शुरूआत उन्होंने राम की नगरी अयोध्या से की है और आज वो लक्ष्मण की नगरी लखनऊ में हैं। वह इस आंदोलन को लेकर देश के सभी राज्यों में जाएंगे और देश में गौहत्या बंद होने तक चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने देश के सौ करोड़ हिंदुओं का आह्वान किया कि सभी लोग उनके इस पुनीत मुहिम में उनके साथ आएं। उन्होंने आरोप लगाया कि तिरुपति मंदिर में प्रसादम के नाम पर देश के करोडों श्रद्धालु हिंदुओं को गाय की चर्बी खिला दी गई। इस घोर पाप पर तो देश में क्रांति हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक मठ के संत के मुख्यमंत्री होते हुए भी देश में सबसे ज्यादा 79 में से 40 गोमांस के लिए कत्लखाने यूपी में हैं। ये दुर्भाग्यपूर्ण है।

सुल्तानपुर डकैती कांड: मंगेश यादव के बाद अनुज सिंह भी ढेर, अब बचे सिर्फ चार डकैत

सुल्तानपुर सराफा डकैती कांड में शामिल अनुज प्रताप सिंह सोमवार सुबह उन्नाव के अचलगंज में एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। इसके पहले पांच सितंबर को एसटीएफ ने ही डकैत मंगेश यादव को मार गिराया था। डकैती में शामिल अरबाज, फुरकान, अंकित यादव और एक अज्ञात की गिरफ्तारी ही शेष बची है। इन पर भी एक-एक लाख का इनाम घोषित है। अनुज के मारे जाने के बाद फिर से राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

चौक के ठठेरीबाजार में 28 अगस्त को दिनदहाड़े सराफ भरत जी सोनी की दुकान में डकैती पड़ी थी। हथियारों से लैश पांच बदमाशों ने लगभग दो करोड़ के आभूषण लूट लिए थे। इन पांच बदमाशों में अरबाज, फुरकान, मंगेश यादव, अंकित के साथ अमेठी के जनापुर थाना मोहनगंज का अनुज प्रताप सिंह भी शामिल था। दुकान में सबसे पहले घुसने वाला बदमाश अनुज ही था जिसने उस दिन सफेद शर्ट और नीली जींस पहन रखी थी। उसी को एसटीएफ ने उन्नाव के अचलगंज में सोमवार सुबह मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। अनुज के सिर में गोली लगी है। इसके पहले कोतवाली देहात के मिश्रपुर पुरैना गांव के पास एसटीएफ ने जौनपुर के अगरौरा थाना बक्सा के मंगेश यादव को मार गिराया था जिसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे। जाति विशेष को निशाने पर रखने की बात कही गई थी और अबअनुज सिंह एनकाउंटर को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

मास्टर माइंड समेत नौ बदमाश जेल में...डकैती का मास्टरमाइंड अमेठी के भवानीनगर थाना मोहनगंज का विपिन सिंह 29 अगस्त को ही रायबरेली कोर्ट में दूसरे मामले में सरेंडर करके जेल चला गया था। अमेठी के कोतवाली नगर के सहरी भीमी निवासी सचिन सिंह और पुष्पेंद्र सिंह, हारीपुर थाना पीपरपुर के त्रिभुवन को तीन सितंबर को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया था। 11 सितंबर को डकैती कांड का खुलासा किया गया था और अमेठी के सहमेमऊ थाना मोहनगंज के विनय शुक्ला, रायबरेली के नया पुरवा निवासी दुर्गेश सिंह, अमेठी के भवानीनगर थाना मोहनगंज के विवेक सिंह और आजमगढ़ के चमराडीह थाना फूलपुर के अरविंद यादव को जेल भेजा गया था। 20 सितंबर को जयसिंहपुर के मुइली गांव के पास मुठभेड़ में इनामी बदमाश जौनपुर के सिंगरामऊ निवासी अजय यादव को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस दौरान डकैतों से लगभग ढाई किलो सोना और 30 किलो चांदी बरामद की गई।

15 में नौ डकैत अमेठी के..वारदात में शामिल 15 बदमाशों में से नौ अमेठी जनपद के रहने वाले हैं। इनमें अमेठी के थाना मोहनगंज का अरबाज, पूरे चंदई चिलौली थाना मोहनगंज का फुरकान अभी पकड़ में नहीं आया है। इनके अलावा अरबाज का एक साथी और प्रतापगढ़ के हरिपुरा थाना आसपुर देवसरा का अंकित यादव भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा है। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा का कहना है कि सराफ की दुकान में घुसकर डकैती डालने वालों में अनुज प्रताप सिंह भी शामिल था। उन्नाव में एसटीएफ से हुई मुठभेड़ में वह मारा गया। जो डकैत अभी पकड़े नहीं गए हैं, उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

बच्चों से भरी टाटा सूमो सड़क किनारे खेत में पलटी, मची चीख- पुकार, तीन बच्चे घायल

भदोही। भदोही जिले के औराई इलाके में स्कूली वाहनों के पलटने का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार को सुबह बच्चों से भरी एक टाटा सूमो वैन नटकापुर तिराहे के पास पलट गई। टाटा सूमो में लगभग 12 से अधिक बच्चे सवार थे। हादसा होते ही इलाके में हड़कंप मच गया था। घायल तीन बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया गया।

यह है मामला...सोमवार की सुबह औराई इलाके के नकटापुर तिराहे के पास बच्चों से भरी एक टाटा सूमो वैन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे की जानकारी होते ही बच्चों के अभिभावक रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। हालांकि अभिभावकों के पहुंचने से पहले ही इलाके के कुछ साहसी लोग टाटा सूमो में फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। तीन बच्चे घायल बताए गए हैं। जिसमें चिंतामणिपुर निवासी पवन, त्रिलोकपुर निवासी अभिषेक विश्वकर्मा व अंश विश्वकर्मा जैसे स्कूली बच्चे शामिल हैं। बाकि बच्चे बाल-बाल बच गए हैं। शुकुलपुर का रहने वाला राजेन्द्र प्रसाद यादव नामक चालक बच्चों को लेकर टाटा सूमो वैन से गरौली के बेसिक एजुकेशन सेंटर स्कूल में जा रहा था। नकटापुर तिराहे के समीप पहुंचा तभी टाटा सूमो वैन सड़क किनारे गड्ढे में चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टाटा सूमो को एक नौसिखिया चालक चला रहा था। हादसे के बाद नकटापुर तिराहे पर अफरा-तफरी फैल गई थी। हादसे की जानकारी होने पर एआरटीओ राम सिंह यादव और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह भी हरकत में आ गए। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे औराई इंस्पेक्टर सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि बच्चों को मामूली चोंटे आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

जलालाबाद में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जलालाबाद/नजीबाबाद। सोमवार को क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार के दिशा निदेर्शानुसार व चाबरा सेवा समाज नजीबाबाद की ओर से महिला कुपोषण का समाधान चिकित्सा शिविर के द्वारा किया गया। चिकित्सा शिविर जलालाबाद में महिलाओं की अनेक बीमारियों के बारे में डॉक्टर श्रुति ध्यानी ने महिलाओं को अवगत कराया तथा बीमारियों से कैसे बचा जाए उसके बारे में जानकारी दी। चिकित्सा शिविर जलालाबाद में डॉक्टर पवन कुमार रा. यू. चि. जलालाबाद एवं डॉक्टर श्रुति ध्यानी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सक भागूवाला द्वारा 95 किशोरियों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराई गई जिसमें हरेंद्र कुमार, जितेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

युवाओं को महंगी पड़ रही ये आदत, कोल्डड्रिंक खराब कर रही गुर्दे

कानपुर। गर्मी बहुत है चलो कोल्डड्रिंक पी लेते हैं... ये आदत युवाओं को महंगी पड़ रही है। खानपान में कोल्डड्रिंक और फास्टफूड का अत्यधिक इस्तेमाल उनके गुर्दे को खतरनाक तरीके से नुकसान पहुंचा रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि हैलट के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में हर महीने 20 से 30 साल की उम्र के गुर्दा रोगियों की संख्या 30 फीसदी तक हो गई है। इनमें से आधों को डायलिसिस या गुर्दा ट्रांसप्लांट की सलाह दी जा रही है। पांच साल में इनकी संख्या तेजी से बढ़ी है। पहले इस उम्र वर्ग के पांच फीसदी रोगी ही हैलट आते थे। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में हर महीने करीब 100 किडनी रोगी आ रहे हैं।

गुर्दा रोग विशेषज्ञों के अनुसार, इन युवा रोगियों में एक बात समान रूप से पाई गई कि ये कोल्डड्रिंक और फास्टफूड का अत्यधिक सेवन करते थे। डॉक्टरों के अनुसार ये रोगी कोल्डड्रिंक के इस कदर लती थे कि एक दिन में दो से ढाई लीटर तक पी जाते थे। फास्टफूड भी इनके खानपान का नियमित हिस्सा था।

मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. युवराज गुलाटी ने बताया कि कोल्डड्रिंक में भारी मात्रा में शर्करा होती है, जिससे मोटापा और यूरिक एसिड भी बढ़ता है। यूरिक एसिड बढ़ने पर ये जोड़ों में रुकने लगता है और किडनी पर इसे बाहर निकालने के लिए अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

इससे गुर्दे की क्षमता प्रभावित होती है। गुर्दों में सूजन, सिकुड़न आने के कारण उसकी कार्यक्षमता घट जाती है। धीरे-धीरे गुर्दे रक्त से अपशिष्ट और अतिरिक्त तरल पदार्थ निकालने और मूत्र बनाने में असमर्थ हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में किडनी ट्रांसप्लांट या डायलिसिस की नौबत आ जाती है। ऐसे ही युवा हर महीने हैलट पीजीआई पहुंच रहे हैं, जिन्हें किडनी ट्रांसप्लांट और डायलिसिस कराने की सलाह दी जा रही है। उनके अनुसार, पिछले पांच से छह साल में बड़ा बदलाव आया है। अब 20 से 30 साल उम्र के युवा क्रोनिक किडनी रोगी बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। सीनियर फिजीशियन डॉ. नंदिनी रस्तोगी का कहना है कि शर्करा का अत्यधिक सेवन ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ाता है, जो किडनी को नुकसान पहुंचाता है। इससे मोटापे, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ाता है, जो सभी गुर्दे के लिए जोखिम कारक हैं।

दो-ढाई लीटर कोल्डड्रिंक में 1000 से ज्यादा कैलोरी...हैलट अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेएस कुशवाहा ने बताया कि 200 एमएल की छोटी कोल्डड्रिंक की बोतल में करीब 22 ग्राम चीनी होती है। एक ग्राम चीनी में चार कैलोरी होती है। इस तरह एक छोटी बोतल से ही 88 कैलोरी मिल जा रही है। दो-ढाई लीटर कोल्डड्रिंक पीने वाले तो दिन में 1000 कैलोरी से ज्यादा सिर्फ इसी के जरिये ले लेते हैं। फास्टफूड से भी भारी मात्रा में कैलोरी शरीर में जाती है।

पीएम मोदी को नीतीश के लिखे खत का 'राज'

माथा घुमाने वाला है मां सीता से लेकर भगवान बुद्ध और महावीर का जिक्र

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। चुनावी मूड में आ चुके बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास के एक और आयाम पर फोकस करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान बिहार में विकसित होते पर्यटन उद्योग की तरफ आकर्षित कराया है। बिहार सरकार ने सड़क, नेशनल हाईवे और फ्लाई ओवर के जरिए राज्य में सफर को आसान और आरामदायक बनाया है। अब इस मूलभूत सुविधाओं के साथ राज्य में पर्यटन उद्योग को अपने स्तर पर बढ़ावा दिया ही है।

अब इस उद्योग को और भी उन्नत करने के लिए नीतीश कुमार ने पत्र लिखकर सीधे पीएम का दरवाजा खटखटाया है। अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव है और राज्य सरकार उद्योग व्यवसाय को

विकसित कर जनता के द्वार जाना चाहती है। बिहार सरकार विकसित महात्मा बुद्ध और महावीर सर्किट के जरिए पर्यटन का महत्व समझ चुका है। निरंतर विकास के आयाम खोजते नीतीश कुमार की नजर अब राम सर्किट पर आ टिका है। सीतामढ़ी राम सर्किट का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है। पर चर्चा में जितना राम जन्म भूमि अयोध्या आया, मां सीता की जन्मभूमि सीतामढ़ी नहीं आ पाई।

यही वजह भी है कि नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को पत्र लिखा कर सबसे पहले अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए बधाई दी। फिर बिहार के विकास के लिए पीएम से अयोध्या से सीतामढ़ी के लिए राम जानकी मार्ग का निर्माण जल्द पूरा कराने का आग्रह किया है।

साथ इसके साथ ही पुनौरा को वंदे भारत ट्रेन से जोड़ने की भी मांग की है। इन्होंने पीएम को यह जानकारी भी दी कि बिहार सरकार सीतामढ़ी जिले में पुनौरा धाम को विकसित करने हेतु 50 एकड़ भूमि को अधिग्रहित कर विकसित भी कर रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने रोड के कॉन्सेप्ट को रेल मार्ग से जोड़ कर राम भक्त पर्यटक की यात्रा को आसान कर राज्यकोष में इजाफा करना चाहती है। निश्चित रूप से सड़क और रेल मार्ग से जुड़ जाने के बाद भक्त आसानी से पुनौरा धाम पहुंचकर माता सीता के दर्शन कर पाएंगे। उनके आने से राज्य के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन फोकस्ड नीतीश कुमार ने पर्यटन के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है। बिहार में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश करने पर सीधे वित्तीय सहायता का लाभ पर्यटन विभाग की ओर से दिया जा रहा है। इस नीति के तहत 10 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 30 प्रतिशत अनुदान जबकि 50 करोड़ तक या इससे ज्यादा निवेश पर 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा। इस नीति के तहत निवेशकों को अधिकतम 25 करोड़ रुपये तक अनुदान का प्रावधान किया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। इस वजह से नीतीश कुमार विदेशी पर्यटकों के मामले में बिहार को देश के टॉप-5, जबकि देसी पर्यटकों के मामले में टॉप-10 राज्यों में शामिल कराने की हर जुगाड़ में लगे हैं।

'नीतीश ने पलट कर भी नहीं देखा, गार्ड ने धक्का देकर हटाया'सीएम के प्रोग्राम में एमलए की एंट्री नहीं?

संवाददाता।

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में बवाल हो गया। मामला विपक्षी विधायक के साथ कथित बदसलूकी का है। घोसी से माले विधायक रामबली सिंह यादव ने आरोप लगाया है कि सीएम के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें नीतीश कुमार के पास जाने से रोक दिया। विधायक ने इस घटना को दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव की नई नजीर बताया। दरअसल, जहानाबाद के कल्पा पंचायत की घटना है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में घोसी विधायक रामबली सिंह यादव भी शामिल होने पहुंचे थे। विधायक का आरोप है कि जब वो मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे थे, तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

इस दौरान विधायक ने कहा कि अरे! यार हम विधायक हैं, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उनकी एक ना सुनी। इसके बाद विधायक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दलितों, महादलितों और अति पिछड़ा वर्ग के साथ भेदभाव करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यहां दलित, महादलित और अति पिछड़ा के साथ छुआछूत का व्यवहार किया गया है, आने वाले दिनों में जहानाबाद जिले की जनता उनसे बदला लेगी।

विधायक ने यह भी बताया कि वो मुख्यमंत्री को दस सूत्री मांग पत्र सौंपने आए थे। मुख्यमंत्री जी की मंशा क्या है यह तो उनके अंगरक्षक के द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ की गई धक्कामुक्की और दुर्व्यवहार से साफ जाहिर होता है। रामबली सिंह यादव कहा कि मुख्यमंत्री ने उनकी तरफ देखना भी मुनासिब नहीं समझा। चिलचिलाती धूप में कल्पा गांव के सैकड़ों की संख्या में महादलित परिवार मुख्यमंत्री से अपना दुखड़ा सुनाने पहुंचे थे। लेकिन मुख्यमंत्री ने उनकी तरफ देखना भी मुनासिब नहीं समझा। सभी महादलित परिवार के लोगों को उनके घरों में कैद कर दिया गया था। इतना ही नहीं, जब हम भी मांग पत्र सौंपने गए तो मुझे भी वहां से धक्का देकर बाहर कर दिया गया।

मुजफ्फरपुरः बन्दरा में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम को लेकर रैली निकाली

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान जन जागरूकता को लेकर नारे भी लगाए जा रहे थे। इस दौरान दौरान कैंडल मार्च भी किया गया। बाद में प्रखंड परिसर में एक सभा आयोजित कर 'स्वच्छता ही सेवा' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस दौरान पर्यवेक्षिकाएँ,

- **परिचर्चा एवं कैंडिल मार्च भी आयोजित**
- **बन्दरा प्रखण्ड परिसर में कार्यक्रम आयोजित**

कर्मी,शिक्षक,वार्ड सदस्य,पंसस डॉली आदि शामिल हुए। मौके पर प्रखंड समन्वयक दीपिका भारती,पर्यवेक्षिका प्रियंका कुमारी, आलोक अंगद,सरफराज, प्रभास कुमार, अवधेश कुमार, रणवीर कुमार, गोपाल कुमार आदि भी थे।

मुंगेरः प्रांतीय खेलकूद समारोह-2024 को लेकर 33 निर्णायकों की टीम पहुंची

संवाददाता।

मुंगेर । विद्या भारती दक्षिण बिहार की प्रांतीय इकाई भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के तत्वावधान में 35वाँ प्रांतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह-2024 की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। क्षेत्रीय खेलकूद संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने जानकारी देते हुए कहा कि दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों से लगभग 33 निर्णायक भी मुंगेर पहुंच चुके हैं जिनके सहयोग से खेल ट्रैक का निर्माण लगभग पूर्ण कर लिया गया है। आगे उन्होंने बताया कि इस प्रांतीय खेलकूद में सफल प्रतिभागी क्षेत्रीय खेलकूद जो कि भागलपुर में दिनांक 16 से 18 अक्टूबर 2024 में तथा उसके बाद अखिल भारतीय खेलकूद जो भोपाल में आयोजित है, में भाग लेंगें। विद्यालय

प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अशोक कुमार ने विद्यालय एवं जे0 एस0 ए0 ग्राउंड जमालपुर जाकर खेलकूद के सम्पूर्ण व्यवस्था की तैयारी का जायजा लिया एवं कार्यक्रम की सफलता को लेकर उचित निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक-25 सितम्बर 2024 को जे0 एस0 ए0 ग्राउंड जमालपुर में प्रातः 09:30 बजे जमुई की विधायक सुश्री श्रेयसी सिंह के द्वारा किया जाएगा जिसमें मुख्य रुप से विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री डॉ0 कमल किशोर सिन्हा, मुंगेर के विधायक प्रणव कुमार, जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह, भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं रेल कारखाना जमालपुर के मुख्य प्रबंधक विनय प्रसाद वर्णवाल भी उपस्थित रहेंगे।

चंपारण : एयरटेल पेमेंट बैंक लूटकांड में पुलिस के हाथ खाली, एसपी ने की इनाम की घोषणा

संवाददाता।

मोतिहारी। नगर थाना क्षेत्र के बलुआ टाल पर 17 सितंबर की शाम एयरटेल पेमेंट बैंक में हुए लूटकांड में दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने दस-दस हजार के इनाम की घोषणा की है। साथ ही दोनों का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल भी किया गया है, ताकि अगर वह किसी को दिखाई दे तो उसकी पहचान कर पुलिस को सूचना दे सके ।बता दे कि नगर थाना के व्यस्ततम रोड बलुआ टाल में बदमाशों ने बड़े आराम से हथियार के बल पर करीब एक लाख 15 रुपए लूटकर फरार हो गए। वहीं जब दुकानदार ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर वहां फरार हो गए। घटना छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को उनका कोई सुराग नहीं मिला है। जिसके बाद एसपी

स्वर्ण प्रभात ने दोनों के ऊपर इनाम का घोषणा की है।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि नगर में हुए लूटकांड में शामिल दोनों लुटेरा का फोटो सोशल मीडिया पर डाला गया है, और उनके गिरफ्तारी के लिए दस दस हजार के इनाम का घोषणा किया गया। वहीं आम लोगों से भी अपील किया है कि अगर दोनों कही भी दिखते है तो इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्हें इनाम भी दिया जाएगा साथ ही उनके नाम को भी गुप्त रखा जाएगा।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, शव कद्दू के ठाठ में मिला, गांव में फैली सनसनी

संवाददाता।

मीनापुर(मुजफ्फरपुर)। मीनापुर थाना के दरहीपट्टी गांव के 28 वर्षीय अर्जुन पासवान का शव आज अलिनेउरा पंचायत के वार्ड एक में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव को लाल रंग की शर्ट से कद्दू के ठाठ में बांधा गया था, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर मीनापुर थाना के दरोगा ऋतु रंजन और मधु भारती पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। एसएफएल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक अर्जुन पासवान के परिवार ने हत्या के पीछे गांव के ही एक सूदखोर का हाथ होने का आरोप लगाया है। मृतक की पत्नी किरण देवी, बड़े भाई अरुण पासवान और पिता ढ़ोड़ाई पासवान ने बताया कि अर्जुन पर सूद का पैसा बकाया था, जिसे न चुका पाने के कारण उसकी हत्या कर दी गई। दो दिन पहले भी

अर्जुन की बाइक छीन ली गई थी और उसे धमकियां दी गई थीं।

अरुण पासवान ने बताया कि घटना वाली रात अर्जुन को गांव के एक किराना दुकान के पास शराब पीते देखा गया था, लेकिन उसके बाद से वह गायब हो गया। पूरी रात परिवार उसकी तलाश में जुटा रहा, लेकिन सुबह गांव में कोहराम मचने पर उन्हें उसकी मौत की सूचना मिली। मृतक अर्जुन मवेशी पालन और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी किरण देवी और मां सुनैना देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। अर्जुन के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनमें सबसे बड़ी बच्ची शिवांगी कुमारी पांच साल की है, जबकि सबसे छोटा बेटा सत्या कुमार सिर्फ सात-आठ महीने का है।

लखीसरायः पति के रहते महिला ने की दूसरी शादी

हाई वोल्टेज ड्रामा ,फिर पुलिस की एंट्री,यह है मामला

संवाददाता।

लखीसराय। बिहार के लखीसराय जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने पहले पति के रहते हुए दूसरी शादी कर ली। मामला जिले के हलसी थाना क्षेत्र के पकाही मुसहरी का है। महिला का पहला पति बलजीत मांझी, शेखपुरा जिले के चेवाडा बेलदरिया का रहने वाला है, वो अपनी पत्नी बबिता को उनके बच्चे सहित घर वापस लेने आया था। बलजीत को बच्चे को ले जाता देख पत्नी उससे दुश्मन की तरह भिड़ गई। फिर क्या था, दोनों के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। हंगामा सुन गांव वाले भी जमा हो गए। गांव वाले पहले तो पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े का आनंद लेते दिखे। इधर मामला हाथ से निकलता देख बेबस पति ने घटना की पुलिस को दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की। काफी मशक्कत

के बाद पुलिस मामले को शांत कराने में कामयाब रही।

बलजीत ने बताया कि उसकी शादी चार साल पहले जमुई जिले के लक्ष्मीपुर निवासी बबिता से हुई थी। शादी के बाद उनका एक बच्चा भी हुआ। तीन महीने पहले बबिता काम के बहाने घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी। बलजीत को बाद में पता चला कि बबिता पकाही मुसहरी में अपने बच्चे के साथ रह रही है और उसने दूसरी शादी कर ली है।

वहीं बबिता ने पहले पति पर मारपीट का आरोप लगाते हुए बलजीत के साथ वापस जाने से साफ इनकार कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बबिता दो महीने से हरेवा गांव में रह रही थी। इसके बाद उसने पकाही मुसहरी निवासी मेघो मांझी से दूसरी शादी कर ली। बताया जा रहा है कि दूसरी शादी धूमधाम से हुई थी। इस मामले में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि 112 पुलिस टीम को सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम मौके पर गई थी। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने समझा मरा हुआ अचानक से उठ खड़ा हुआ शख्स

पढ़िए मजेदार मामला

संवाददाता।

बिहारशरीफ। भारत के अनेक राज्यों से अनेक तरह के हैरान कर देने वाले मामले सामन आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है बिहार के बिहार शरीफ जिले से। यहां सदर अस्पताल में एक व्यक्ति जिसे मरा हुआ समझ लिया गया था वह अचानक से उठ कर खड़ा हो गया। ऐसा होते ही पूरे अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

दरअसल, बिहार शरीफ के सदर अस्पताल में एक मृत बता दिया गया व्यक्ति आधे घंटे बाद उठकर खड़ा हो गया। जब अस्पताल के बाथरूम में सफाई करने के लिए सफाईकर्मी पहुंचा तो एक बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद था और किसी व्यक्ति का चप्पल बाहर पड़ा हुआ था। काफी देर बीत जाने के बाद भी उसने अंदर से दरवाजा नहीं खोला।

अस्पताल की ओर से इस पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर बंद दरवाजे के ऊपरी हिस्से को तोड़ा। पुलिस ने देखा कि एक व्यक्ति बाथरूम में गिरा हुआ था और कोई हलचल नहीं कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने उसे मृत समझकर फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगता है कि शख्स की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

हालांकि, जब व्यक्ति को ले जाने के लिए स्ट्रेचर लाया गया। उसी दौरान वह अचानक से उठकर खड़ा हो गया। व्यक्ति अस्थावां थाना क्षेत्र के जीराइन गांव का निवासी राकेश है। वह नशे की हालत में पाया गया है। फिलहाल पुलिस पूछताछ के लिए उसे थाने ले गई है।

बेगूसराय को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित करने की मांग

बेगूसराय। बेगूसराय जिले में बाढ़ का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे मटिहानी विधानसभा क्षेत्र समेत कई इलाके प्रभावित हो रहे हैं। बाढ़ के चलते लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं और कई घर गंगा में समा गए हैं। इस संकट के मद्देनजर बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की। उसमें उन्होंने बिहार सरकार और जिला प्रशासन से मांग की कि बेगूसराय को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि बाढ़ के कारण लगभग एक लाख हेक्टेयर जमीन प्रभावित हो चुकी

है और लोगों के बीच डर का माहौल है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन इलाकों में बांधों में रिसाव हो रहा है, उसे तुरंत ठीक किया जाए, क्योंकि अगर समय रहते बांधों की मरम्मत नहीं की गई तो पूरा बेगूसराय बाढ़ की चपेट में आ सकता है। उन्होंने बेगूसराय में डेढ़ लाख हेक्टेयर उपजाऊ भूमि के प्रभावित होने का हवाला देते हुए किसानों के लिए मुआवजे की मांग भी की, ताकि उनकी फसलों का नुकसान कम किया जा सके।

मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह ने भी क्षेत्र की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण कई घर गंगा में समा गए हैं। उन्होंने रिंग बांध बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर रिंग बांध का निर्माण हो जाता, तो इलाके के लोग बाढ़ से सुरक्षित रहते। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ राहत कार्यों की सराहना की, लेकिन राज्य सरकार से दीर्घकालिक समाधान की मांग की।

वहीं, सांसद गिरिराज सिंह ने बाढ़ पीड़ितों के लिए अधिक राहत और सहायता की मांग की। साथ ही यह आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाएंगे, ताकि बेगूसराय जिले को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित कर आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

वैशाली सांसद वीणा देवी पर टूटा 'दुखों का पहाड़',मुजफ्फरपुर में सड़क हादसे में बेटे की मौत

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। लोक जनशक्ति (रामविलास) पार्टी की वैशाली से सांसद वीणा देवी के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा है। बिहार के मुजफ्फरपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में सांसद सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश सिंह के बेटे राहुल राज उर्फ छोटू सिंह की मौत हो गई। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र में दिनेश्वर पेट्रोल पंप के समीप हुई है। बताया जा रहा है वैशाली सांसद वीणा देवी के बेटे को किसी अज्ञात गाड़ी ने टक्कर मार दी। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं

ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए हैं। इधर राहुल राज की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, बुलेट बाइक से राहुल राज उर्फ छोटू सिंह कहीं जा रहे थे। अभी वो दिनेश्वर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे कि अज्ञात गाड़ी ने उन्हें कुचल डाला। घटनास्थल पर बाइक और छोटू सिंह का क्षत-विक्षत शव पाया गया। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जैतपुर थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मौके पर स्थानीय लोगों की जुटी भीड़ जुटी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम कें लिए अस्पताल भिजवा दिया है। घटना की पुष्टि सरैया के डीएसपी कुमार चंदन ने की है। डीएसपी कुमार चंदन ने कहा कि एमएलसी दिनेश सिंह के बेटे राहुल राज की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बता दें, राहुल राज उर्फ छोटू सिंह की पत्नी निरुपमा सिंह जिलापरिषद की उपाध्यक्ष हैं।

औरंगाबाद में कहर बरपा रहा डेंगू; सितंबर महीने में अब तक मिले 39 मरीज, अस्पताल में भर्ती

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले में डेंगू का कहर बरप रहा है। डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस माह में एलिजा टेस्ट में अब तक 39 लोग डेंगू के पॉजिटिव पाए गए हैं। इन सभी का औरंगाबाद सदर अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती कर इलाज किया गया है। फिलहाल चार से पांच मरीजों का अस्पताल के डेंगू वार्ड में इलाज चल रहा है।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि डेंगू वार्ड में डेंगू के शिकार उन्हीं मरीजों को भर्ती किया जाता है, जिनका प्लेटलेट्स काउंट कम पाया जाता है। इन मरीजों को गहन चिकित्सा में रखा जाता है। जिन मरीजों का प्लेटलेट्स काउंट सही होता है, उन्हें दवा और परामर्श देकर घर भेज दिया जाता है। इस वजह से अभी अस्पताल में चार-पांच मरीज ही भर्ती हैं, जिनका प्लेटलेट्स काउंट कम है। उन्होंने कहा कि इलाज के बाद कई मरीज स्वस्थ होकर अपने घर पर हैं। वहीं, डेंगू के मरीजों के मिलने के बावजूद औरंगाबाद नगर परिषद प्रशासन पूरी तरह उदासीन है। शहर में जहां-तहां कचरों का अंबार लगा है। सही तरीके से कचरे का उठाव नहीं हो रहा है। बरसात के मौसम में डेंगू और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव को लेकर शहर में फॉगिंग और दवा तक का छिड़काव नहीं हो रहा है।

ये हैं डेंगू के लक्षण

औरंगाबाद सदर अस्पताल के प्रबंधक हेमंत राजन ने डेंगू का लक्षण बताते हुए कहा कि डेंगू से पीड़ित लोगों को अचानक तेज बुखार, सिर दर्द, उल्टी, शरीर में दर्द और आंखों में दर्द होता है। इस तरह

के लक्षण दिखें और सांस लेने में मुश्किल हो तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराएं। उन्होंने कहा कि डेंगू एक संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से होता है। डेंगू का बुखार चार से दस दिनों तक रहता है। हालांकि गंभीर मामलों में बुखार 10 से ज्यादा दिन भी रह सकता है। डेंगू का तुरंत उपचार कराना चाहिए। डेंगू बुखार रहने पर मरीज को मच्छरदानी और साफ-सुथरी जगह पर रहना चाहिए, ताकि वह दूसरों को संक्रमित न कर सके। बुखार आने पर जल्द से जल्द इसका उपचार कराना चाहिए।

ह्यऔरंगाबाद सदर अस्पताल में डेंगू के इलाज की समुचित व्यवस्थाह्ल

औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि औरंगाबाद सदर अस्पताल में डेंगू के इलाज की उचित व्यवस्था है। इसे लेकर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। लोगों से अपील है कि कही भी जल जमाव न होने दें। मच्छरों से बचने के लिए लोशन या मच्छरदानी या स्प्रे का इस्तेमाल करें। घर के आसपास सफाई रखें। पानी के बर्तनों को ढक कर रखें। कूलर में पानी बदलते रहें। खाली बर्तन, खाली डिब्बे, टायर, गमले, मटके और बोतल आदि में पानी जमा न होने दें। घर के दरवाजे, खिड़की और रोशनदान में जाली लगवाएं तथा सुरक्षित कपड़े पहनें। औरंगाबाद सदर अस्पताल की लैब में कार्यरत एक टेक्नीशियन ने बताया कि डेंगू की जांच के लिए डेंगू डे-1 टेस्ट किट में दो डिवाइस होते हैं। एक डिवाइस डेंगू एनएस 1 एंटीजन का पता लगाने के लिए होता है। दूसरा डिवाइस मानव सीरम, प्लाज्मा में डेंगू आईजीएम, आईजीजी, एंटीबॉडी की अलग-अलग जांच के लिए होता है। उन्होंने बताया कि एलिजा एक रीडर मशीन है, जिसे ऐसी बॉडी टेस्ट के मापने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मशीन में मरीजों का ब्लड का सैंपल लेकर डाला जाता है और इससे डेंगू है या नहीं, इसका पता लगाया जाता है। इस टेस्ट में एंटीजन और एटीबॉडी डिटेक्ट होते हैं।

चरण सिंह

विचार

दलित राजनीति के प्रभाव के चलते मुख्यमंत्री बनना चाहती हैं कुमारी शैलजा!

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा ऐसे ही नाराजगी व्यक्त नहीं कर रही हैं। उन्हें पता है कि देश में दलित राजनीति का प्रभाव है और इस बार हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने की पूरी संभावना है। वैसे भी शैलजा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता हैं और उनका परिवार कांग्रेसी रहा है। शैलजा का प्रयास है कि उनकी लॉबी के इतने विधायक जीत जाएं कि वह सरकार बनाने में खेल कर सकें। आम आदमी पार्टी के ९० सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद अब हरियाणा में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने के आसार कम हो गये हैं। वैसे भी इनेलो और बसपा का गठबंधन और जेजेपी और आजाद समाज पार्टी का गठबंधन भी कांग्रेस के लिए आफत बना हुआ है।

बताया तो यह भी जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल को जमानत ही बीजेपी ने दिलाई है। कांग्रेस का वोट काटने के लिए केजरीवाल को तिहाड़ जेल से बाहर निकाला गया है। दरअसल बीजेपी जानती है कि यदि हरियाणा में कांग्रेस चुनाव जीत जाती है तो महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही वजह है कि बीजेपी किसी भी हालत में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार नहीं बनने देना चाहती है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा आत्मविश्वास से लबरेज हैं। उन्हें अपने दम पर हरियाणा में सरकार बनाने की उम्मीद है।

भले ही कुमारी शैलजा को कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत कट्टर कांग्रेसी बता रही हों। भाजपा के किसी झांसे में न आने की बात कर रही हो पर इस बार शैलजा अपना दांव जरूर चलेंगी। वह तो विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं पर उन्हें केंद्र में रहकर काम करने को कहा गया। शैलजा अपने समर्थकों के साथ लगातार मीटिंग कर रही हैं। उनके मान सम्मान और अधिकार की लड़ाई लड़ने की बात कर रही हैं। चुनाव प्रचार से दूरी बनाए हुए हैं। कुमारी शैलजा का प्रयास है कि मतदान से पहले कांग्रेस हाईकमान से कुछ सौदा कर लिया जाए। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा और आजाद समाज पार्टी के हिस्सा लेने पर कुमारी शैलजा को नाराजगी दिखाने का मौका मिल गया है। दरअसल हरियाणा में दलित वोटबैंक ठीक ठाक है। दलित लोग जाटों से नाराज रहते हैं। जींद जिले में दलितों और जाटों में कई बार संघर्ष हो चुका है। कुमारी शैलजा की रणनीति है कि दलित वोटबैंक के सहारे कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बनाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी ले ली जाए।

हां यह बात जरूर है कि शैलजा का बीजेपी में शामिल होना असंभव ही है। बाकायदा उन्होंने एक टीवी कार्यक्रम में कहा भी है कि उनकी रंगों में कांग्रेस का खून है। उनके पिताजी कांग्रेस के तिरंगे में लिपट कर गये थे और वह भी तिरंगे में लिपटकर जाएंगी। २५ सितम्बर को बीजेपी में शामिल होने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पता नहीं ये खबरें कहां से आ जाती हैं। शैलजा का गेम मुख्यमंत्री बनने का न कि बीजेपी को मजबूती देने का।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में परिवारवाद को नकारा जनता ने

रघु ठाकुर

श्रीलंका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में श्री अनूरा राष्ट्रपति के पद पर चुने गए हैं और उनके मतों में जो 2019 में मात्र 3.6% थे भारी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि श्रीलंका के संविधान के अनुसार उनके मत भी 42.3%थे अतः पुनः मतगणना में श्री प्रेमदासा के द्वितीय वरीयता के मत मिले। उनको द्वितीय वरीयता के मत मिले और अनुरा ने जीत हासिल कर राष्ट्रपति का पद अपने हाथ में लिया है।

इन चुनाव परिणाम के जो संकेत है वह भी अच्छे हैं।एक तो इन चुनाव परिणाम में जनता ने याने श्रीलंका के मतदाताओं ने परिवारवाद को भी पराजित किया है श्री नमल राजपक्षे जो राजपक्षे परिवार के हैं को पिछले चुनाव में 52 प्रतिशत से अधिक मिले थे पर इस बार उन्हें मात्र ढाई परसेंट वोट मिले हैं। रानिल राजपक्षे को भी मात्र सत्रह प्रतिशत वोट मिले ।

श्री अनूरा की जीत एक प्रकार से नौजवानों के उत्साह की जीत है और बदलाव की जीत है। श्री अनूरा के ऊपर अब बड़ी जिम्मेवारियां हैं और उन्हें न केवल श्रीलंका को आर्थिक संकट से निकालना है बल्कि वहां के नौजवानों के लिए रोजगार की व्यवस्था करना है और दक्षिण एशिया के देशों के बीच में एक समुचित संतुलिन बनाने का भी काम है।लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी श्री अनूरा को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती है और उम्मीद करती है कि उनके नेतृत्व में भारत और श्रीलंका के संबंध सुधरेंगे। श्रीलंका अंतर भाषाई अंतर धर्मी तनाव से मुक्त होगा और हिंसा से मुक्त होकर एक नया सुंदर बुद्ध के दर्शन के आधार का श्रीलंका बनेगा ।

(लेखक लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संरक्षक हैं)

कार्टून

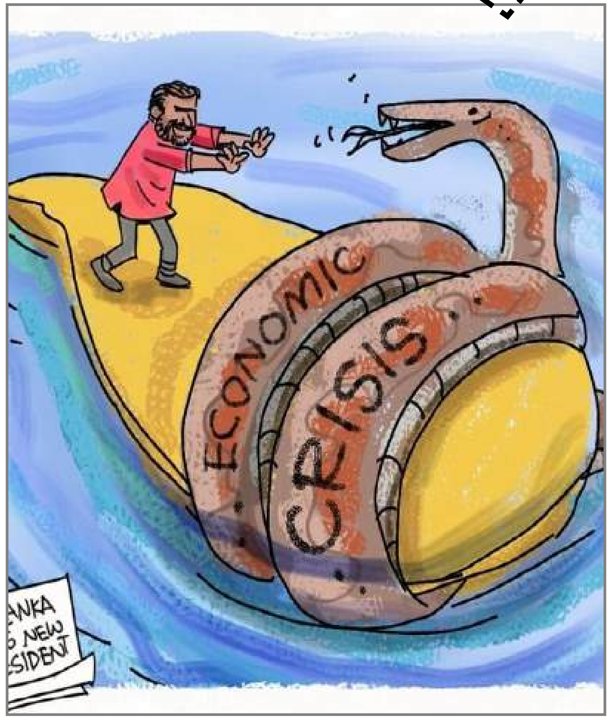

'दूसरों को क्षमा करें, इसलिए कि आप शांति के पात्र हैं।'

-डॉ. सत्यवान सौरभ

पीड़ा विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न हो सकती है, जिनमें व्यक्तिगत शिकायतें, हानि, विश्वासघात और अन्याय शामिल हैं। उदाहरण के लिए, मलाला यूसुफजई की दुखद कहानी, जिसे लड़कियों की शिक्षा की वकालत करने के लिए तालिबान ने गोली मार दी थी, हिंसक अन्याय से पीड़ित होने को दर्शाती है। ये अनुभव क्रोध, कड़वाहट और निराशा जैसी नकारात्मक भावनाओं का एक उलझा हुआ जाल बनाते हैं, जिससे व्यक्तियों के लिए जीवन में अपना रास्ता बनाना मुश्किल हो जाता है।

'दुख की भूलभुलैया से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका क्षमा हैह्व इस गहन विचार को व्यक्त करता है कि क्षमा मानव अस्तित्व की जटिल और अक्सर दर्दनाक चुनौतियों पर काबू पाने की कुंजी है। यह कथन बताता है कि पीड़ा, जिसे एक भूलभुलैया के रूप में जाना जाता है, एक जटिल और भ्रमित करने वाला अनुभव है जो व्यक्तियों को दर्द, नाराजगी और भावनात्मक उथलझ्रपुथल के चक्र में फंसा देता है। भूलभुलैया का रूपक पीड़ा की जटिलता और प्रतीत होने वाली अंतहीन प्रकृति को रेखांकित करता है, इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे यह लगातार खोए रहने और बाहर निकलने का रास्ता खोजने में असमर्थ होने की भावना पैदा कर सकता है।

पीड़ा की भूलभुलैयाह्व की अवधारणा मानव दर्द और प्रतिकूल परिस्थितियों की बहुमुखी प्रकृति को संदर्भित करती है। पीड़ा विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न हो सकती है, जिनमें व्यक्तिगत शिकायतें, हानि, विश्वासघात और अन्याय शामिल हैं। उदाहरण के लिए, मलाला यूसुफजई की दुखद कहानी, जिसे लड़कियों की शिक्षा की वकालत करने के लिए तालिबान ने गोली मार दी थी, हिंसक अन्याय से पीड़ित होने को दशार्ती है। ये अनुभव क्रोध, कड़वाहट और निराशा जैसी नकारात्मक भावनाओं का एक उलझा हुआ जाल बनाते हैं, जिससे व्यक्तियों के लिए जीवन में अपना रास्ता बनाना मुश्किल हो जाता है। भूलभुलैया उस भ्रामक और भटकाव भरी यात्रा को दशार्ती है, जिससे लोग अक्सर अपनी पीड़ा से निपटते समय गुजरते हैं, जहां प्रत्येक मोड़ राहत या समाधान के बजाय अधिक पीड़ा और भ्रम की ओर ले जाता है। जैसा कि गौतम बुद्ध ने अनसुलझे दुख की आत्मझ्रविनाशकारी प्रकृति पर जोर देते हुए कहा, ह्लक्रोध को बनाए रखना जहर पीने और दूसरे व्यक्ति के मरने की उम्मीद करने जैसा है।

इस भूलभुलैया के प्रस्तावित समाधान के रूप में क्षमा एक शक्तिशाली और परिवर्तनकारी कार्य है। इसमें द्वेष, नाराजगी और प्रतिशोध की इच्छा को छोड़ना और इसके बजाय समझ, करुणा और सहानुभूति को अपनाना शामिल है। क्षमा व्यक्तियों को अपने कष्टों का बोझ उतारने और नकारात्मकता के चक्र से मुक्त होने की अनुमति देती है जो उन्हें भूलभुलैया में फंसा देती है। उदाहरण के लिए, नेल्सन मंडेला का जीवन, जहां उन्होंने 27 साल की कैद के बाद प्रतिशोध के बजाय क्षमा को चुना, व्यक्तिगत मुक्ति और सामाजिक परिवर्तन प्राप्त करने में क्षमा की अपार शक्ति का उदाहरण है। यह उपचार की एक जानबूझकर की गई प्रक्रिया है जिसके लिए साहस और शक्ति की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें अक्सर गहरी भावनाओं और कमजोरियों का सामना करना शामिल होता है। महात्मा गांधी के अनुसार ह्लकमजोर कभी माफ नहीं कर सकते। माफ करना ताकतवर का गुण है।

मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और व्यक्तिगत बाधाओं की जटिल परस्पर क्रिया के कारण व्यक्तियों को अक्सर पीड़ा की भूलभुलैया से मुक्त होना चुनौतीपूर्ण लगता है। ये बाधाएँ एक भयानक और अक्सर भारी वातावरण बनाती हैं जो दर्द के चक्र को कायम रखती हैं और उपचार और शांति की ओर यात्रा में बाधा डालती हैं।

प्राथमिक मनोवैज्ञानिक बाधाओं में से एक आघात और नकारात्मक भावनाओं की गहरी प्रकृति है। विश्वासघात, हानि, या अन्याय के अनुभव स्वयं मानस में अंतर्निहित हो सकते हैं, जिससे क्रोध, आक्रोश और कड़वाहट की भावनाएं लगातार बनी रहती हैं। ये भावनाएँ किसी की पहचान का हिस्सा बन सकती हैं, जिससे उनके बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल हो जाता है। उदाहरण के लिए, होलोकॉस्ट से बचे लोगों द्वारा अनुभव किया गया अन्याय, जिन्होंने परिवार और दोस्तों को खो दिया और अकल्पनीय अत्याचारों को देखा, अक्सर स्थायी भावनात्मक घावों का कारण बनता है। मानव मन अक्सर आत्मझ्रसुरक्षा के रूप में नकारात्मक अनुभवों से चिपक जाता है, जो भूलभुलैया की दीवारों को मजबूत करता है। इसके अतिरिक्त, अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे इसे बढ़ा सकते हैं, जिससे निराशा और असहायता की भावना पैदा होती है जो व्यक्तियों को क्षमा और उपचार के रास्ते खोजने या स्वीकार करने से रोकती है। होलोकॉस्ट से बचे विक्टर फ्रैंकल ने कहा, ह्लजब हम किसी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते हैं, तो हमें खुद को बदलने की चुनौती दी जाती है।

सामाजिक मानदंड और अपेक्षाएं भी व्यक्तियों को दुख की भूलभुलैया में फंसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जो संस्कृतियाँ प्रतिशोध, सम्मान और मेलझ्रमिलाप तथा क्षमा से अधिक गौरव पर जोर देती हैं, वे व्यक्तियों पर शिकायतें दबाए रखने का दबाव डाल सकती हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय संदर्भ में, माता-पिता अक्सर अपने बच्चों की सहमति के बिना, विशेष रूप से अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक संघों में विवाह करने के निर्णय को अपने गौरव और सम्मान का सीधा अपमान मानते हैं। यह धारणा उन्हें पीड़ा की भूलभुलैया में धकेल देती है, जिससे कभी-कभी ऑनर किलिंग जैसे चरम कृत्य भी हो जाते हैं। हालाँकि, क्षमा को अपनाकर, ये माता-पिता दुख की इस भूलभुलैया से बाहर निकल सकते हैं और अंततः अपने बच्चों की खुशी को स्वीकार कर सकते हैं और उसका आनंद उठा सकते हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर, पीड़ा से बाहर निकलने की यात्रा में दर्दनाक भावनाओं का सामना करने और प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है, जो एक कठिन और डराने वाला कार्य हो सकता है। बहुत से व्यक्ति अपने दर्द का सामना करने से आने वाली असुरक्षा से डरते हैं और इससे बचना पसंद करते हैं, भले ही बचने का मतलब भूलभुलैया में ही रहना हो। उदाहरण के लिए, पीटीएसडी से पीड़ित अनुभवी लोग अक्सर युद्ध की दर्दनाक यादों को फिर से याद करने के लिए संघर्ष करते हैं, उन अनुभवों को दोबारा जीने से होने वाली भावनात्मक उथलझ्रपुथल से डरते हैं। अभिमान और अहंकार भी क्षमा प्रक्रिया में बाधा डाल सकते हैं, क्योंकि चोट को स्वीकार करना और सुलह की तलाश को कमजोरी या हार को स्वीकार करने के रूप में माना जा सकता है। इसके अलावा, प्रभावी मुकाबला तंत्र या सहायता प्रणालियों की कमी व्यक्तियों को अपनी पीड़ा से निपटने के लिए अयोग्य बना सकती है। मार्गदर्शन या प्रोत्साहन के बिना, क्षमा और उपचार का मार्ग दुर्गम लग सकता है। कन्फ्यूशियस ने ठीक ही कहा था, ह्लजब तक आप इसे याद रखना जारी नहीं रखते, तब तक आपके साथ अन्याय होना कोई मायने नहीं रखता।

क्षमा, जिसे अक्सर मुक्ति का एक गहन कार्य माना जाता है, पीड़ा की भूलभुलैया से निकलने में एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में कार्य करता है। क्षमा का कार्य केवल दूसरों को उनके गलत कामों से मुक्त करना नहीं है बल्कि यह अत्यधिक परिवर्तनकारी है, स्वयं को मुक्त करके और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देकर उपचार प्रदान करता है।

प्राचीन धरोहरों की वापसी:भारत के इतिहास और संस्कृति का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अमेरिका ने लौटाई 297 प्राचीन वस्तुएं

दीपक कुमार तिवारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान एक ऐतिहासिक क्षण तब आया जब अमेरिका ने भारत को 297 प्राचीन कलाकृतियाँ लौटा दीं। ये कलाकृतियाँ न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं, बल्कि देश की अनमोल विरासत की पुनः प्राप्ति का भी प्रतीक हैं। इन प्राचीन वस्तुओं का पुनः भारत लौटना देश के इतिहास के प्रति सम्मान और उसकी धरोहर के महत्व को दशार्ता है।

मध्य भारत की अप्सरा की मूर्ति (10-11वीं शताब्दी ई.):

मध्य भारत से प्राप्त यह अद्भुत मूर्ति बलुआ पत्थर से बनाई गई है। यह 10-11वीं शताब्दी ईस्वी की अप्सरा की एक सुंदर प्रतिमा है, जो उस समय की कला और संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसकी बारीक कारीगरी और शिल्प कौशल भारत की प्राचीन मूर्तिकला की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करती है।

जैन तीर्थंकर की कांस्य मूर्ति (15-16वीं शताब्दी ई.):

मध्य भारत से ही प्राप्त जैन तीर्थंकर की यह कांस्य मूर्ति 15-16वीं शताब्दी की है। इस मूर्ति का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है, जो जैन धर्म के दर्शन और आध्यात्मिकता को दशार्ता है। यह उस समय की धातु शिल्पकला का उत्कृष्ट नमूना है, और इसके भारत लौटने से जैन संस्कृति से जुड़े महत्वपूर्ण पहलू फिर से उजागर होते हैं।

पूर्वी भारत का टेराकोटा फूलदान (3-4वीं शताब्दी ई.):

इस सूची में पूर्वी भारत से प्राप्त टेराकोटा फूलदान भी शामिल है, जो 3-4वीं शताब्दी ईस्वी का है। टेराकोटा शिल्पकला भारत की प्राचीन कला का अभिन्न हिस्सा रही है, और यह फूलदान उस काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक जीवनशैली का प्रतीक है। इसकी विशिष्ट बनावट और डिजाइन उस युग की शिल्पकला की श्रेष्ठता को दशार्ते हैं।

भारत की सांस्कृतिक धरोहर की पुनः प्राप्ति का ऐतिहासिक क्षणः

297 प्राचीन वस्तुओं की वापसी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह न केवल भारतीय संस्कृति की धरोहर को सुरक्षित रखने का प्रयास है, बल्कि उन प्राचीन कलाकृतियों को उनके मूल स्थान पर पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। यह घटना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के प्रति जागरूकता और सम्मान को भी बढ़ावा देती है।

प्रधानमंत्री मोदी की बाइडेन से महत्वपूर्ण बैठकः

इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच हुई बैठक भी महत्वपूर्ण रही। इस मुलाकात के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया,

"मैं राष्ट्रपति बाइडेन को ग्रीनविले, डेलावेयर में अपने आवास पर मेरी मेजबानी करने के लिए धन्यवाद देता हूं। हमारी बातचीत बेहद फलदायी रही। बैठक के दौरान हमें क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला।"

इस बातचीत ने दोनों देशों के बीच मजबूत होते कूटनीतिक संबंधों को और गहरा किया, जिससे भविष्य में भारत-अमेरिका साझेदारी और सशक्त होगी।

प्राचीन वस्तुओं की वापसी हमारे इतिहास के सम्मान का प्रतीक हैः

यह घटना भारत के गौरवशाली अतीत और संस्कृति की महत्ता को पुनः स्थापित करती है। प्राचीन वस्तुओं की यह वापसी केवल कलाकृतियों की प्राप्ति नहीं, बल्कि हमारे इतिहास और धरोहर के प्रति वैश्विक सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वापस लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसे सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यह क्षण न केवल गर्व का है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संदेश भी है कि हमारी संस्कृति और धरोहर की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह देश के अतीत के प्रति सम्मान और इसके संरक्षण के लिए की गई हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

संपर्क व कनेक्शन तो बहुत पर सच्चा रिश्ता मुश्किल से

ऊषा शुक्ला

कनेक्शन और संपर्क दो अलग-अलग शब्द हैं जिनका दो चीजों के जुड़ने के तरीके से लेना-देना है। लेकिन, कनेक्शन दो वस्तुओं के बीच भौतिक संबंध को संदर्भित करता है, जबकि संपर्क उस तरीके को संदर्भित करता है जिसमें दो वस्तुएं एक-दूसरे से जुड़ी या जुड़ी होती हैं। एक युवा पेशेवर द्वारा एक पुराने शिक्षक का साक्षात्कार लिया जा रहा था। पेशेवर ने पूर्व नियोजित योजना के अनुसार शिक्षक का साक्षात्कार लेना शुरू किया।युवा पेशेवर- *सर, अपने पिछले व्याख्यान में आपने हमें बताया था "संपर्क" और "कनेक्शन", यह वास्तव में भ्रमित करने वाला है। क्या आप समझा सकते हैं? शिक्षक मुस्कुराए और स्पष्ट रूप से प्रश्न से विचलित होकर युवा पेशेवर से पूछाः क्या आप इसी शहर से हैं?

पेशेवर : हाँ! टीचरः घर में कौन कौन हैं?

पेशेवर ने महसूस किया कि शिक्षक उसके प्रश्न का उत्तर देने से बचने की कोशिश कर रहा था; क्योंकि यह एक बहुत ही व्यक्तिगत और अनुचित प्रश्न था। फिर भी युवा पेशेवर ने कहाः मां का देहांत हो गया था। पिता हैं, तीन भाई और एक बहन! सभी की शादी हो चुकी है! शिक्षक ने अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ फिर पूछाः क्या आप अपने पिता से बात करते हैं?

युवा पेशेवर नाराज दिख रहा था! शिक्षकः आपने उनसे आखिरी बार कब बात की थी? युवा पेशेवर ने अपनी झुंझलाहट को दबाते हुए कहाः एक महीने पहले! शिक्षकः क्या आपके भाई-बहन अक्सर मिलते हैं? आप आखिरी बार पारिवारिक सभा के रूप में कब मिले थे? इस बिंदु पर युवा पेशेवर के माथे पर पसीना आ गया। ऐसा लगता था कि शिक्षक युवा पेशेवर का साक्षात्कार ले रहे थे। पेशेवर ने कहाः हम आखिरी बार दो साल पहले त्योहार पर मिले थे। टीचर : तुम सब कितने दिन साथ रहे?

पेशेवर ने अपने माथे पर पसीना पोंछते हुए कहाः तीन दिन! शिक्षकः आपने अपने पिता के साथ कितना समय बिताया ठीक उनके पास बैठकर?

युवा पेशेवर परेशान और शर्मिंदा दिख रहा था और एक कागज पर कुछ लिखने लगा!

शिक्षकः क्या आपने नाश्ता, दोपहर का भोजन या रात का खाना एक साथ किया? क्या आपने पूछा कि वो कैसे हैं? क्या आपने पूछा कि माँ की मृत्यु के बाद उनके दिन कैसे बीत रहे हैं? युवा पेशेवर की आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। शिक्षक ने युवा पेशेवर का हाथ पकड़ा और कहाः शर्मिंदा, परेशान या उदास मत हो। मुझे खेद है अगर मैंने आपको अनजाने में चोट पहुंचाई है, लेकिन यह मूल रूप से आपके प्रश्न का उत्तर है! "संपर्क और कनेक्शन" आपका अपने पिता के साथ 'संपर्क' है लेकिन आपका 'कनेक्शन' नहीं है। आप उनसे जुड़े नहीं हैं। कनेक्शन दिल और दिल के बीच होता है! एक साथ बैठना, भोजन करना और एक-दूसरे की देखभाल करना, छूना, हाथ मिलाना, आँख मिलाना, कुछ समय एक साथ बिताना! आपके सभी भाई-बहनों का एक-दूसरे से 'संपर्क' है लेकिन कोई 'कनेक्शन' नहीं है!* युवा पेशेवर ने अपनी आँखें पोंछीं और कहाः *धन्यवाद सर, मुझे एक अच्छा और अविस्मरणीय पाठ पढ़ाने के लिए।*यही है आज की हकीकत। चाहे घर में हो या समाज में सभी के बहुत सारे संपर्क हैं, लेकिन कोई संबंध नहीं है। सब अपनी अपनी दुनिया में मशगूल हैं! आइए न रहे।"संपर्क" में, लेकिन "कनेक्टेड" बने रहें, "केयरिंग", "शेयरिंग" समय बिताते हुए हमारे सभी प्रियजनों के साथ!*घमंडी व्यक्ति जीवन में सफल नहीं हो सकता है। जिस व्यक्ति में एक बार घमंड पैदा हो गया तो वह अपने आगे किसी को भी नहीं मानता है। जब व्यक्ति का घमंड टूटता है तो वह अर्श से फर्श पर होता है लेकिन हम अच्छे संस्कारों से बुराई पर जीत हासिल कर सकते हैं। हमारे नैतिक मूल्य अच्छे घर, परिवार, समाज व देश की पहचान होते हैं। नैतिक मूल्यों का आधार हमारी प्राचीन संस्कृति है। मनुष्य की अमूल्य निधि उसकी संस्कृति और संस्कार होते हैं। यह एक ऐसी निधि है जिससे व्यक्ति सुसंस्कारित तथा सभ्य सामाजिक प्राणी बनता है। साथ ही यह हर प्रतिकूल परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की क्षमता पैदा करती है।बच्चे देश का भविष्य होते हैं परंतु नैतिक मूल्यों की कमी उनके जीवन को तबाह कर सकती है। बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी देना आवश्यक है। नैतिकता ही वह खूबी है जो हमारे सामाजिक, सभ्य और सुसंस्कारित होने की पहचान करवाती है और जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाती है। बच्चों के नैतिक मूल्यों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है कि हम घर का वातावरण अच्छा बनाए रखें, बच्चों को शेयरिग और केयरिग की सीख दें। बच्चों को मानवता की इज्जत करना सिखाएं तथा ईमानदारी का पाठ पढ़ाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाउस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

टोहाना और जगाधरी पहुंचे अमित शाह, बोले- कांग्रेस की सभाओं में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को टोहाना में पहुंचे। उन्होंने हिसार रोड स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा पार्क के सामने मैदान में जन आशीर्वाद रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत भारत माता की जय के नारे के साथ की। इसके बाद उन्होंने टोहाना के प्रत्याशी के साथ-साथ आसपास की सीटों के प्रत्याशियों के लिए वोट की अपील की। अमित शाह ने कहा कि आज स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम जी की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में टोहाना ने नई उचाइयों को छुआ है। उनको मैं पहले नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि पहले दो दलों की सरकार चलती थी। एक दल में भ्रष्टाचार बढ़ता था, एक में गुंडागर्दी। परिवारवाद और जातिवाद चर्म पर था। लेकिन भाजपा ने पूरे हरियाणा की सरकार बनाई है।

अमित शाह ने हरियाणा में सड़कों के निमार्ण व अन्य परियाजनाओं को गिनवाया। उन्होंने नौकरियों में खर्ची पर्ची का मुद्दा उठाया और कहा कि भाजपा ने पारदर्शिता से नौकरियां दी है।

गोहाना, मिर्चपुर कांड का किया जिक्र, कुमारी सैलजा के अपमान की कही बात...अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस दलित विरोधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने कहा कि दलितों को नौकरी से वंचित रखा गया, साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले अशोक तंवर की अनदेखी की और अब कुमारी सैलजा का अपमान किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा है कि विकास होने के बाद

आरक्षण वापस ले लेंगे। वन रैंक वन पैंशन का जिक्र भी उन्होंने किया।

कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं : शाह...अमित शाह ने कहा कि बड़ी चिंता की बात है, हथिन से लेकर थानेसर और पलवल में तक कांग्रेस की रैलियां होती है, पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं और राहुल गांधी रोकते भी नहीं है। मैं तो टीवी में देखकर बड़ा चिंतित हूं।

उन्होंने कहा कि जिस पार्टी की सभाओं में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगते हैं उनके साथ हरियाणा वाले रह सकते हैं क्या। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कश्मीर में जाकर धारा 370 वापस लाने और आतंकवादियों को छोड़ने की बात कहते हैं। उन्होंने कहा कि धारा 370 कभी वापस नहीं आ सकती। उन्होंने नेहरु तक पर निशाना साधा। हुड्डा पर भी अमित शाह ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के समय इन्होंने दिल्ली के दामाद को खुश करने के लिए हरियाणा के किसानों की भूमि कौड़ियों के भाव दे दी और बड़े-बड़े भ्रष्टाचार किए। उस वक्त हुड्डा साहब की सरकार में डीलरों और दामाद का दबदबा था और भ्रष्टाचारियों का दबदबा था। इस डीलर और दामाद वाली सरकार को समाप्त करने का काम अब भाजपा की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि हुड्डा साहब ने 2 लाख नौकरिया देने की बात कही।

हम भी देंगे, लेकिन कांग्रेस से पूछते हैं कि क्या खर्ची देने वालों को दोगे। अमित शाह ने राहुल गांधी से सिखों से माफी मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमने धुंआ मुक्त हरियाणा हमने बनाया, पढ़ी लिखी पंचायतें देने का काम किया है, देश का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बनाया, हर दसवां जवान हरियाणा से है। उन्होंने एमएसपी को लेकर कहा कि सबसे ज्यादा फसलें एमएसपी पर हरियाणा में खरीदे जाते हैं। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना, लाल डोरा समाप्त, पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, हर घर पेय जल पहुंचाने वाला हरियाणा है। उन्होंने फतेहाबाद में किए गए सरकार के काम गिनवाए।

फतेहाबाद के लिए नया मेडिकल कॉलेज खोलने, अस्पताल अपग्रेड करने की, अमरुद को जीआई टैग देने सहित कई वादे उन्होंने फतेहाबाद के लिए किए। साथ ही उन्होंने कहा कि हर महिने 2100 रुपये महिलाओं को मिलेंगे। साथ ही सिलिंडर भी 500 रुपये में देने की बात कही। इलाज के लिए 10 लाख तक का बिमा देने की बात कही। साथ ही कहा कि 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाएगा। दो लाख सरकारी नौकरी देने का दावा भी शाह ने किया। इसके अलावा भी भाजपा के संकल्प पत्र की घोषणाएं उन्होंने गिनवाई।

अग्नीवीर को लेकर कही ये बात...अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी अग्नीवीर पर गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक भी अग्नीवीर बाकी नहीं रहेगा। हर अग्नीवीर को पेंशन वाली नौकरी हरियाणा और केंद्र सरकार देगी।

अमित शाह हेलिकॉप्टर से दोपहर 12 बजे के बाद टोहाना पहुंचे हैं। रैली के लिए सवा एकड़ का पंडाल सजा कर तैयार किया। रैली में अमित शाह टोहाना से देवेन्द्र बबली, फतेहाबाद से दुड़ाराम और रतिया से प्रत्याशी सुनीता दुग्गल के लिए मतदान का आह्वान किया। अमित शाह ने यमुनानगर में राम मंदिर और तील तलाक का मुद्दा उठाया। वहीं राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अमेरिका में जाकर आरक्षण खत्म करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी जी है, भाजपा का बच्चा बच्चा है आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देंगे।

कांग्रेस में सीएम पद को लेकर दावेदारी पर कही ये बात...अमित शाह ने कहा कि पत्रकार का फोन आया कि अमित भाई क्या लगता है। मैंने कहा कि जीत तो जाएंगे, लेकिन थोड़ा ज्यादा घुमना पड़ेगा। तो उन्होंने कहा कि चिंता मत करो आप जीत रहे हो। उन्होंने कहा कि जहां एक अनार हो सो बीमार हो, वहां चुनाव नहीं जीते जाते। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री पद है सुरजेवाला ने नए कपड़े सिलवा लिए हैं, सैलजा जी रूठ कर उत्तराखंड गई है, इसके अलावा बड़े हुड्डा और छोटे हुड्डा में भी लड़ाई चल रही है। हमारे यहां तो समय हुआ तो मनोहर जी ने कहा कि मेरा टाइम हुआ मैं निकलता हूं और युवा मुख्यमंत्री को हमने बैठा दिया, उनको ये जिम्मेदारी। उन्होंने टिकट वितरण पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा कि सरकार जिस जिले का मुख्यमंत्री हो वहां के लिए चलती थी, हमने पूरे हरियाणा की सरकार दी। पहले जिस जाति का मुख्यमंत्री हो उसके लिए चलती थी। हमने 36 बिरादरी का विकास करने वाली सरकार देने का काम किया। उन्होंने यमुनानगर में किए गए काम भी गिनवाए।

1350 पुलिसकर्मी रहेंगे सुरक्षा में तैनात...केंद्रीय गृह मंत्री के आगमन के चलते सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किए गए। जिला पुलिस की ओर से 1350 पुलिसकर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। डीएसपी स्तर के अधिकारी विशेष निगरानी रखेंगे। टोहाना के अलावा जाखल, भूना, फतेहाबाद तक से पुलिसकर्मी रैलीस्थल पर भेजे गए। खुफिया तंत्र भी पूरी चौकस रहा।

गृह मंत्री टोहाना रैली के जरिए फतेहाबाद जिले की तीनों विधानसभा सीटों टोहाना, फतेहाबाद और जाखल के अलावा जींद जिले की नरवाना, हिसार जिले की उकलाना व बरवाला सीटों को भी साधने का प्रयास कर गए। वहीं जगाधरी से उन्होंने आसपास की सीटों पर भी जनता को साधा।

सीएम भगवंत मान ने ओंकार सिंह को ओएसडी पद से हटाया, दो साल पहले सौंपी थी जिम्मेदारी

चंडीगढ़ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को अपने विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) ओंकार सिंह को पद से हटा दिया। ओंकार सिंह दो साल से सीएम मान के ओएसडी थे। हालांकि ओंकार सिंह को ओएसडी के पद से हटाए जाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। ओंकार सिंह को 31 अगस्त 2022 को ओएसडी पद पर नियुक्ति दी गई थी।

ओएसडी को पद से हटाए जाने का बड़ा घटनाक्रम तब सामने आया है, जब एक दिन पहले सीएम मान ने अपने चार मंत्रियों को हटाकर

मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण फेरबदल किया। चेतन सिंह जौरामाजरा (जनसंपर्क, खनन और बागवानी), ब्रम शंकर जिम्पा (राजस्व), बलकार सिंह (स्थानीय निकाय) और अनमोल गगन मान (पर्यटन) को उनके इस्तीफे के बाद मान कैबिनेट से हटा दिया गया था।

संगरूर के हैं रहने वाले...ओंकार सिंह मूलरूप से संगरूर के रहने वाले हैं। वहीं, उन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान का खास माना जाता है। वहीं, पहले भी कई पदों पर काम पर चुके हैं। हालांकि मुख्यमंत्री ने ओंकार सिंह को पद से क्यों हटाया है इसके पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि सूत्रों के हवाले से यह कहा जा रहा है कि सरकार की नीतियों को धरातल पर न उतार पाने की वजह से चार मंत्रियों के साथ ओएसडी पर भी गाज गिरी है।

डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी का दावा-चीन ने लद्दाख में जमीन हड़पी, पीएम मोदी ने देश से छिपाया

पठानकोट। पूर्व सांसद और बीजेपी नेता डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी का कहना है कि चीन ने लद्दाख की 4,065 वर्ग किमी जमीन हड़प ली है। पीएम नरेंद्र मोदी देश की जनता को गुमराह करते हुए इस बात को छिपा रहे हैं।

स्वामी पंजाब के पठानकोट में हुए एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। स्वामी ने कहा कि अब वो अपने सांविधानिक अधिकार का सहारा लेंगे, क्योंकि चीनी सैनिकों ने लद्दाख में हजारों किलोमीटर जमीन हड़प ली है और इस तनाव के मुद्दे पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला लिया है। स्वामी ने कहा कि 16 अप्रैल 2020 में चीनियों ने लद्दाख में हजारों वर्ग किलो मीटर जमीन हड़प ली। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बयान में कहा था कि चीनी सैनिक भारत की सीमा में नहीं आए, लेकिन जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और ही है। क्या मोदी

यही रट लगाएंगे कि कोई आया नहीं...। स्वामी ने कहा कि जब पीएम मोदी से इस संबंध में दस्तावेज भी मांगे, तो उन्होंने जवाब दिया तुम हमसे दस्तावेज नहीं ले सकते। आरटीआई के जरिए भी जवाब मांगा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, ताकि यह सच्चाई सामने लाई जा सके कि पीएम मोदी ने कैसे चीन के सामने सरेंडर कर दिया।

पाकिस्तान के चार टुकड़े होने चाहिए...स्वामी ने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि पाकिस्तान के चार टुकड़े होने चाहिए। कश्मीर में जो हिस्सा पाकिस्तान अपने कब्जे में लेकर बैठा है, उसको हम आजाद करवाएंगे, ताकि पूरे कश्मीर को भारत में मिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई चीन से है और इसमें यूनाइटेड स्टेट की भी मदद लेंगे।

राहुल गांधी पर भड़के...स्वामी ने कहा कि राहुल गांधी के पास ब्रिटिश पासपोर्ट है। वे भारत के नागरिक नहीं है। वे विदेश में जाकर भारत के खिलाफ टिप्पणियां करते हैं। वहीं, तिरुपति बालाजी के प्रसाद में चर्बी मिलने के मामले पर स्वामी ने कहा कि वहां के सीएम राजनीति के तहत गलत रिपोर्ट बता रहे हैं, क्योंकि दस साल से मंदिर में लैब है, वहां से टेस्टिंग नहीं करवा कर अन्य लैब से टेस्ट करवाकर रिपोर्ट बताई गई है। हालांकि, मंदिर में जो रुटीन टैंकर जाते हैं, उनको टेस्ट के बाद ही अंदर जाने दिया जाता है।

बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को फांसी की मांग, महिलाओं ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर। यमुनानगर में सात साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले के बाद लोगों का आक्रोश कम नहीं हो रहा है। महिलाओं ने पहले थाना बुडिया पर प्रदर्शन किया। इसके बाद सड़क जाम कर धरने पर बैठ गईं। महिलाओं ने हत्या के आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की है। इसके साथ ही बुडिया क्षेत्र में फैल रहे स्मैक के जाल को लेकर पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप लगाए हैं।

उधर, महिलाओं के हंगामे की सूचना पर भारी पुलिसबल मौके पर तैनात किया गया है। मामला थाना बुडिया क्षेत्र का है। पांच दिन पहले बुडिया क्षेत्र में सात साल की मासूम बच्ची का दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

पुलिस ने पड़ोस में ही रहने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन, घटना के बाद से ही क्षेत्र के लोग आक्रोशित हैं। क्षेत्रवासियों ने

स्वयं सहायता संगठन की महिलाओं ने थाना बुडिया पर पहुंचकर हंगामा किया। महिलाओं का कहना है कि आरोपी युवक को फांसी की सजा दिलााई जाए। इसके साथ ही महिलाओं ने क्षेत्र में बढ़ रहे नशे के कारोबार को लेकर पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में नशे का कारोबार फैल रहा है। लेकिन, पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उधर, हंगामे की सूचना के बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। डीएसपी जगाधरी राजीव मिगलानी ने मौके पर पहुंचकर महिलाओं को शांत करने का प्रयास किया।

एक युवक को पकड़कर पुलिस को सौंप...महिलाओं ने मौके से ही एक युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। महिलाओं का कहना है कि युवक स्मैक के नशे में है। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया।

अग्निवीर योजना में संशोधन की जरूरत: पठानकोट में बोले पूर्व मंत्री जनरल वीके सिंह

पठानकोट अग्निवीर योजना में कुछ संशोधन की आवश्यकता है और इस पर काम भी चल रहा है। पहला बैच निकल चुका है और दूसरा बैच अभी आया है। जो युवा इसमें आए हैं, उनकी ट्रेनिंग अच्छी रही और जिस भी यूनिट में यह बच्चे गए हैं उसमें वे खुश हैं। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने पठानकोट में एक कार्यक्रम के बाद एक प्रेसवार्ता में कही।

राहुल गांधी के अग्निवीर योजना पर दिए बयान पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सेना के नियमों के बारे में जानकारी नहीं है। उन्हें इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अग्निवीर के तहत किसी का भविष्य बर्बाद नहीं हुआ है।

लोगों को नहीं पता शहीद का दर्जा किसे मिलता है...एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सेना की ड्यूटी दौरान या फिर अन्य समय गंवाने वाले जवान को शहीद

का दर्जा देना सेना के नियमों में नहीं है, क्योंकि शुरू से ही ऐसा कोई नियम नहीं बना कि किसी भी हालात में जान गंवाने वाले जवान को शहीद का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं होता कि शहीद का दर्जा किसे दिया जाता है।

सेना के कानून को नहीं बदला जा सकता...उन्होंने कहा कि सेना में एक ही कानून है और उस कानून को बदला नहीं जा सकता। जो भी जवान जंग में लड़ते हुए वीर गति को प्राप्त होता है, उसका सेना के नियमों के अनुसार सम्मान होता है और जो ड्यूटी में सुसाइड कर लेता है, उसका सम्मान नहीं है। इसलिए हम सेना के अंदर शहीद शब्द का इस्तेमाल नहीं करते। उसकी जगह यह लिखा जाता है कि युद्ध लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुआ। शहीद शब्द उन लोगों के लिए था, जो किसी धर्म, किसी मत और या किसी अन्य चीज के लिए अपनी जान दे दे।

आतंकवाद एक दिन में खत्म नहीं होगा, समय लगेगा...जेएंडके में हो रहे आतंकी हमलों के बारे में वीके सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक दिन में खत्म नहीं होगा, क्योंकि इसको समय लगेगा। आतंकवाद को खत्म करने के लिए सेना, पुलिस ही नहीं बल्कि हर नागरिक को सहयोग देना होगा। पठानकोट के बॉर्डर क्षेत्र में वहां तारबंदी नहीं है, जहां नदियां हैं, बाकी सभी जगह फेंसिंग है। जहां फेंसिंग नहीं है, वहां चौकसी ज्यादा बढ़ा दी गई है। चीन की ओर से जमीन पर कब्जाने पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों की सरकारों ने रिपोर्ट दे दी थी कि किसी तरह का कब्जा नहीं हुआ है।

कांग्रेस को झटका: हुड्डा के नजदीकी पूर्व विधायक जयतीर्थ दहिया ने दिया इस्तीफा

सोनीपत हरियाणा के सोनीपत के राई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। यहां से लगातार दो बार विधायक रहे और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेहद नजदीकी माने जाने वाले कांग्रेस नेता जयतीर्थ दहिया ने कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी प्रदेशाध्यक्ष को भेजा है। जयतीर्थ दहिया ने भूपेंद्र हुड्डा पर विश्वासघात के आरोप तो लगाए ही हैं, साथ ही टिकट बंटवारे में भी सौदेबाजी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने राई के अलावा भी कई विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाए गए कांग्रेस नेताओं पर सवाल उठाए हैं। जयतीर्थ दहिया वर्ष 2009 से 2014 व 2014 से 2019 तक राई से विधायक रहे हैं।

जयतीर्थ दहिया प्रदेशभर में दो वजहों से ज्यादा चर्चित रहे हैं। पहली तो यह कि वह वर्ष 2014 का विधानसभा चुनाव केवल 3 वोटों से जीते थे और दूसरी यह कि विधायक रहते हुए उन्होंने भूपेंद्र

हुड्डा के पक्ष में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के सामने इस्तीफे की पेशकश की थी।

अब टिकट बंटवारे के बाद से ही जयतीर्थ दहिया भूपेंद्र हुड्डा से खफा चल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनके सामने हुड्डा ने उन्हें ही टिकट दिए जाने का भरोसा दिया था, लेकिन बाद में टिकटों में सौदेबाजी कर घोर विश्वासघात किया गया। जयतीर्थ दहिया ने कहा कि उन्होंने अपने समर्थकों को संदेश दिया है कि वह कांग्रेस को वोट न दें। इसके अलावा उन्होंने सोनीपत से कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर भी कई सवाल उठाए।

ऑपरेशन आक्रमण: पुलिस टीमों ने दबोचे 9 आरोपी साइबर अपराध और ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझी

चरखी दादरी। हरियाणा के चरखी दादरी जिला पुलिस ने सोमवार को ऑपरेशन आक्रमण चलाया। इसके तहत 19 पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस की इन टीमों ने 9 आरोपियों को दबोचा जिसमें ब्लाइंड मर्डर समेत साइबर अपराध का आरोपी भी शामिल है। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधी खेमा समेत गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा रहा।

पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर के आदेशानुसार और एसपी पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। इसके थाना और चौकी स्तर के अलावा स्पेशल स्टाफ और अपराध शाखा से 19 टीमें गठित की गईं। इन टीमों में 112 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल किया गया। सभी टीमों ने सुबह एकसाथ दबिश दी और दोपहर तक कार्रवाई चली। इस दौरान पुलिस टीमों के हाथ सफलता भी लगी। वहीं, एसपी पूजा वशिष्ठ का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ऑपरेशन आक्रमण के तहत पुलिस ने आबकारी अधिनिय के तहत चार मामले दर्ज किए और इनमें तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। चारों मामलों में पुलिस ने देसी शराब की 98 बोतलें बरामद कीं और आरोपी के खिलाफ संबंधित थाने में केस दर्ज किया गया।

वहीं, लंबे समय से फरार चल रहा एक पीओ भी पुलिस टीम के हाथ लग गया और उसके खिलाफ एक और केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने अन्य अपराधिक मामलों में 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर एक चोरी हुआ ट्रैक्टर बरामद किया। ऑपरेशन आक्रमण के तहत जिला चरखी दादरी पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 170 चालान किए जिनमें 130 वाहनों के चालान गलत लेन के और 40 अन्य रहे। हथियार के साथ पकड़ा युवक, पूछताछ में कबूली हत्या की वारदात

ऑपरेशन आक्रमण के तहत पुलिस टीम ने अचीना निवासी अंकित को देसी पिस्तौल के साथ काबू किया। उसकी गिरफ्तारी अचीना नहर पुल के पास से हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गांव निवासी बुधराम की गोली मारकर हत्या करने की वारदात कबूल कर ली और पुलिस की ब्लाइंड मर्डर गुत्थी सुलझ गई। बुधवार की हत्या आरोपी अंकित ने 19 अगस्त को खेत में बने कमरे में की थी। शव को चारपाई पर पड़ा छोड़कर आरोपी फरार हो गया था। उसे अपराध शाखा टीम ने काबू किया।

99,000 की साइबर ठगी करने के दो आरोपी गिरफ्तार...ऑपरेशन आक्रमण के तहत साइबर थाना पुलिस ने जीतपुरा निवासी युवक से 99,000 की ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान राजस्थान के डिग जिला के गांव खेरली नानू निवासी अनिल व साहरुन के रूप में हुई है। उन्होंने जीतपुरा निवासी राकेश के खाते में एक लाख रुपये भेजने के फर्जी मैसेज भेजकर अपने खाते में 99 हजार रुपये डलवाए थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है। जिला में अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। अपराधी अपराध छोड़ दें या फिर जिला। उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। भविष्य में भी पुलिस की इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। आमजन से अपील है कि गैरकानूनी गतिविधियां करने वाले अपराधियों की सूचना पुलिस को दें।

PNB एटीएम लूट मामले में लेडिज कनेक्शन, दो महिलाएं गिरफ्तार, इन्होंने दिया था लुटेरों का साथ

जगरांव। लुधियाना के जगरांव में एक हफ्ता पहले पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में 17 लाख रुपये की लूट मामले में पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दोनों महिलाएं हैं। हालांकि इन महिलाओं ने लूट की वारदात को अंजाम तो नहीं दिया, लेकिन वारदात कर भागे लुटेरों की मदद जरूर की थी। इसीलिए पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

जगरांव के गांव लम्मे में पीएनबी के एटीएम को लूटने वाले नकाबपोश लुटेरे वारदात के बाद दो महिलाओं के पास जा रुके थे। इतना ही नहीं लुटेरों के रहने से लेकर खाने-पीने तक का पूरा इंतजाम भी उन्होंने किया था। इस संबंधी सुराग मिलते ही पुलिस ने दोनों महिलाओं को भी मामले में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिलाओं की पहचान हरप्रीत कौर उर्फ हनी निवासी 4 डीडी पदमपुर गंगानगर, हाल वासी नजदीक मान पैलेस बड़ी हैबोवाल लुधियाना व वीरपाल कौर उर्फ ज्योति निवासी निराहा रोड मोगा हाल वासी कृष्णा

नगर नजदीक मानस अस्पताल लुधियाना के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक हरप्रीत कौर और वीरपाल कौर दोनों सहेलियां हैं। दोनों मिलकर एक स्पा सेंटर चलाती हैं। इसके अलावा हरप्रीत कौर वारदात में शामिल एक लुटेरे की रिश्ते में बहन लगती है, जबकि वीरपाल एक लुटेरे की रिश्तेदार बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार एटीएम लूटने के बाद लुटेरे रुपये लेकर सीधे इन महिलाओं के पास गए थे। दोनों महिलाओं ने लुटेरों की छिपने में मदद करने के साथ-साथ उन्हें रहने के लिए जगह व खाने-पीने का पूरा इंतजाम करके दिया था। इस संबंधी पता चलते ही पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

150 के करीब खंगाले कैमरे से मिले सुराग...एटीएम लुटने के दौरान नकाबपोश लुटेरों ने एटीएम के आसपास व एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे मार दी थी ताकि उनकी पहचान न हो सके। वारदात से पहले लुटेरों ने दो दिन एटीएम को लेकर रेकी की थी। इसके बाद पुलिस ने सोमवार से लेकर वारदात वाले दिन के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए। इस दौरान पुलिस को एक शकी बुलेट मोटरसाइकिल का नंबर मिल गया। उसे आधार बनाकर पुलिस बुलेट मोटरसाइकिल वाले की तलाश में जुट गई। सूत्रों के मुताबिक पुलिस एक के बाद एक 150 के करीब कैमरों को चेक करते हुए पुलिस को सुराग मिले कि लुटेरे वारदात के बाद इन महिलाओं के पास आकर रुके थे। इसके बाद दोनों महिलाओं को मामले में नामजद कर गिरफ्तार कर पुलिस इनसे पूछताछ करने में जुटी हुई है। इस मामले को लेकर जब थाना हठूर की पुलिस से पूछा गया तो पुलिस कहा कि जल्द ही मामले में खुलासा किया जाएगा।

ऐसे दिया था वारदात को अंजाम...एक सप्ताह पहले मंगलवार को देर रात को एटीएम लूटने की वारदात को अंजाम देने वाले लुटेरों ने मंगलवार की शाम को पहले पूरे गांव समेत एटीएम संबंधी रेकी की थी। इस संबंधी आरोपी गांव के लोगों से एटीएम को लेकर पूछताछ कर रहे थे। बुलेट सवार गांव के रास्ता देखते हुए निकल गए, लेकिन रात को फिर तैयारी के साथ आए नकाबपोश लुटेरों ने गैस कटर के साथ पहले शटर को काटा फिर एटीएम को काटकर 17 लाख 14 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए।

हुड्डा के गढ़ में कांग्रेस के सामने भाजपा की चुनौती, क्या है सीटों के समीकरण

रोहतक हरियाणा के रोहतक जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों का नामांकन वापसी के बाद राजनीतिक परिदृश्य काफी हद तक साफ गया है। चार हलकों में कुल 56 प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं। सोमवार को रोहतक शहर व महम के दो-दो निर्दलीय प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए। इसके बाद महम को छोड़कर तीन विधानसभा सीट पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने है।

लाडवा के बाद प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी हॉट सीट सढ़ी सांपला किलोई है। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस के उम्मीदवार

हैं। वे खुद और उनके बेटे सांसद दीपेंद्र हुड्डा स्टार प्रचारक भी हैं। महम विधानसभा सीट जाट बनाम जाट होगी। कुंडू और दांगी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। भाजपा की बागी जाट प्रत्याशी राधा अहलावत भाजपा का पारंपरिक वोट काटेंगी, जिसका नुकसान भाजपा प्रत्याशी दीपक हुड्डा को हो सकता है। रोहतक सीट पर सीधी लड़ाई भाजपा-कांग्रेस के बीच है। पंजाबी बहुल सीट से पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और निवर्तमान विधायक बीबी बतरा फिर मैदान में हैं। इस सीट पर पंजाबी वोट बंटेगा और यह तय माना जा रहा है कि अधिकतर जाट वोट हुड्डा के नाम पर कांग्रेस के खाते में ही आएगा। 1967 में अस्तित्व में आई सुरक्षित कलानौर विधानसभा सीट पर कुल 13 चुनाव हो चुके हैं। इनमें 7 बार महिला प्रत्याशी ने बाजी मारी है।

चार बार करतार देवी और तीन बार शकुंतला खटक जीती हैं। निवर्तमान विधायक शकुंतला खटक इस बार भी कांग्रेस के टिकट पर मैदान में हैं।

बड़े गांव बनेंगे हुड्डा की जीत का आधार...गढ़ी सांपला किलोई हलके का गांव सांघी हुड्डा का पैतृक निवास है। कहा जाता है कि जसिया, रिठाल, किलोई, मकड़ौली, चमारिया, गढ़ी सांपला, सांपला, ईस्माइला, भालौट ये सब ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हुड्डा प्रचार करने न भी जाएं तो भी वोट उन्हीं के खाते में आने की उम्मीद है। ये गांव हुड्डा के गढ़ कहे जाते हैं। ये सभी बड़े गांव हुड्डा की जीत का बड़ा कारण बनते हैं। 1967 में बना किलोई विधानसभा क्षेत्र 2009 में हुए परिसीमन के बाद गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा क्षेत्र में बदल गया।

तमिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ रहे हैं चीन समर्थक दिसानायके

श्रीलंका। पड़ोसी देश श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ गए हैं। इस चुनाव में मार्क्सवादी अनुरा कुमारा दिसानायके को जीत मिली है। अनुरा ने श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है। इस चुनाव में मार्क्सवादी नेता ने खुद को युवा मतदाताओं और पारंपरिक राजनेताओं की 'भ्रष्ट राजनीति' से थक चुके लोगों के सामने एक परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश किया। वह एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अब श्रीलंका में नेतृत्व के शिखर पर पहुंचे हैं।

2022 के गहरे आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में यह पहला चुनाव था। इस चुनाव में अनुरा कुमारा ने भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और गरीबों के कल्याण के लिए नीति पर अपना फोकस किया। अनुरा पर अब इन्हें धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति दिसानायके को जीत की बधाई दी है। मोदी ने कहा कि श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन सागर में एक विशेष स्थान रखता है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में क्या हुआ है?... रविवार को श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। चुनाव आयोग ने मार्क्सवादी सांसद अनुरा कुमारा दिसानायके को राष्ट्रपति चुनाव में विजेता घोषित किया। मतदाताओं ने पारंपरिक राजनेताओं को खारिज कर दिया, जिन पर देश को आर्थिक बबार्दी की ओर धकेलने का व्यापक आरोप लगाया गया है।

एकेडी के नाम से लोकप्रिय दिसानायके को 56 लाख या 42.3% वोट मिले, जो 2019 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें मिले 3% से काफी अधिक है। प्रेमदासा 32.8% वोट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इस चुनाव में शीर्ष दो उम्मीदवार विजेता घोषित होने के लिए जरूरी 50% वोट हासिल नहीं कर सके। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि राष्ट्रपति चुनाव का निर्णय दूसरी वरीयता के वोटों की मतगणना से हुआ।

श्रीलंकाई चुनावी प्रणाली के तहत, मतदाता अपने चुने हुए उम्मीदवारों के लिए तीन वरीयता वोट डालते हैं। यदि पहली गिनती में कोई भी उम्मीदवार 50% मत नहीं पाता है, तो दूसरी गिनती में डाले गए वरीयता वोटों का उपयोग करके शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच विजेता तय किया जाता है। चुनाव आयोग के अनुसार, 1.7 करोड़ पात्र मतदाताओं में से लगभग 75% ने अपने मताधिकार का

दिसानायके का सियासी सफर कैसा रहा है?... श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने वाले अनुरा कुमार दिसानायके का राजनीतिक सफर साधारण परिवार से होते हुए शिखर तक पहुंचा है। उन्हें चीन का बेहद करीबी माना जाता है। उन्होंने हमेशा मार्क्सवादी विचारधारा को आगे रखते हुए देश में बदलाव की बात कही है। राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार में भी दिसानायके ने ज्यादातर छात्रों और मजदूरों के मुद्दे का जिक्र किया। उन्होंने श्रीलंका के लोगों से

शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बदलाव के वादे किए, जिसका नतीजा उन्हें जीत के रूप में मिला। दिसानायके का जन्म 24 नवंबर 1968 में श्रीलंका के अनुराधापुरा जिले के थंबूथेगामा गांव में हुआ है। जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) अनुरा की राजनीतिक पार्टी है। छात्र जीवन से ही अनुरा इस पार्टी से जुड़ गए थे। 1987 में वह पार्टी की पूर्णकालिक सदस्यता ली थी। अनुरा के पिता मजदूर थे। दिसानायके 1995 में सोशलिस्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन का राष्ट्रीय आयोजक बन गए थे। इसके बाद उन्हें जीवीपी की केंद्रीय कार्य समिति में जगह भी मिल गई।

नए राष्ट्रपति के सामने क्या चुनौतियां होंगी?... श्रीलंका में राष्ट्रपति का चुनाव कई मायनों में अहम है। 2022 में विदेशी मुद्रा की भारी कमी के कारण अर्थव्यवस्था चरमराने के बाद यह देश का पहला चुनाव था। इस संकट के चलते देश ईंधन, दवा और रसोई गैस जैसी जरूरी वस्तुओं के आयात का भुगतान करने में असमर्थ हो गया था। विरोध प्रदर्शनों के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश तक छोड़ना पड़ा और बाद में इस्तीफा देना पड़ा।

देश अपने इतिहास के सबसे खराब आर्थिक संकट और उसके चलते उत्पन्न राजनीतिक उथल-पुथल से उबरने का प्रयास कर रहा। यह चुनाव निवर्तमान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के लिए जनमत संग्रह था, जिन्होंने दो साल पहले देश की अर्थव्यवस्था के खराब होने के बाद सत्ता संभाली थी। विक्रमसिंघे ने भारी कर्ज में डूबे देश को आर्थिक मंदी से उबारने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन इस सुधार के लिए अपनाए गए मितव्ययिता उपाय (कम खर्च करना) मतदाताओं को रास नहीं आए और वह तीसरे स्थान पर रहे। ये मितव्ययिता उपाय अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के 2.9 बिलियन डॉलर के बेलआउट से जुड़े थे। दिसानायके ने खुद को मितव्ययिता उपायों से जूझ रहे लोगों के लिए एक बदलाव के चेहरे के रूप में पेश किया। दिसानायके के श्रमिक समर्थक और पारंपरागत राजनीति विरोधी अभियान ने उन्हें युवाओं के बीच लोकप्रिय बना दिया और उन्होंने ने विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा और निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे पर जीत हासिल की। दिसानायके ने कहा है कि वह मितव्ययिता उपायों को और अधिक सहज बनाने के लिए आईएमएफ सौदे पर फिर से बातचीत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक जेहान परेरा ने न्यूज एजेंसी एपी से कहा कि दिसानायके की तात्कालिक चुनौती अर्थव्यवस्था को स्थिर करना होगी। इसकी वजह यह है कि दिसानायके की मार्क्सवादी पृष्ठभूमि के बारे में व्यापारिक और वित्तीय समूहों ने चिंता जताई है। वहीं कोलंबो विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञानी प्रदीप पीरिस ने कहा कि दिसानायके ने करों में कटौती करने का वादा देकर निवेशकों को चिंतित कर दिया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव पर भारत ने क्या कहा?... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुरा कुमारा दिसानायके को श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रीलंका भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन सागर में एक विशेष स्थान रखता है। मैं हमारे लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे बहुमुखी सहयोग को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

इसके जवाब में दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इसके साथ ही श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता से सहमत हैं।

दिसानायके का भारत के प्रति कैसा रुख रहा है?

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति चीन के पक्ष में अपने रुख के लिए जाने जाते हैं। उनके पिछले कुछ बयान और फैसले भारत के हितों के अनुकूल नहीं दिखे। इसमें सबसे अहम श्रीलंका के संविधान का 13वें संशोधन है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने इसके क्रियान्वयन का समर्थन नहीं किया है, जो देश के तमिल अल्पसंख्यकों को शक्तियां देता है।

दिसानायके की जेवीपी पार्टी भी भारत विरोधी और चीन समर्थक रुख के लिए जानी जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्टी के संस्थापक नेता दिवंगत रोहाना विजेवीरा ने 1980 के दशक में 'भारतीय विस्तारवाद' के बारे में बात की थी और यहां तक कि भारत को श्रीलंकाई हितों का 'दुश्मन' बता दिया था। जेवीपी नेता दिसानायके ने हाल ही में यह कहकर सुर्खियां बटोरीं कि वह अदाणी समूह की पवन ऊर्जा परियोजना को रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा था कि यह श्रीलंका की ऊर्जा संप्रभुता का उल्लंघन करती है।

क्या दिसानायके की नीतियों में बदलाव आएगा?

सोमवार राष्ट्रपति दिसानायके ने राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन दिया। इसमें दिसानायके ने जोर देकर कहा कि श्रीलंका अलग-थलग नहीं रह सकता और उसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। दिसानायके ने कहा कि वह कोई जादूगर नहीं हैं, उनका उद्देश्य आर्थिक संकट से जूझ रहे देश को ऊपर उठाने की सामूहिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनना है। दिसानायके इस साल फरवरी में भारत सरकार के निमंत्रण पर भारत आए थे। उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनडीए) अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। यात्रा के बाद कोलंबो में दिसानायके ने 2022 के आर्थिक संकट को दूर करने में भारत की भूमिका की सराहना की थी। इसके अलावा दिसानायके ने हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि श्रीलंका और भारत के बीच दीर्घकालिक द्विपक्षीय और राजनयिक संबंध हैं और उनकी पार्टी जेवीपी का इरादा इन संबंधों को मजबूत करना है। दिसानायके ने एक साक्षात्कार में कहा, 'हम भारत से आयातित दवाओं पर बहुत अधिक निर्भर हैं और 2022 के आर्थिक संकट के दौरान भारत द्वारा दी गई खाद्य सहायता के बिना जीवित रहना असंभव था।' श्रीलंका में नए राष्ट्रपति के चुनाव के भारत के लिए मायने समझने के लिए हमने जेएनयू में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर डॉ. संजय पांडे से बात की। प्रोफेसर पांडे कहते हैं, 'यह सच है कि दिसानायके की जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी का भारत विरोधी इतिहास रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में दिसानायके ने इस छवि को सुधारा है। हाल में उन्होंने भारत की यात्रा भी की है। इसके अलावा श्रीलंका के आर्थिक संकट में भारत की मदद को भी सराहा है। श्रीलंका अभी भी पूरी तरह से आर्थिक संकट से उबरा नहीं है जिसमें भारत की मदद अहम कड़ी होगी। इसलिए ऐसा नहीं लगता कि आने वाले समय में भारत और श्रीलंका के रिश्ते खराब होंगे। दिसानायके का भी रुख भारत के हितों के खिलाफ नहीं होगा।' डॉ. संजय पांडे आगे कहते हैं, 'दिसानायके की जेवीपी पार्टी तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों को स्वायत्ता देने के खिलाफ रही है। इसलिए इनके बारे में दिसानायके का रुख भारत की चिंता जरूर हो सकती है।'

इस्राइल में तनाव के कारण आज नहीं मनेगा हाइफा दिवस, इसका भारतीय जांबाजों से कनेक्शन

यरुशलम प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उत्तरी इस्राइल के तटीय शहर हाइफा पर ऑटोमन साम्राज्य यानी जर्मनी, ऑस्ट्रिया और हंगरी का संयुक्त कब्जा था। इसी शहर को संयुक्त सेना के कब्जे से छुड़ाने के लिए भारतीय सेना के जवानों ने अपना पराक्रम दिखाया था। 23 सितंबर, 1918 यानी 106 साल पहले का यह संघर्ष तब से लेकर आज तक दुनिया को यह बताता रहा है कि भारतीय सेना के पराक्रम के आगे किसी की कुछ भी नहीं चलती चाहे दुश्मन कितना ही ताकतवर और हथियारों से लैस क्यों ना हो। ऐसे में इस साल प्राण न्योछावर करने वाले बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया था, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। यह फैसला पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण लिया गया है।

इस्राइल और लेबनान समर्थक हिजबुल्ला एक दूसरे पर हमला करना जारी रखे हुए हैं। इससे तनाव बढ़ गया है। इस्राइल होम फ्रंट कमांड को नागरिकों को एहतियाती सलाह

देने को कहा गया है। संरक्षित आश्रयों के पास 10 लोगों को बाहरी सभा करने और 100 लोगों को इनडोर समारोह करने की अनुमति है। एक अधिकारी ने बताया, 'वर्तमान हालातों को देखते हुए भारतीय दूतावास द्वारा हाइफा में 23 सितंबर को आयोजित किए जाने वाले हाइफा दिवस समारोह को रद्द किया जा रहा है।'

हर साल 23 सितंबर को मनाया जाता हाइफा दिवस... गौरतलब है, इस्राइल के हाइफा शहर में हर साल 23 सितंबर को इन भारत के वीर सैनिकों की याद में हाइफा दिवस मनाया जाता है और तीन भारतीय कैवलरी रेजिमेंट मैसूर, हैदराबाद और जोधपुर लांसर, जो तब की 15 इंपीरियल सर्विस कैवलरी ब्रिगेड का हिस्सा था, उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। इस्राइल में इस दिवस की शुरूआत साल 2003 से शुरू हुई थी।

सौ से अधिक साल पुराने युद्ध की कहानी... अब आपको जिस युद्ध के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं उसको सुनकर आप भी भरोसा नहीं कर पाएंगे कि उत्तरी इस्राइल के एक शहर हाइफा के इस संघर्ष में भारत की सेना के पराक्रम की गाथा आखिर क्यों गाई जाती है। दरअसल प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान इस शहर पर ऑटोमन साम्राज्य यानी जर्मनी, ऑस्ट्रिया और हंगरी का संयुक्त कब्जा था। इसी शहर को संयुक्त सेना के कब्जे से छुड़ाने के लिए भारतीय सेना के जवानों ने अपना पराक्रम दिखाया था। ऐसे में भारतीय सैनिक जो ब्रिटिश हुकूमत की तरफ से इस शहर पर कब्जे के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनमें से 44 वीरों ने वीरगति को प्राप्त की, लेकिन इस शहर को जीतकर इसे संयुक्त सेना के कब्जे से आजाद जरूर करा दिया। यह लड़ाई पूरी दुनिया की अंतिम घुड़सवार सेना की सबसे बड़ी लड़ाई के तौर पर आज भी याद किया जाता है। इस युद्ध के बारे में इतिहास के पन्नों में जो दर्ज है वह जानकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है एक तरफ जहां संयुक्त सेना की तरफ से गोले और बारूद बरस रहे थे, वहीं दूसरी तरफ भारतीय कैवलरी फौज के पास तलवारें, डंडे और भाले थे, लेकिन इन वीर सैनिकों ने माउंट कैरमल की पथरीली पहाड़ों पर अपनी बहादुरी से इसका डटकर मुकाबला किया और संयुक्त सेना को खदेड़कर इस पर अपना अधिकार जमा लिया।

नेपाल/भारत: पुत्र के दीघार्यु के लिए जितिया पर्व प्रारंभ

संवाददाता।

जनकपुरधाम/पटना। पुत्र के दीघार्यु के लिए बिहार के मिथिलांचल एवं नेपाल में मनायें जाने वाला पर्व जितिया सोमवार से प्रारंभ हो गयी है।महिला में सरोवर तथा नदी में स्नान कर नेनुआ (घीरा)के पत्ते पर तेल ,खरी चढ़ाकर जितिया पर्व प्रारंभ की है। मंगलवार की तड़के चूड़ा,दही,अमोठ मिष्ठान अपने पितरों को अर्पित कर भोजन करेगी। दो दिनों तक पूर्णतः उपवास रहेगी।इन अवधि में एक बूंद पानी भी नहीं पी सकती हैं। इसलिए इसे कठोर व्रत की संज्ञा दी गयी है।इस बार जितिया का पारन बुधवार की सायं 5.30वजे है।आज जितिया पर्व करने वाली महिलाएं मरुआ की रोटी, नोनी की साग तथा मछली खाने की बाध्यता है, लेकिन शाकाहारी महिलाएं मरूआ की रोटी, नोनी की साग खाती है। जनकपुरधाम के गंगासागर, अंगराग सर , नोचा पोखर , दूधमती नदी सहित अन्य सरोवरों में स्नान करने के लिए महिलाओं की काफी भीड़ थी। भगवान भास्कर के रौद्र रूप से जितिया व्रती को इस वार काफी परेशानी होगी।

नेपाल: धनुषा जिला प्रहरी कार्यालय हिरासत से आठ कैदी फरार

प्रहरी की लापरवाही की पोल खुली

संवाददाता।

जनकपुरधाम। रविवार की रात के तीन बजे के आसपास धनुषा जिला प्रहरी कार्यालय परिसर में अवस्थित हिरासत कोठरी से आठ कैदी फरार हो गए।सुवह पांच बजे जव इसकी जानकारी मिली तो पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गयी।जिले के सभी पुलिस चौकी को फरार कैदी को पकड़ने के लिए सर्च आपरेशन जारी है। प्रहरी कार्यालय धनुषा के नये भवन में हिरासत कोठरी के भेन्टिलेशन के रोड की छड़ को काटकर दस फीट ऊंची दिवाल को फांद कर भागने में सफल रहा। फरार कैदी में अमित कुमार झा, रंजीत मण्डल,रोशन मण्डल, भास्कर यादव, विशाल मुखिया नशीली दवा के आरोप में हिरासत में बंदथे। इसी तरह सुमित में स्तर,मनीष मण्डल, विक्की कार्की अभद्र व्यवहार के कारण हिरासत में बंद थे। इस घटना की पुष्टि डी.एस.पी.रंजन वाले ने की है।धनुषा के एस.पी. भुवनेश्वर तिवारी पत्रकारों को कोई प्रतिक्रिया देने से बच रहे हैं।

सीएम शिंदे का बड़ा फैसला, ब्राह्मण-क्षत्रिय आर्थिक विकास निगमों के गठन की मंजूरी

मुंबई महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को राज्य सरकार ने कैबिनेट बैठक में 24 अहम फैसले लिए हैं। महायुति सरकार ने बाह्मण और राजपूत समुदाय के लिए आर्थिक विकास महामंडल गठित करने की मंजूरी दी है। इस निगम की स्थापना ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय के आर्थिक विकास के लिए की गई है। वहीं, तीन कुनबी उपजातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

शिंदे सरकार ने इन निगमों के गठन को दी मंजूरी... मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में ब्राह्मण

समुदाय के लिए भगवान परशुराम आर्थिक विकास निगम को कैबिनेट की मंजूरी दी है। वहीं, राजपूत समाज के लिए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आर्थिक विकास निगम को मंजूरी दी गई है। ब्राह्मण समुदाय इस निगम की स्थापना के लिए कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहा था। अंततः कैबिनेट की बैठक में इस पर फैसला लिया है।

सर्व समाज को खुश करने की कोशिश... राज्य में मराठा आरक्षण की मांग उठने के बाद हर समुदाय आक्रामक हैं। उसी पृष्ठभूमि में, ब्राह्मण समुदाय भी छात्रों को सरकारी लाभ प्रदान करने के लिए परशुराम आर्थिक विकास निगम की मांग कर रहा था। इसके लिए कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी किए गए। आखिरकार विधानसभा चुनाव से पहले परशुराम आर्थिक विकास निगम को मंजूरी दी गई है। इस तरह राज्य सरकार ने सर्व समाज को खुश करने की कोशिश की है।

21 राज्यों के किसानों की आवाज से गूंजा तालकटोरा स्टेडियम

नई दिल्ली। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) के आह्वान पर सोमवार को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में हजारों किसानों की आवाज गूंजी। इस दौरान किसानों की मांगों के प्रति केंद्र सरकार के ढुलमुल रवैये से नाराज अखिल भारतीय किसान महापंचायत ने पूरे देश में आंदोलन करने का एलान किया।

इस कड़ी में आगामी 17 नवंबर को लाला लाजपत राय की बरसी पर किसान पूरे देश में जिला मुख्यालयों का घेराव करेंगे। इसके बाद 26 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर विरोध दिवस आयोजित किया जाएगा। फरवरी

2025 में किसान सभी प्रदेशों की राजधानियों में राजभवनों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे।

एआईकेकेएमएस द्वारा बुलाई गई महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे 21 राज्यों के हजारों किसानों और खेत मजदूरों ने शिरकत की। महापंचायत में किसान संगठन के नेता जयकरण माण्डौठी द्वारा पेश मुख्य प्रस्ताव में एमएसपी का कानून बनाने और कृषि उपज की सरकारी खरीद सी2+50 प्रतिशत एमएसपी पर करने, बिजली बिल 2023 को निरस्त करने और स्मार्ट मीटर योजना को वापस लेने, कृषि उपयोगी चीजों को सस्ता करने, जीएम बीजों पर रोक लगाने, ग्रामीण गरीबों को पूरे साल रोजगार और पर्याप्त मजदूरी देने, किसानों को ऋण मुक्त करने, पेंशन देने और सिंघु व टिकरी बॉर्डरों पर किसान शहीद स्मारक बनाने आदि मांगों पर सशक्त आंदोलन तेज करने का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया गया। एक अन्य प्रस्ताव पारित कर असम की ब्रह्मपुत्र नदी घाटी में हर साल बाढ़ से होने वाली भीषण तबाही को रोकने की मांग की गई। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा देश में चार लेबर कोड पर रोक लगाने की मांग का समर्थन किया गया। एआईकेकेएमएस के महासचिव शंकर घोष ने अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र की फासीवादी भाजपा सरकार की एकाधिकार पूंजीपति परस्त व किसान -विरोधी नीतियों को किसानों की पीड़ा और कष्टों के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इनके खिलाफ तत्काल एक शक्तिशाली किसान आंदोलन खड़ा करने पर जोर दिया।

मुख्य वक्ता के रूप में किसान नेता एवं एआईकेकेएमएस के अध्यक्ष सत्यवान ने भाजपा सरकार की कृषि नीतियों का पदार्फाश किया। सत्यवान ने कहा कि आज के दौर में किसानों का जीवन बद से बदतर हुआ है। उन्होंने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले साझे किसान आंदोलनों की आवश्यकता पर जोर दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक बने आईएसआई के नए महानिदेशक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद असीम मलिक को पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) का नया महानिदेशक नियुक्त किया है। वह 30 सितंबर को कार्यभार ग्रहण करेंगे। असीम मलिक वर्तमान में रावलपिंडी में जनरल मुख्यालय में एडजुटेंट जनरल के रूप में कार्यरत हैं।

पाकिस्तानी सेना में आईएसआई प्रमुख का पद सबसे महत्वपूर्ण है। सेना ने पाकिस्तान में 77 साल में आधे से अधिक समय तक शासन किया है। सेना ने अब तक सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े कई मामलों में अपने अधिकारों और शक्ति का प्रयोग किया है। आईएसआई प्रमुख

की नियुक्ति प्रधानमंत्री सेना प्रमुख के परामर्श पर करते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल मलिक ने बलूचिस्तान में इन्फेंट्री डिवीजन और वजीरिस्तान में इन्फेंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली है। उन्हें अपने पाठ्यक्रम में स्वोर्ड ऑफ ऑनर भी प्राप्त हुआ है। मलिक राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (एनडीयू) में मुख्य प्रशिक्षक के साथ-साथ कमांड एंड स्टाफ कॉलेज क्वेटा में प्रशिक्षक के रूप में भी काम कर चुके हैं। वह फोर्ट लीवेनवर्थ और रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज से स्नातक हैं। वर्षों से सेना में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभा चुके हैं।

उनकी नियुक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों में अहम भूमिका निभा रही है। इससे पहले पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान ने 2021 में लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को डीजी आईएसआई नियुक्त किया था।

पूर्व आईएसआई प्रमुख किए जा चुके गिरफ्तार... पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद 2019 से 2021 तक इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक रहे थे। उन्हें आवासीय योजना घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की शह पर राजनीतिक मामलों में दखल देने के आरोप लगे थे। पाकिस्तानी सेना फैज हमीद के खिलाफ कोर्ट मार्शल की कार्रवाई कर रही है। सेना ने बताया था कि हमीद ने सेना अधिनियम के कुछ प्रावधानों का उल्लंघन किया है। इस पर विस्तृत जांच के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया। यह कार्रवाई पूरी तरह से ठोस सबूतों के आधार पर की जा रही है और न्याय की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन: लोकसभा अध्यक्ष ने बताया भारतीय संविधान कैसे है समावेशी शासन की भावना का उदाहरण

नई दिल्ली लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की। इसमें राज्यसभा के उपसभापति, हरिवंश और भारत के राज्य विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों ने सत्र में भाग लिया। इस पूर्ण अधिवेशन का विषय, सतत एवं समावेशी विकास में विधायी निकायों की भूमिका रखा गया था।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए ओम बिरला ने कहा कि विधानमंडलों की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने आग्रह किया कि तकनीक के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए विधायी संस्थाएं विभिन्न मंचों पर

चर्चा करें और जनकल्याणकारी योजनाओं को आकार दें। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब प्रौद्योगिकी और संचार माध्यम लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं, जनप्रतिनिधियों को लोगों की लोकतंत्र से बढ़ती आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के तौर-तरीके और साधन विधायी संस्थाओं के माध्यम से खोजने चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत का संविधान समावेशी शासन की भावना का सबसे सशक्त उदाहरण है, जो विकास के पथ पर सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और हमारा मार्गदर्शन करता है। भारत का भविष्य शासन व्यवस्था को जन-जन की आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने से ही उज्जवल होगा। तेजी से बदलती दुनिया में भारत समावेशी सहभागिता एवं उत्तरदायी शासनव्यवस्था के माध्यम से एक आदर्श लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभर सकता है। इस बात पर जोर देते हुए कि सतत विकास और समावेशी शासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में विधायी संस्थाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करके शासन को अधिक जिम्मेदार एवं कुशल बनाती हैं। समावेशी विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों एवं बाधाओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों एवं विधायी निकायों की जिम्मेदारी है। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत के समावेशी विकास के विजन में सुशासन, सामाजिक प्रगति, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं।'

संक्षिप्त खबरें

सितंबर में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का उत्पादन धीमा पड़ा, 2024 में अब तक का सबसे कमजोर आंकड़ा

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में संयुक्त उत्पादन में सितंबर में गिरावट आई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अगस्त में 60.7 से गिरकर 59.3 पर आ गया। सोमवार को जारी सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई। सर्वेक्षण में एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में भी गिरावट आई। यह अगस्त में 57.5 से घटकर 56.7 पर आ गया। इस सर्वेक्षण में कारखाने की व्यावसायिक स्थितियों का आकलन किया जाता है। इसके तहत नए ऑर्डर, आउटपुट, रोजगार, आपूर्तिकर्ता का वितरण समय और इन्वेंट्री स्तरों को ध्यान में रखा जाता है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि उत्पादन और नए ऑर्डर में वृद्धि जारी रही, लेकिन यह गति 2024 की शुरूआत के बाद से सबसे धीमी थी। सर्वेक्षण में कहा गया है, "एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित नवीनतम एचएसबीसी 'फ्लैश' पीएमआई सर्वेक्षण ने सितंबर में भारत और निजी क्षेत्र में जारी मजबूत वृद्धि का संकेत दिया है, हालांकि 2024 में अब तक उत्पादन और नए ऑर्डर दोनों सबसे धीमी दरों पर बढ़े हैं।" इसमें कहा गया है कि इनपुट लागत और आउटपुट कीमतों दोनों के लिए मुद्रास्फीति दर अपेक्षाकृत कम रही, सेवा प्रदाताओं ने ढाई साल से अधिक समय में सबसे धीमी गति से अपने शुल्क बढ़ाए।

लड्डू विवाद: 'उपभोक्ता मामलों का विभाग पहले FSSAI की रिपोर्ट का करेगा इंतजार', कहा- उसके बाद करेंगे कार्रवाई

नई दिल्ली तिरुपति मंदिर में बांटे गए लड्डुओं पर जारी विवाद के बीच उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को कहा कि उनका विभाग भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की रिपोर्ट मिलने के बाद ही बाजार में घी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए अतिरिक्त उपायों पर विचार करेगा।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की 100 दिन की उपलब्धियों पर आ?ेजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान खरे ने कहा, ह्यह्यहम एफएसएसएआई की रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खाद्य सुरक्षा एफएसएसएआई के अधिकार क्षेत्र में आती है।

खरे ने कहा, ह्यह्यहम सभी को एफएसएसएआई की कार्रवाई का इंतजार करना चाहिए। त्योहारी मौसम से पहले घी की गुणवत्ता की संभावित जांच के बारे में पूछे जाने पर खरे ने कहा, ह्यह्यएफएसएसएआई की रिपोर्ट के बाद अगर जरूरी हुआ तो हम और अधिक कार्रवाई करेंगे, बशर्ते राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर उपभोक्ता शिकायतें प्राप्त हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनसीएच पर प्राप्त खाद्य पदार्थ संबंधी शिकायतें आमतौर पर मामले में एफएसएसएआई की विशेषज्ञता को देखते हुए कार्रवाई के लिए उसके पास भेज दी जाती हैं। लड्डू विवाद का असर अन्य राज्यों में भी दिखने लगा है। कर्नाटक ने मंदिर के प्रसादम की जांच अनिवार्य कर दी है। उसने प्रसादम तैयार करने के लिए केवल नंदिनी घी के इस्तेमाल का निर्देश जारी किया है। वहीं, उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने जांच के लिए मथुरा के प्रमुख मंदिरों से 'प्रसादम' के 13 नमूने एकत्र किए हैं। यह मामला तब सामने आया, जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया कि वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य की पूर्ववर्ती सरकार के शासन में तिरुपति मंदिर में प्रसाद के लिए बनाए जाने वाले लड्डुओं में खराब गुणवत्ता वाले घी का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें जानवरों की चर्बी मिली हुई थी। नायडू ने बाद में मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल के गठन की घोषणा की।

32 करोड़ जुटाने उतरी कंपनी को 2,221 करोड़ के आवेदन, खुदरा निवेशकों ने 41 गुना से ज्यादा पैसा लगाया

नई दिल्ली। छोटी और मझोली यानी एसएमई कंपनियों के आईपीओ लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। 32.34 करोड़ रुपये जुटाने उतरी पैरामाउंट फोर्जिंग को 2,221 करोड़ रुपये के आवेदन मिले हैं। कंपनी ने 39.22 लाख शेयर जारी किए थे। अंतिम दिन शुक्रवार को उसे 26.96 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन मिला। यानी इश्यू करीब 69 गुना भर गया। पैरामाउंट फोर्जिंग के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों ने अपने हिस्से की तुलना में 220 गुना ज्यादा आवेदन किया। खुदरा निवेशकों ने 41 गुना से ज्यादा पैसा लगाया। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा।

कंपनी ने आईपीओ में शेयरों का भाव 57 से 59 रुपये तय किया था। 1994 में बनी यह कंपनी स्टील फोर्जिंग का विनिर्माण करती है। इससे पहले पिछले महीने दिल्ली की केवल 8 कर्मचारियों वाली कंपनी रिसोर्सफुल ऑटो ने अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। कंपनी को 12 करोड़ रुपये के एवज में 4,800 करोड़ रुपये के आवेदन मिले थे। यानी 400 गुना इश्यू भरा था। हालांकि, शेयरों की सूचीबद्धता वैसी नहीं हुई, जैसी उम्मीद की जा रही थी। इस हफ्ते 11 के आईपीओ, 14 की लिस्टिंग...इस हफ्ते 900 करोड़ जुटाने के लिए मुख्य प्लेटफॉर्म पर दो कंपनियों सहित कुल 11 कंपनियां उतरेंगी। इसी के साथ 14 कंपनियों की शेयर बाजार में लिस्टिंग होगी। इस महीने में अब तक मेन बोर्ड और एसएमई बोर्ड ने मिलकर 11,749 करोड़ रुपये जुटाए हैं। मेनबोर्ड ने 10,750 और एसएमई ने 999 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कुल 32 कंपनियों के आईपीओ आए हैं। इनमें 9 मुख्य प्लेटफॉर्म और बाकी एसएमई के हैं। बजाज हाउसिंग ने तोड़े सारे रिकॉर्ड...आईपीओ के आवेदन के लिहाज से बजाज हाउसिंग ने सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। 6,560 करोड़ जुटाने उतरी इस कंपनी को 3.24 लाख करोड़ रुपये के लिए आवेदन मिले थे। यह 67 गुना भरा था।

टेक दिग्गजों को प्रधानमंत्री मोदी ने दिया खास संदेश तकनीक को विकसित भारत का स्तम्भ बताया

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दूसरे दिन अमेरिक की दिग्गज टेक कंपनियों के सीईओ के साथ एक राउंडटेबल (गोलमेज) मीटिंग में हिस्सा लिया। इसी मीटिंग में पीएम मोदी ने भारत की विकास संभावनाओं पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही है।

राउंड टेबल बैठक में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल जब मैं वाशिंगटन आया था, तब मैं एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था, तब भी मुझे आपमे से कई साथियों से मिलने का मौका मिला था। आज एक साल बाद यहां दुनिया के बड़े-बड़े इन्नोवेटर के साथ बैठक कर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि, मैं जो ऊर्जा और उत्साह देख रहा हूं और भारत के प्रति जो भरोसा देख रहा हूं। ये वाकई बहुत सुखद है, क्योंकि जब आप जैसे विशेषज्ञ बदलती हुई दुनिया और भारत की संभावनाओं के विषय में कोई बात बताते हैं, तब भारत में भी नीति-निर्धारण के विषय में हमारा विश्वास बढ़ जाता है।

पीएम बोले- 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित है...उन्होंने आगे कहा कि, 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित है। जीवन का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा है, जिसे प्रौद्योगिकी संचालित न करती हो। लेकिन ऐसे समय में सिर्फ प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी लोकतंत्र का एक संतुलन बहुत जरूरी है। क्योंकि लोकतांत्रिक मूल्य और तकनीकी का मिलना मानव कल्याण की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र तेजी से आगे बढ़ेगा तो वैश्विक शांति और समृद्धि का भी एक आश्वासन उससे प्राप्त होता है। प्रौद्योगिकी विकसित भारत की यात्रा का एक अहम स्तंभ है। इसलिए आज हमने भारत में तकनीकी सहयोग और निवेश के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं खड़ी की है।

मोदी बोले- भारत ग्लोबल बायो-टेक पॉवर हाउस बना...पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत तेजी से ग्लोबल बायो-टेक पॉवर हाउस के रूप में उभर रहा है। भारत में बायो-फार्मा रिसर्च को प्रमोट करने के लिए एक उपजाऊ पारिस्थितिकी तंत्र भी है। आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की विकासयात्रा में आप सभी को मैं एक सहयात्री और सह-भागीदार के रूप में हमेशा देखता हूं।

मुझे विश्वास है कि भारत और अमेरिका की टेक कंपनियां मिलकर वैश्विक चुनौतियां के समाधान में अहम रोल निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत उन पहले देशों में से एक है जिसने अक रणनीतियों पर काम किया है। मेरे लि ए, अक का मतलब है अमेरिका-भारत। यही वह शक्ति है जिसे हम मजबूत करना चाहते हैं। भारत ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है, जिससे विभाजन कम हुआ है। भारत अक के नैतिक उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

'चिप के बिना तकनीक किसी मतलब की नहीं'...पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, जैसे रीढ़ की हड्डी के बिना शरीर किसी काम का नहीं है। वैसे ही चिप के बिना तकनीक किसी मतलब की नहीं होती। इसलिए हम इस क्षेत्र में भी काम कर रहे हैं।

मैं मानता हूं कि दुनिया में यह काम काफी पहले सक ही शुरू हो चुका है। हम इस मामले में थोड़ा देरी से शुरू कर रहे हैं। हालांकि, हमारी ताकत है कि हम जब भी शुरू करते हैं, पूरी रफ्तार से शुरू करते हैं। जैसे- 5जी तकनीक में हम काफी पीछे थे, लेकिन अब हम सबसे आगे हैं। इसलिए सेमीकंडक्टर को लेकर भारत गंभीर है। हम इसमें जल्द से जल्द टारगेट पूरा करेंगे। इसके लिए हमारा मंत्र रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म है।

प्याज की बढ़ती कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार ने उठाया कदम, बफर स्टॉक से बढ़ाई गई बिक्री

नई दिल्ली। सरकार ने हाल ही में निर्यात शुल्क हटाए जाने के बाद खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों को देखते हुए थोक बाजारों में ह्यबफर स्टॉकह्नसे बिक्री बढ़ा दी है। यह फैसला कीमतों पर अंकुश लगाने के मकसद से किया गया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों के थोक बाजारों में अपने बफर स्टॉक(भंडार) से प्याज निकालना शुरू कर दिया है। सरकार की योजना पूरे देश में सब्सिडी के साथ प्याज की खुदरा बिक्री करने की है। खरे ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, निर्यात शुल्क हटाने के बाद हमें कीमतों में उछाल का अनुमान था। हमारे 4.7 लाख टन के ह्यबफर स्टॉक और खरीफ की बुवाई के बढ़े हुए रकबे के साथ हमें उम्मीद है कि प्याज की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। सरकार समूचे भारत में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री बढ़ाने की योजना बना रही है। इनमें उन शहरों पर ध्यान

अधिक दिया जा रहा है जहां कीमतें राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 22 सितंबर को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 55 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो एक साल पहले की समान अवधि में 38 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

मुंबई तथा चेन्नई में कीमतें क्रमशः 58 रुपये और 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। सरकार दिल्ली और अन्य राज्यों की राजधानियों में मोबाइल वैन और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) तथा भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) की दुकानों के जरिये पांच सितंबर से 35 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज बेच रही है। खरे को आगामी खरीफ प्याज की फसल से काफी उम्मीदें हैं। इसके लिए उन्होंने पिछले साल की तुलना में काफी अधिक रकबे का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ह्यह्य आवक अगले महीने शुरू होगी और हमें उत्पादन संबंधी कोई चिंता नहीं दिखती। सचिव ने अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी बात की। खाद्य तेलों के संबंध में उन्होंने हाल ही में आयात शुल्क वृद्धि के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की बात को स्वीकार किया और बताया कि यह कदम घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।टमाटर के बारे में खरे ने कहा कि सरकार रुझानों पर नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप करेगी।

केरल में लेफ्ट और कांग्रेस का वित्तमंत्री पर हमला कहा- असंवेदनशील बयान के लिए मांगें माफी

नई दिल्ली। एक दिन पहले चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने ईवाई इंडिया में महिला कर्मी की मौत का हवाला देते हुए कहा था कि परिवारों को बच्चों को दैवीय शक्तियों के माध्यम से दबाव से निपटना सिखाना चाहिए। आप जो भी अध्ययन करते हैं और जो भी काम करते हैं, आपके पास उस दबाव को संभालने के लिए आंतरिक शक्ति होनी चाहिए और यह केवल दिव्यता के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। भगवान पर विश्वास करें, हमें भगवान की कृपा की आवश्यकता है। अच्छा अनुशासन सीखें। आपकी आत्म शक्ति केवल इसी से बढ़ेगी।

केरल के मंत्री ने निर्मला सीतारमण पर साधा निशाना...वहीं केंद्रीय वित्त मंत्री की इस टिप्पणी पर केरल में कांग्रेस पार्टी और सत्ताधारी दल माकपा ने पलटवार करते हुए निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा है। मामले में केरल राज्य के पर्यटन और पीडब्ल्यूडी मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने कहा कि निर्मला सीतारमण आईटी कर्मचारियों का शोषण करने वाले कॉर्पोरेट की संरक्षक बन गई हैं। उन्होंने कहा कि देश के आईटी क्षेत्र में कॉर्पोरेट शोषण के कारण मानसिक तनाव और संबंधित मौतें बढ़ रही हैं। रियास ने कहा, उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने बयान को बताया निंदनीय...वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि कॉरपोरेट जगत के लालच ने अन्ना सेबेस्टियन की जान ले ली। उन्होंने निर्मला सीतारमण के बयान को अत्यंत निंदनीय बताते हुए कहा, अन्ना जिस माहौल में काम करती थीं या प्रबंधन की आलोचना करने के बजाय वित्त मंत्री ने उनके माता-पिता का अपमान करना चुना। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आश्चर्य जताया कि अगर भगवान से प्रार्थना करना ही हर समस्या का समाधान है तो सरकार और कानून क्यों हैं।

जुलाई में हुई महिला सीए कर्मी की मौत...अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल, जिन्होंने 2023 में चार्टर्ड अकाउंटेंट की कठिन परीक्षा पास की और अर्न्स्ट एंड यंग, पुणे कार्यालय में चार महीने तक काम किया, जुलाई में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मां ने ईवाई इंडिया के चेयरमैन को लिखे एक पत्र के अनुसार, उनकी बेटी को एक नए कर्मचारी के रूप में बहुत ज्यादा काम का बोझ दिया गया था, जिसने उन्हें शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक रूप से प्रभावित किया।

शेयर बाजार से जल्दी कमाई का लालच F&O ट्रेडर्स पर भारी

नई दिल्ली। सोमवार को जारी सेबी के अध्ययन के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों (FY22 ÀfZ FY24) के दौरान 1.13 करोड़ खुदरा एफएंडओ ट्रेडर्स को संयुक्त रूप से 1.81 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। सेबी ने अपने अध्ययन में कहा, "व्यक्तिगत श्रेणी के ट्रेडर्स (खुदरा कारोबारियों) ने तीन वर्षों की अवधि में प्रति व्यक्ति औसतन 1.60 लाख रुपये का घाटा उठाया। नुकसान में रहने वालों की बात करें तो उन्हें औसतन लगभग 2 लाख रुपये प्रति व्यक्ति का घाटा हुआ। जबकि लाभ कमाने वालों के लिए प्रति व्यक्ति औसत लाभ 3 लाख रुपये प्रति व्यक्ति रहा। सेबी के नवीनतम अध्ययन में खुलासा किया गया है कि 1.1 करोड़ एफएंडओ (वायदा व विकल्प) कारोबारियों में लगभग 93% को औसतन 2 लाख रुपये का नुकसान (लेनदेन शुल्क के साथ) हुआ।

अध्ययन के अनुसार खास बात यह है कि नुकसान करने वालों में शीर्ष 3.5% कारोबारियों में लगभग सभी को चार लाख रुपये प्रति कारोबारी का नुकसान हुआ। लेनदेन का शुल्क जोड़ दिया जाए तो उन्हें प्रति व्यक्ति करीब 28 लाख रुपये का नुकसान हुआ। स्टडी के अनुसार एकल कारोबारियों में केवल एक प्रतिशत ही ऐसे रहे जो लेनदेन के शुल्क के बाद एक लाख रुपये से अधिक की आमदनी कर सके।

शेयर बाजार नियामक सेबी का यह अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने जनवरी 2023 में प्रकाशित अपनी स्टडी में कहा था कि वित्तीय वर्ष 2022 में व्यक्तिगत खुदरा करोबारियों में से 89% को नुकसान उठाना पड़ा था।

जुलाई 2024 में ईपीएफओ के सदस्यों में रिकॉर्ड इजाफा, 10.52 लाख लोग पहली बार जुड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई 2024 में मासिक आधार पर अब तक के सबसे अधिक लोगों के जुड़ने की सूचना दी है। ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2024 के दौरान इससे 19.94 लाख लोग जुड़े हैं। ईपीएफओ के अनुसार यह आंकड़ा भारत के रोजगार परिदृश्य में बदलाव को जाहिर करता है।

केंद्रीय एजेंसी के अनुसार यह आंकड़ा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और नौकरी बाजार को औपचारिक बनाने के लिए मोदी सरकार की ओर से चलाई जार रही परिवर्तनकारी योजनाओं के असर को दिखाता है। आंकड़ों के अनुसार जुलाई में ईपीएफओ से जुड़े लोगों में से 10.52 लाख कर्मचारी ऐसे हैं, जो पहली बार जुड़े हैं। यह आंकड़ा जून 2024 से 2.66 प्रतिशत और जुलाई 2023 से 2.43 प्रतिशत अधिक है।

रोजगार में यह उछाल एक विस्तारित नौकरी बाजार और विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं के लिए अवसर बढ़ने के संकेत देते हैं। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई), स्टार्टअप इंडिया मूवमेंट, इम्प्लॉईमेंट लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम और आधारभूत ढांचे पर खर्च बढ़ाने (कैपेक्स) जुड़ी योजनाओं पर खर्च से रोजगार बढ़ा है देश के विकास को गति मिली है।

वर्ष-वार आधार पर शुद्ध पेरोल में वृद्धि की बात करें तो 2022-23 में इसमें 138.52 लाख ईपीएफओ से जुडे.। वहीं, 2023-24 में यह संख्या 131.48 लाख हो गई। औपचारिक रोजगार सृजन में उछाल का सबसे अधिक फायदा युवाओं को मिला है। जुलाई 2024 में 8.77 लाख युवा ईपीएफओ से जुड़े। इनमें से 6.25 लाख पहली बार इससे जुड़े हैं। यह इस महीने ईपीएफओ से जुड़े कुल युवाओं का 59.41 प्रतिशत है। इस वृद्धि का श्रेय राष्ट्रीय करियर सेवा (ठउर) जैसी पहलों को दिया जा सकता है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक सक्रिय रिक्तियां हैं और 33.72 लाख कंपनियों ने इसमें पंजीकरण कराया है, यह विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत भर्ती का संकेत देता है।

जुलाई 2024 में ईपीएफओ से जुड़ी महिलाओं की संख्या ध्यान देने योग्य है। डेटा से पता चलता है कि जुलाई में 4.41 लाख महिलाएं औपचारिक क्षेत्र में शामिल हुईं, जिनमें से 3.05 लाख पहली बार शामिल हुईं। ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार शुद्ध महिला कार्यबल में 14.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नई महिला सदस्यों की संख्या में 10.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

महिला रोजगार में यह उल्लेखनीय वृद्धि शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों और कामकाजी महिला छात्रावासों जैसी सहायता सेवाओं तक पहुंच में सुधार पर सरकार के फोकस को दर्शाती है। उद्योग जगत के अनुसार, जुलाई 2024 में सबसे अधिक शुद्ध पेरोल वृद्धि करने वाले शीर्ष क्षेत्रों में विनिर्माण, विपणन सेवाएं, कंप्यूटर का उपयोग और भवन-निर्माण शामिल हैं। इन उद्योगों ने सामूहिक रूप से 2 लाख से अधिक नए सदस्यों को जोड़ा, जबकि विशेषज्ञ सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कंपनियों और बैंकों जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी रोजगार संख्या में वृद्धि में योगदान दिया।

बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग, सेंसेक्स रिकॉर्ड हाई के करीब, निफ्टी 25900 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन 30 शेयरों का बीएसई सेंसेक्स 384.30 अंक उछलकर 84,928.61 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान, निफ्टी में 148.10 अंकों की बढ़त के साथ 25,939.05 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर क्लोजिंग हुई। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे गिरकर 83.55 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हफ्ते के पहले कारोबारी दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 436.22 अंकों या 0.51% की बढ़त के साथ 84,980.53 के अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंचा।

निफ्टी भी सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान क्लोजिंग से पहले 165.05 या 0.63% की बढ़त के साथ नए इंट्राडे ऑल टाइम हाई 25,956 तक पहुंचा। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.2 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 475.9 लाख करोड़ रुपये हो गया।

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में मजबूती...सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों का सबसे अधिक योगदान रहा। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, टीसीएस और एशियन पेंट्स के शेयरों ने सूचकांक पर दबाव डाला।

व्यक्तिगत शेयरों की बात करें तो एसबीएफसी फाइनेंस के शेयर 20 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। यह उछाल रेटिंग एजेंसी इकरा की ओर से एसबीएफसी की बैंकिंग सुविधाओं की रेटिंग 'स्थिर' के रूप में अपग्रेड करने के बाद आई। स्पाइसजेट के शेयरों में भी 6% की मजबूती आई। कम लागत वाली एयरलाइन ने क्यूआईपी के जरिए वैश्विक निवेशकों गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टेनली से 3000 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटा लिए हैं।

मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकाकों में बढ़त, बीएसई आईटी नुकसान में रहा...बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.73 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सूचकांकों में तेल व गैस 2.23 प्रतिशत, रियल्टी 2.07 प्रतिशत, दूरसंचार 1.93 प्रतिशत, ऊर्जा 1.80 प्रतिशत, ऑटो 1.46 प्रतिशत और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.39 प्रतिशत मजबूत हुए। बीएसई आईटी एकमात्र नुकसान में रहा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, "वैश्विक बाजारों में व्याप्त आशावाद बाजार की सकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहा है। महत्वपूर्ण घरेलू ट्रिगर्स के अभाव में इसके आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।" बीएसई पर कुल 2,382 शेयरों में तेजी रही, 1,731 में गिरावट आई तथा 120 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

तीन दिन में निवेशकों की संपत्ति 8.30 लाख करोड़ रुपये बढ़ी...अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती के फैसले और भविष्य के लिए सकारात्मक रुझान के बीच शेयर बाजार में हरियाली का दौर जारी है। तीन दिन की रिकॉर्ड तेजी के दौरान निवेशकों की संपत्ति 8.30 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है।

सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 384.30 अंक या 0.45 प्रतिशत उछलकर 84,928.61 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 436.22 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 84,980.53 अंक के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। तीन दिनों में बेंचमार्क 1,980.38 अंक या 2.38 प्रतिशत उछल चुका है। तीन दिन में सेंसेक्स 1,980.38 या 2.38% मजबूत हुआ। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण तीन दिनों में 8,30,975.85 करोड़ रुपये बढ़कर 4,76,03,923.17 करोड़ रुपये (5.70 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया।

ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत बढ़कर 74.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा...एशियाई बाजारों में सियोल और शंघाई में तेजी रही जबकि हांगकांग में गिरावट रही। जापान में बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला कारोबार रहा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार भी मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत बढ़कर 74.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले, शुक्रवार को बीएसई का सूचकांक 1,359.51 अंक या 1.63 प्रतिशत उछलकर 84,544.31 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,509.66 अंक या 1.81 प्रतिशत बढ़कर 84,694.46 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

एनएसई निफ्टी भी 375.15 अंक यानी 1.48 फीसदी बढ़कर 25,790.95 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान यह 433.45 अंक यानी 1.70 फीसदी बढ़कर 25,849.25 के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 17 सितंबर से श्राद्धपक्ष प्रारंभ हो गए जिन्हें 16 श्राद्ध कहा जाता है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौनसा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ... घास तक तृप्त होते हैं।

बढ़ते

... अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को ... पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, ...जा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

प्रथम गौ बलि– घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि– पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि– कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि– पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि– चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ दोष

जान लें मुक्ति के उपाय

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। ऐसे में इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर 2024 से हो चुकी है, जिसका समापन बुधवार, 02 अक्टूबर को होगा। वहीं पितृ पक्ष की समाप्ति पर यानी 02 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

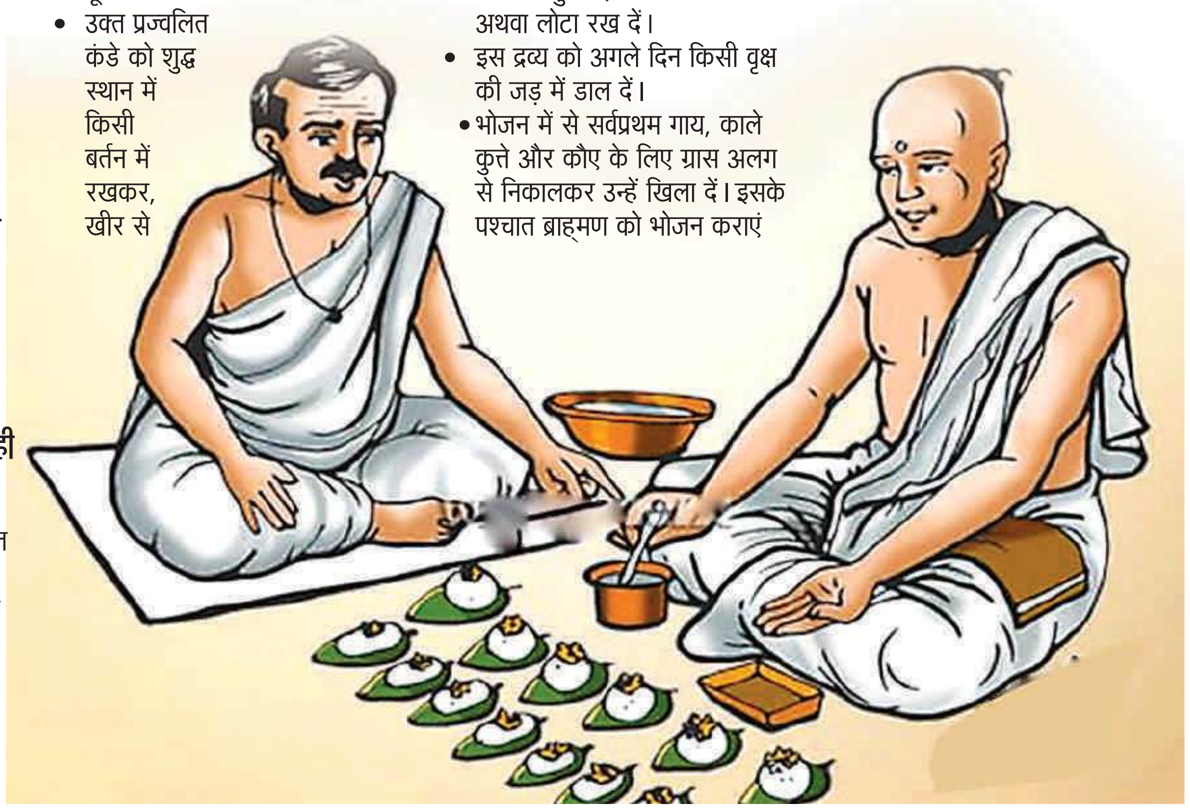

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम–

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

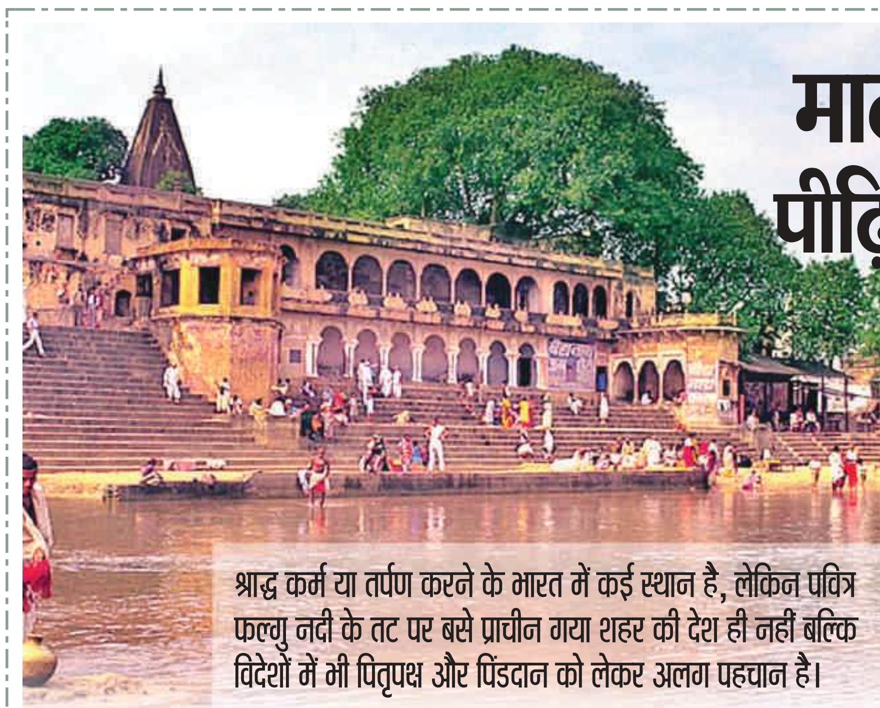

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक के बाद गुकेश और साथियों ने टीम भावना पर जोर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सपना सच हुआ, एक सुखद अहसास। शतरंज ओलंपियाड में पहला स्वर्ण पदक पांच सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम के सदस्यों के लिए अलग-अलग मायने रखता है। भारतीय टीम की अगुआई विश्व खिताब के सबसे कम उम्र के चैलेंजर डी गुकेश ने की।

नवंबर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ अपने बहुप्रतीक्षित विश्व चैंपियनशिप मुकाबले से पहले गुकेश ने हाल में संपन्न 45वें ओलंपियाड में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन में से एक किया।

रविवार को स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेदोसीव के खिलाफ अपनी अंतिम दौर की बाजी जीतने के बाद गुकेश ने कहा, मैं अभी बहुत खुश हूं।

भारत के लिए शीर्ष बोर्ड पर गुकेश का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 10 बाजियों में नौ अंक हासिल किए और इस दौरान आठ जीत और दो ड्रॉ खेले।

इस शानदार प्रदर्शन ने टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की क्योंकि भारत ने संभावित 22 में से 21 अंक हासिल किए। टीम ने 10 मुकाबले जीते और पिछले ओलंपियाड के विजेता उज्बेकिस्तान के खिलाफ सिर्फ एक मुकाबला ड्रॉ रहा।

गुकेश ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह टीम के लिए और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा अनुभव थाङ्ग यह सपने के (सच होने) जैसा था। भारत की महिला टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता।

पुरुष टीम की सफलता में अर्जुन एरिगेसी का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा जिन्होंने इस प्रतियोगिता में सभी 11 बाजियां खेलकर 10 अंक जुटाए। अब वह नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के हिकारू नाकामूरा के बाद लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

वर्तमान में 2797 की रेटिंग के साथ एरिगेसी जादुई 2800 अंक के आंकड़े से सिर्फ तीन अंक पीछे हैं। वह नाकामूरा से पांच अंक पीछे हैं। कार्लसन 2830 अंक के साथ शीर्ष पर हैं।

एरिगेसी ने हालांकि कहा कि रैंकिंग से बहुत फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा अहसास है, लेकिन लगभग 10-15 खिलाड़ी हैं जो समान रूप से मजबूत हैं इसलिए मैं तीसरे या चौथे नंबर पर होने के बारे में बहुत अधिक परवाह नहीं करना चाहता।

ओलंपियाड की शुरूआत में भारतीय टीम में सर्वोच्च रेटिंग वाला खिलाड़ी होने के बावजूद वह बोर्ड तीन पर क्यों खेले इस बारे में पूछने पर एरिगेसी ने कहा कि यह रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा, हमने सोचा कि गुकेश बोर्ड एक पर अच्छा प्रदर्शन करेगा और मैं बोर्ड तीन पर अच्छा प्रदर्शन करूंगा। क्योंकि यह अच्छा रहा इसलिए कोई पछतावा नहीं है।

गुकेश और एरिगेसी दोनों ने क्रमशः बोर्ड एक और तीन पर अपने शानदार प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण जीता। विदित गुजराती हालांकि व्यक्तिगत पदक से चूक गए और 10 बाजियों में 7.5 अंक के साथ बोर्ड चार पर चौथे स्थान पर रहे।

आर प्रज्ञानानंदा का प्रदर्शन भले ही उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा हो लेकिन उन्होंने नौवीं बाजी तक टीम को जरूरी स्थिरता प्रदान की। अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ अपनी एकमात्र हार के बाद अंतिम दौर में उन्होंने जीत हासिल की। टीम के कप्तान एन श्रीनाथ जाहिर तौर पर इस प्रदर्शन से खुश दिखे।

शतरंज ओलंपियाड में जीत हैरतअंगेज खेल का नतीजाः विश्वनाथन आनंद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शतरंज ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पुरुष और महिला टीमों को बधाई देते हुए इसे हैरतअंगेज खेल का नतीजा बताया। भारतीय पुरुष टीम ने बुडापेस्ट में खेली जा रही प्रतियोगिता में रविवार को स्लोवेनिया को हराकर ओपन वर्ग में पहली बार पहला स्थान हासिल किया जबकि महिला टीम ने अजरबेजान को मात देकर यह उपलब्धि हासिल की। आनंद ने एक्स पर पोस्ट किया, भारतीय पुरुष टीम को ओलंपियाड में एक दौर शेष रहते हुए जीत दर्ज करने पर बधाई। ऐतिहासिक प्रदर्शन। निश्चित तौर पर हैरतअंगेज खेल। उन्होंने कहा, डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी को व्यक्तिगत सफलता के लिए बधाई। आनंद ने महिला टीम को बधाई देते हुए दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल का विशेष रूप से जिक्र किया जिन्होंने अजरबेजान के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। आनंद ने कहा,भारतीय महिला टीम को बधाई। पूरी टीम और कप्तान अभिजीत कुंटे ने शानदार परिणाम हासिल किया। विशेष रूप से दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई। अमेरिका के ग्रैंडमास्टर हिकारु नाकामुरा ने भी भारतीय टीमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आनंद की विरासत सुरक्षित है। नाकामुरा ने पोस्ट किया,भारतीय टीमों ने जिस तरह से पूरी प्रतियोगिता में दबदबा बनाए रखा वह सराहनीय है। विश्वनाथन आनंद की विरासत सुरक्षित है।

उन्होंने कहा, मुझे उन्हें बहुत सलाह देने की जरूरत नहीं है क्योंकि ये लोग पेशेवर हैं, वे जानते हैं कि क्या करना है। कुछ तैयारी करनी थी, उन्हें एक साथ लाना था लेकिन ज्यादातर बस बैठकर उन्हें खेलते हुए देखना था।

सोमवार को टीम स्वदेश लौटेगी। असली जश्न के लिए कुछ दिन इंतजार करना पड़ सकता है लेकिन इससे यह साबित हो गया है कि भारत को अब दुनिया का शतरंज पावरहाउस कहा जा सकता है।

गुकेश ने कहा, कल हम टीम बैठक में हिस्सा ले रहे थे, हम पहले से ही जश्न के मूड में थे। मैं बहुत उत्साहित था, लेकिन उम्मीद कर रहा था कि कोई मुकाबला नहीं होता। हमने एकाग्र होने, यहां आने, अपना काम करने और फिर जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने कहा, मुझे लगा कि अगर हम मैच हार भी गए तो भी टाईब्रेक में जीतेंगे। बेशक हम मैच जीतना चाहते थे। हम जीत की उम्मीद कर रहे थे। हम सभी काफी निश्चिंत थे। लेकिन हां, खुशी है कि मैंने और अर्जुन ने काम पूरा किया।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया

पुडुचेरी, एजेंसी। साहिल पारेख (नाबाद 109) और अभिज्ञान कुंडू (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने सोमवार को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। आज यहां 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अंडर-19 टीम शुरूआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर में हैरी होकेस्ट्रा ने रुद्ध पटेल को (10) पर रोनाल्डो के हाथों कैच आउट करा दिया। इसके बाद साहिल पारेख और अभिज्ञान कुंडू ने भारतीय पारी को संभालते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर नौ विकेट से मुकाबला जीत लिया। साहिल ने 75 गेंदों में 14 चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 109) रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं अभिज्ञान कुंडू ने 50 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए (नाबाद 50) रन बनाये। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हैरी होकेस्ट्रा को एक विकेट मिला। इससे पहले गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 176 रन पर ढ़ेर कर दिया हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को क्लीन स्वीप करने से रोका

शारजाह, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सात विकेट से जीत दर्ज करके अफगानिस्तान को श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने से रोका दिया।

एडेन मार्कराम की नाबाद 69 रन की पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 17 ओवर शेष रहते तीन विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान की टीम इससे पहले 34 ओवर में सिर्फ 169 रन पर ढेर हो गई। अफगानिस्तान ने श्रृंखला 2-1 से जीती।

दक्षिण अफ्रीका की अनुभवहीन टीम शुरूआती दो मैच में 106 और 134 रन पर सिमट गई थी लेकिन शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में एक बार फिर धीमी पिच पर मार्कराम ने अच्छी पारी खेलते हुए अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

अफगानिस्तान के लिए पिछले मैच के शतकवीर रहमानुल्लाह गुरबाज ने 94 गेंद में 89 रन की पारी खेली। टीम का शीर्ष आठ में शामिल कोई अन्य बल्लेबाज हालांकि 10 रन से अधिक नहीं बना पाया। इनमें से तीन बल्लेबाज रन आउट हुए।

नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे एएम गजनफर ने 15 गेंद में नाबाद 31 रन की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी, नकाबयोम्जी पीटर और एंडिले फेहलुकवायो ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने सलामी बल्लेबाजों टोनी डिजॉर्जी (26) और कप्तान तेम्बा बावुमा (22) तथा रीजा हेंड्रिक्स (18) के विकेट 19वें ओवर में 80 रन तक गंवा दिए लेकिन मार्कराम और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 90 रन की अटूट साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को जीत दिला दी। मार्कराम ने 67 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और चार चौके मारे।

जयसूर्या के पांच विकेट से श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में हराया

गॉल, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या के दूसरी पारी में पांच विकेट और मैच में नौ विकेट की मदद से श्रीलंका ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया।

श्रीलंका के 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 68 रन की दरकार थी जबकि उसके सिर्फ दो विकेट शेष थे। मेहमान टीम ने हालांकि 3.4 ओवर में चार रन जोड़कर अपने बाकी बचे दो विकेट भी गंवा दिए और उसकी पारी 211 रन पर सिमट गई।

कल के नाबाद बल्लेबाज रचिन रविंद्र (92) अपने स्कोर में सिर्फ एक रन और जोड़कर जयसूर्या की गेंद पर पगबाधा हो गए। रविंद्र ने 168 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का मारा।

जयसूर्या ने अगले ओवर में विलियम ओरोर्के को खाता खोले बिना बोल्ड करके श्रीलंका को जीत दिलाई और टेस्ट क्रिकेट में आठवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

रविंद्र शतक से चूक गए लेकिन उनके 92 रन गॉल में न्यूजीलैंड की ओर से सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने रोस टेलर को पीछे छोड़ा जिन्होंने 86 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड ने गॉल में अपने पांचों टेस्ट गंवाए हैं और इस दौरान उसका कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया।

इस जीत से श्रीलंका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह भारत और ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। श्रृंखला की शुरूआत तीसरे स्थान पर करने वाला न्यूजीलैंड चौथे स्थान पर खिसक गया है।

इससे पहले श्रीलंका के पहली पारी में 305 रन के जवाब में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन का स्कोर खड़ा करके मेहमान टीम को 275 रन का लक्ष्य दिया। दो मैच की श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट बृहस्पतिवार से गॉल में ही खेला जाएगा।श्रीलंका की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 2009 से पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। तब से दोनों टीम के बीच छह श्रृंखलाएं हुई हैं जिसमें से न्यूजीलैंड ने चार जीती जबकि दो बराबरी पर छूटीं।

बुमराह सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं: स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले जसप्रीत बुमराह की सराहना की और उन्हें सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज बताया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखला जीती हैं। अगर भारत को लगातार तीसरी टेस्ट श्रृंखला जीतनी है तो ऑस्ट्रेलिया में बुमराह के असाधारण कौशल पर काफी कुछ निर्भर करेगा। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनके पास सभी तरह का शानदार कौशल है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। पैंतीस वर्षीय स्मिथ पिछली कुछ श्रृंखला से ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का आगाज कर रहे हैं और उनके भारत के खिलाफ भी ऐसा ही करने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ के इस बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के दौरान 10 हजार टेस्ट रन का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 37 मैचों में 20.51 की औसत से 164 विकेट लिए हैं।

बीस साल में पहली बार शतरंज ओलंपियाड जीतने की खुशी है : हरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी डी हरिका को प्रतिष्ठित शतरंज ओलंपियाड खिताब जीतने के अपने सपने को साकार करने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्हें बुडापेस्ट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बाद भी इस खिताब को जीतने की खुशी है।

भारत ने रविवार को शतरंज ओलंपियाड में इतिहास रच दिया जब उसकी पुरुष और महिला टीमों ने अंतिम दौर के मैचों में क्रमशः स्लोवेनिया और अजरबैजान को हराकर दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते।

अजरबैजान के खिलाफ महिला टीम के लिए 33 वर्षीय हरिका ने लय में वापसी करते हुए जीत दर्ज की, जबकि 18 वर्षीय दिव्या देशमुख ने तीसरे बोर्ड पर गोवर बेयदुल्यायेवा को पछाड़ कर अपना व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी पक्का किया।

हरिका ने कहा, मेरे लिए जाहिर तौर पर यह इन लोगों (टीम के साथी खिलाडियों) से ज्यादा भावुक क्षण है। मैं लगभग 20 साल से खेल रही हूं लेकिन पहली बार स्वर्ण पदक जीतने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के लिए काफी खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। युवा खिलाड़ियों ने टीम के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, शायद मेरा प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था लेकिन टीम के स्वर्ण पदक से मैं सब कुछ भूलने में सफल रही। मुझे खुशी है कि हम निराशा को पीछे छोड़कर मजबूत वापसी करने में सफल रहे।

भारतीय महिला टीम के इस अभियान में सबसे शानदार प्रदर्शन दिव्या ने किया। हाल ही में गांधीनगर में विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में लड़कियों के वर्ग में जीत दर्ज करने वाली इस खिलाड़ी ने टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच जीते।

दिव्या ने कहा, इसकी शुरूआत काफी अच्छी रही, लेकिन बीच में हमें कुछ सफलता मिली और जिस तरह से मैंने और मेरी टीम ने इसे संभाला उस पर मुझे गर्व है। हमने दृढ़ता के साथ मुकाबला किया और आखिरकार हम स्वर्ण पदक के साथ यहां हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी भावनाओं से भरी हुई हूं। मैं काफी खुश हूं। मैंने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है।

दिव्या से जब इस ओलंपियाड के सभी 11 मैचों को खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह करो या मरो जैसे हालात थे, आपको देश के लिए सब कुछ झोंकना होता है। दिव्या तीसरे बोर्ड पर 11 में से 9.5 अंक हासिल कर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने में भी सफल रही।

तानिया सचदेव को ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने पांचवें बोर्ड पर अपने प्रदर्शन से टीम को निराश नहीं किया। अपने पांच मुकाबलों से 3.5 अंक हासिल करने वाली तानिया ने कहा, यह वह क्षण है, मुझे लगता है कि हम इसके लिए ही बने थे। पिछली बार (2022 में टीम मामूली अंतर से चूक कर कांस्य पदक जीती थी) ऐसा नहीं हुआ। पिछली बार कांस्य पदक का जश्न मनाना कठिन था लेकिन मैं अभी बहुत खुश हूं।

दिव्या के साथ ही वंतिका अग्रवाल ने भी अपने खेल से सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने नौ मैचों से 7.5 अंक हासिल किये और चौथे बोर्ड की स्वर्ण पदक विजेता बनी। आर वैशाली अंतिम चार मैचों से टीम को एक ही अंक दिला सकी लेकिन इससे पहले छह मैचों में उन्होंने पांच अंक हासिल कर टीम को बेहतर शुरूआत दिलाई थी।

भारतीय महिला टीम के कप्तान अभिजीत कुंटे ने सभी खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने कहा, आखिरी दो राउंड बहुत महत्वपूर्ण थे, दिव्या और वंतिका ने बहुत अच्छा खेला। आखिर में वैशाली को कुछ झटके लगे लेकिन उस समय हरिका ने लय हासिल कर ली थी और तानिया ने हमें अच्छी शुरूआत दिलायी।

एक नजर

टीम यूरोप ने टीम विश्व को 13-11 से हराकर लीवर कप जीता

बर्लिन, एजेंसी। चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-2, 7-5 से हराया जिससे टीम यूरोप ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए टीम विश्व को लीवर कप टेनिस टूनार्मेंट में 13-11 से शिकस्त दी। अल्कारेज ने दूसरे सेट के 11वें गेम में अमेरिकी ओपन उप विजेता फ्रिट्ज की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बचाकर मैच जीतकर टीम यूरोप की जीत सुनिश्चित की। तीन दिन के मुकाबले के तीसरे और अंतिम दिन के खेल से पहले टीम विश्व 8-4 की बढ़त बनाकर लगातार तीसरा खिताब जीतने के करीब थी। रविवार को टीम यूरोप ने वापसी की जब अल्कारेज और कास्पर रूड ने बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो की अमेरिका की जोड़ी को युगल मुकाबले में 6-2, 7-6 से हराया। शेल्टन ने इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन के उप विजेता दानिल मेदवेदेव को 6-7, 7-5, 10-7 से हराकर टीम विश्व को फिर बढ़त दिलाई। टियाफो के पास टीम विश्व को जीत दिलाने का मौका था लेकिन वह फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ 6-7, 7-5, 10-5 से हार गए। अल्कारेज ने इसके बाद फ्रिट्ज को हराकर टीम यूरोप की जीत पक्की की।

पंत ने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, मैदान के बाहर की दोस्ती मैदान पर काम आई

चेन्नई, एजेंसी। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन गिल के साथ सफल साझेदारी के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि दोनों के बीच मैदान के बाहर की दोस्ती से मैदान पर काफी मदद मिली। पंत और गिल दोनों पहली पारी में नहीं चल पाए थे लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 167 रन की साझेदारी की जिसका आखिर में मैच के परिणाम पर असर पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें पंत ने कहा,जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए काफी मदद मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे तथा बेहद सहज थे। आखिर में हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है। दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले पंत ने कहा, मेरी खेल की समझ यह कहती है कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए। इसलिए मैं टीम की मदद करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा लुत्फ उठाया। इस 26 वर्षीय क्रिकेटर ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल हैं। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया। पंत ने अपनी वापसी के बारे में कहा, मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मेरे अंदर अपनी छाप छोड़ने की ललक थी और आखिर में मैं इसमें सफल रहा और मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। भारत ने पहला टेस्ट मैच 280 रन से जीता। दूसरा और अंतिम मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

ओडिशा की तैराक प्रत्याशा रे को इस साल एकलव्य पुरस्कार मिलेगा

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की उभरती हुए तैराक प्रत्याशा रे को 2024 के प्रतिष्ठित एकलव्य पुरस्कार के लिए चुना गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रत्याशा ने इस साल फरवरी में गुवाहाटी में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों में चार स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल छह पदक जीते थे। विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए जूरी सदस्यों वाली एकलव्य पुरस्कार समिति ने यहां एक बैठक में सर्वसम्मति से प्रत्याशा का चयन किया। प्रत्याशा को एक समारोह में प्रशस्ति पत्र के साथ सात लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। धावक डोंडापति मृत्युम जयराम और बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री को भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक को प्रशस्ति पत्र के साथ डेढ़ लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा।

सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैम्पियनशिप: मालदीव के खिलाफ भारत की नजरें ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने पर

थिम्पू, एजेंसी। सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी भारतीय टीम मंगलवार को यहां मालदीव के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने की होगी। कोच इश्फाक अहमद की देख रेख में भारतीय टीम ने पिछले शुक्रवार को अपने शुरूआती मैच में बांग्लादेश को 1-0 से हराया था। इस मैच का इकलौता गोल सुमित शर्मा ब्रह्मचरिम्यम ने 92 वें मिनट में किया था। बांग्लादेश और मालदीव के बीच रविवार को खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था जिससे भारतीय टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अहमद ने कहा कि टीम पहले मैच को खेलने वाले कुछ खिलाड़ियों को विश्राम देकर बाहर बैठे खिलाड़ियों को मौका देने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, हम पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि अन्य खिलाड़ियों को भी मैच के दौरान मैदान पर समय बिताने का मौका मिले। हमारे सभी खिलाड़ी महत्वपूर्ण हैं। कुछ खामियां भी हैं। हम यह मैच जीतना चाहते हैं और ग्रुप में शीर्ष पर रहना चाहते हैं। भारत की अंडर-16 टीम ने पिछले साल मालदीव को सैफ अंडर-16 चैम्पियनशिप में 8-0 से हराया था। उस मैच में गोल करने वाले पांच खिलाड़ी विशाल यादव, लेविस जांगमिनलुन, मानभाकुपर मलंगियांग, मोहम्मद कैफ और मोहम्मद अरबाश इस दौरे पर गई टीम का हिस्सा हैं।

भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की

दुबई, एजेंसी। भारत ने बांग्लादेश पर 280 रन की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जबकि श्रीलंका ने गॉल में न्यूजीलैंड को हराकर लाड्र्स में अगले साल होने वाले फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। श्रीलंका अपने मौजूदा प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचा है। चेन्नई में जीत और 12 डब्ल्यूटीसी अंक के साथ भारत ने 71.67 प्रतिशत अंक के साथ तालिका के शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया (62.50 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर) पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 2-0 से जीतकर चौथे स्थान पर पहुंचा बांग्लादेश (39.29 प्रतिशत अंक) इस हार के बाद छठे स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश ने चौथे दिन भारत के 515 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 158 रन से आगे खेलना शुरू किया।

करीना कपूर के हाथ लगी सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म

दीपिका-आलिया को पछाड़ करीना कपूरके हाथ लगी ये बिग बजट फिल्म 2025 में शुरू होगी शूटिंग

करीना कपूर बॉलीवुड की खूबसूरत हसीना हैं, जिन्होंने ढेर सारी हिट फिल्में दी हैं। करीना को बॉलीवुड में 25 साल पूरे हो गए हैं और इन दिनों वह अपनी फिल्म %द बकिंघम मर्डर्स% की रिलीज के बाद लोगों के मिल रहे अच्छे रिव्यू को एन्जॉय कर रही हैं। करीना कपूर ने इस फिल्म में एक डिटेक्टिव का रोल निभाया है। वहीं, अब करीना कपूर के हाथ एक नया प्रोजेक्ट लग गया है। करीना कपूर को भारत की सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म ऑफर हुई है, जिसे करीना कपूर ने बिना देर किए हां कर दी है। आइए आपको फिल्म से जुड़ी सामने आई सारी डीटेल बताते हैं।पिंकविला की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि करीना कपूरने भारत की सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म साइन की है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म भारत की सबसे बड़ी फीचर फिल्म होगी, जिसका थ्रिलर लोगों को काफी पसंद आएगा। इस फिल्म में करीना कपूर एक ऐसे किरदार में नजर आएंगी, जो उन्होंने अपने 25 साल के करियर में नहीं निभाया है। करीना इस फिल्म में अपने डायरेक्टर पर आंख बंद करके भरोसा करने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक फिल्म के नाम का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन करीना कपूर ने फिल्म के लिए तुरंत हां कर दी। दावा है कि करीना कपूर अपनी इस नई फिल्म को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। पैन इंडिया फिल्म होने के चलते इसमें कई बड़े स्टार्स नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, करीना के साथ इस फिल्म में कोई साउथ एक्टर हो सकता है, जिसके जरिए ही बॉलीवुड और साउथ के दर्शकों का एक साथ ध्यान खींचा जाएगा। फिल्म को लेकर अब तक ज्यादा अपडेट नहीं आया है, लेकिन दावा है कि इस फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू हो जाएगी और साल 2026 में ये फिल्म सिनेमाघरों में धमाका कर देगी।

2025 में रिलीज होगी खुशी और जुनैद की पहली फिल्म

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक और नई फिल्म का ऐलान कर दिया गया है और इसमें फ्रेश जोड़ी नजर आने वाली है। ये फ्रेश जोड़ी खुशी कपूर और जुनैद खान की होगी और दोनों रोमांटिक ड्रामा फिल्म में काम करते नजर आएंगे। इस तरह से दिवंगत

एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी और आमिर खान का बेटा ऑनस्क्रीन रोमांस करते नजर आएंगे। फैंस खुशी कपूर और जुनैद खान को पर्दे पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं। फिल्म के टाइटल का अनाउंसमेंट नहीं किया गया लेकिन इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। आइए जानते हैं कि जुनैद खान और खुशी कपूर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टारकिड्स खुशी कपूर और जुनैद खान की ऑनस्क्रीन जोड़ी बनने वाली है। दरअसल, दोनों की नई फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है। अद्वैत चंदन के डायरेक्शन में बनने वाली खुशी कपूर और जुनैद खान की फिल्म लोगों को जमकर एंटरटेनमेंट) करने वाली हैं। ये पहला मौका होगा जब खुशी कपूर और जुनैद खान एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे और दोनों की ये फिल्म रोमांटिक ड्रामा होगी। दोनों स्टारकिड्स की इस फिल्म का टाइटल अभी नहीं बताया गया है लेकिन रिलीज डेट सामने आ गई है। खुशी कपूर और जुनैद खान की साथ में पहली फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताते चलें कि आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म %महराजा% से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। वहीं, खुशी कपूर ने फिल्म आर्चीज से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। अब जुनैद खान और खुशी कपूर इस फिल्म में काम करते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और जुनैद खान और खुशी कपूर शूटिंग में बिजी हैं।

'स्त्री 2' तोड़ेगी 'जवान' का रिकॉर्ड

अब फिल्म स्त्री 2 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। इस फिल्म के आगे सिर्फ शाहरुख खान की फिल्म जवान है और इसका कलेक्शन रिकॉर्ड निशाने पर रहेगा। बताते चलें कि फिल्म स्त्री 2 पठान, एनिमल, गदर 2, बाहुबली 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉड़ तोड़ चुकी है। आइए जानते हैं कि राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2ने अब तक कितनी कमाई कर ली है।

बॉलीवुड फिल्म स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम है और इसका नतीजा कलेक्शन में साफ दिखाई दे रहा है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर ने लोगों पर अपनी एक्टिंग की जबरदस्त छाप छोड़ी है। अब फिल्म स्त्री 2 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। इस फिल्म के आगे सिर्फ शाहरुख खान की फिल्म जवान है और इसका कलेक्शन रिकॉर्ड निशाने पर रहेगा। बताते चलें कि फिल्म स्त्री 2 पठान, एनिमल, गदर 2, बाहुबली 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉड़ तोड़ चुकी है। आइए जानते हैं कि राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2ने अब तक कितनी कमाई कर ली है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के स्टार्स राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कमाई लगातार आगे बढ़ रही है और जल्द ही ये 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म स्त्री 2 ने बीते सोमवार को 3.17 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह से फिल्म की अब तक की कमाई 583.35 करोड़ रुपये हो चुकी है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 के सामने अब सिर्फ शाहरुख खान की फिल्म जवान का कलेक्शन रिकॉर्ड है। इस फिल्म 643.87 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अब देखने वाली बात होगी कि फिल्म स्त्री 2 शाहरुख खान की फिल्म जवान का रिकॉर्ड तोड़ पाती है या नहीं। बतात चलें कि 600 करोड़ रुपये के क्लब में सिर्फ शाहरुख खान की फिल्म जवान है। वहीं, 500 करोड़ रुपये क्लब में स्त्री 2, एनिमल, पठान, गदर 2 और बाहुबली 2 शामिल हो चुकी हैं। अब राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 के कलेक्शन में फैंस की निगाहें कि ये जल्द ही 600 करोड़ रुपये क्लब में शामिल हो।

सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी को भर-भर कर मिले शादी के प्रपोजल

श्वेता तिवारी टीवी की उन अदाकाराओं में से एक हैं जो कि आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। श्वेता तिवारी कई बार अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से लोगों के निशाने पर आ जाती हैं। लोग अक्सर श्वेता तिवारी को तीसरी शादी के लिए ताने मारते हैं। हालांकि श्वेता तिवारी ने कभी भी इन खबरों पर ध्यान नहीं दिया। श्वेता तिवारी हमेशा अपनी फिटनेस पर फोकस बनाए रखती हैं। यही वजह है जो 2 बच्चों की मां बनने के बाद भी श्वेता तिवारी कमाल दिखती हैं। हाल ये हो चुका है कि अब तो श्वेता तिवारी को शादी के प्रपोजल भी मिलने लग गए हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि इस बात का सबूत तो श्वेता तिवारी की लेटेस्ट पोस्ट है। इंस्टाग्राम पर कुछ समय पहले ही श्वेता तिवारी ने अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। इन तस्वीरों में श्वेता तिवारी ओरेंज कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी का फिगर बेहद कमाल लग रहा है। यही वजह है जो लोगों ने बिना देर किए श्वेता तिवारी की तारीफ करनी शुरू कर दी। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर तो कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने इन तस्वीरों को देखकर श्वेता तिवारी को प्रपोज करना शुरू कर दिया है।एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, श्वेता तिवारी मैं दूसरी बार अपनी पोस्ट पर अपनी शादी की बात कर रहा हूं। क्या आप मेरे साथ शादी करना चाहेंगी। एक दूसरे यूजर ने लिखा, मेरे लिए उम्र शिर्फ एक नंबर है। क्या आप मेरी गर्लफ्रेंड बनना पसंद करेंगी। कुल मिलाकर देखा जाए तो श्वेता तिवारी की तस्वीरों ने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है। लोग लगातार श्वेता तिवारी की खूबसूरती के बारे में बात कर रहे हैं। श्वेता तिवारी ने अपना लुक इतन निखार लिया है कि लोग ये बात भूल चुके हैं कि उनका 2 बार तलाक हो चुका है।

कंगना रनौत ने बताया अपना 'वेडिंग प्लान'

बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस और बीजेपी एमपी कंगना रनौत अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। कंगना रनौत की ये फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी लेकिन सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट ना मिल पाने के चलते पोस्टपोन हो गई। इसी बीच कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी शादी को लेकर काफी बात की है। यहां तक कि कंगना रनौत ने अपना वेडिंग प्लान भी रिवील कर दिया है। आइए जानते हैं कंगना रनौत ने अपनी शादी को लेकर क्या कहा है।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में क्वीन के नाम से मशहूर कंगना रनौत की शादी से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए उनके फैंस उतावले रहते हैं। अब कंगना रनौत ने न्यूज18 के साथ इंटरव्यू में अपनी शादी को लेकर काफी बातें की हैं। कंगना रनौत से पूछा गया है कि वह अब शादी करेंगी? इस पर कंगना रनौत ने कहा, हां, मैं शादी करना चाहती हूं। उनसे सवाल किया गया है कि क्या वह सांसद रहते हुए शादी करेंगी। इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, उम्मीद तो है, इसके बाद शादी करने को कोई फायदा नहीं रहेगा। इतना बोलकर कंगना रनौत हंस पड़ीं।

कंगना रनौत ने अपनी शादी की प्लानिंग के सवाल कहा, पहले मेरी फिल्म रिलीज होने दो, फिर मैं आपको आगे बताऊंगी।

कंगना रनौत से चिराग पासवान के साथ वायरल तस्वीर को लेकर बात की गई। इस पर कंगना रनौत ने कहा कि चिराग पासवान उनके अछे दोस्त हैं और दोनों साथ में फिल्म भी की है। कंगना रनौत ने आगे मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें हर जगह तस्वीर के बारे में सफाई देनी पड़ती है। हालांकि, कंगना रनौत ने स्पष्ट तौर पर कहा कि उनके और चिराग पासवान के बीच कुछ नहीं है और वो बेहद ही विनम्र इंसान हैं। कंगना रनौत के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म इमरजेंसी में काम करते नजर आएंगी। इस फिल्म में वह दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल करते नजर आएंगी। कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी का डायरेक्शन भी किया है।